रोहित का दबदबा, आइसीसी टूर्नामेंट में तीसरे सबसे सफल कप्तान बने
@स्पोर्ट्स

राजस्थान पत्रिका

यूक्रेन ने रूस पर किया 373 ड्रोन्स से हमला, 3 की मौत
@इंडिया-वर्ल्ड

पत्रिका अखबार हर दिन लोगों के घर के दरवाजे खोलता है और पढ़ने के बाद मन के दरवाजे खोलता है।

पड़ोस में बड़ा कांड: बीएलए ने ट्रैक उड़ाया, 48 घंटे का अल्टीमेटम

पाक में ट्रेन हाईजैक, 214 यात्री बंधक, 30 सैनिकों की हत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मंगलवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर 214 यात्रियों को बंधक बना लिया और 30 पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या कर दी व एक ड्रोन भी मार गिराया। बीएलए ने बंधक लोगों को 'युद्धबंदी' बताते हुए पाकिस्तान सरकार को 48 घंटे अल्टीमेटम देते हुए कहा कि बलूच राजनीतिक कैदियों और बीएलए के लड़कों को रिहा जाए। जाफर एक्सप्रेस बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से सुबह 9 बजे खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर रवाना हुई थी। करीब 125 किमी दूर बोलन स्टेशन के पास दोपहर 1 बजे टनल-8 पर बीएलए के लड़ाकों ने ट्रेन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। हमले में ट्रेन का ड्राइवर घायल हो गया। इसके बाद ट्रेन को नियंत्रण में ले लिया। इस घटना को दुर्गम पहाड़ी इलाके में अंजाम दिया ताकि पाक सेना यहां तक न पहुंच सके।

बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि क्वेटा के अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई। ट्रेन के 9 डिब्बों में करीब 400 यात्री सवार थे। बीएलए ने ट्रेन को नियंत्रण में लेने के बाद स्थानीय लोगों, महिला और बच्चों को रिहा कर दिया। देर रात पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि सेना से इलाके को घेरकर ट्रेन को हाईजैक करने वाले बीएलए के लड़ाकों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया। इसमें 13 लड़ाकों को मार गिराया और 80 बंधकों को मुक्त करा लिया।

1 पाकिस्तान में क्वेटा के पास मंगलवार को हाईजैक की गई जाफर एक्सप्रेस।
2 घटना के बाद क्वेटा के करीब धादर में उड़ते पाकिस्तानी सेना के हेलिकॉप्टर।

नफरत क्यों

पंजाबियों से...

- **पाकिस्तान** बनने के बाद पंजाब देश की राजनीति पर हावी रहा है। सेना, न्यायपालिका व नौकरशाही में पंजाबियों का दबदबा है। इसने बलूचिस्तानियों के बीच विभाजन व फूट को बढ़ावा दिया है।
- **बलूचिस्तान** में प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। इसके बावजूद लोग गरीब हैं। बलूचों का तर्क है कि पंजाब के लोग संसाधनों का लाभ ले रहे हैं और उनके हिस्से गरीबी आ रही है।

सेना से...

पाकिस्तान बनने के बाद बलोच आजादी के लिए विद्रोह करते रहे हैं। 1948 के बाद 1958-59, 1962-63 और 1973-1977 में लड़ाई लड़ी गई। 2003 से फिर बलोच लड़ाई लड़ रहे हैं। आंदोलन का पाक सरकार व सेना ने हर बार क्रूरतापूर्वक दमन किया। सेना पर मनमाने तरीके से गिरफ्तारी व युवाओं को गायब करने के आरोप लगते रहे हैं।

बलूचिस्तान की आजादी चाहता है बीएलए

बलूचिस्तान के लोग भारत-पाक बंटवारे के बाद आजाद देश चाहते थे, लेकिन उन्हें पाकिस्तान में शामिल कर दिया। बलूचिस्तान की आजादी की मांग करने वाले कई संगठनों में बीएलए सबसे ताकतवर संगठन है। यह 70 के दशक में अस्तित्व में आया। यह बलूचिस्तान को पाकिस्तानी सरकार और चीन से मुक्ति दिलाना चाहता है।

पहले भी हुई ट्रैन हाईजैक की घटना

- 1977 में नीदरलैंड के मोलुक्कन राष्ट्रवादियों ने ट्रेन का अपहरण कर 50 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया गया।
- 6 फरवरी, 2013 में को मुंबई-हावड़ा मार्ग पर जनशताब्दी ट्रेन को हाईजैक किया। मामले में 6 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई।
- 2009 में माओवादियों ने भुवनेश्वर-राजधानी को हाईजैक किया।

चेतावनी... ऑपरेशन चलाया तो हत्या

बीएलए ने पाकिस्तान की सेना को धमकी देते हुए कहा कि सेना ने कोई ऑपरेशन शुरू किया तो वह बंधकों को मार देगा। इस कत्ल-ए-आम की जिम्मेदारी पाकिस्तानी सेना की होगी।

ट्रैक को उड़ाया, इससे ट्रेन हो गई डिरेल

बीएलए ने कहा कि लड़ाकों ने रेलवे ट्रैक को उड़ा दिया था। इस कारण जाफर एक्सप्रेस डिरेल हो गई और उसे रुकना पड़ा। बताया जाता है कि ट्रेन में पाकिस्तानी सेना, पुलिस, एंटी-टेररिज्म फोर्स (एटीएफ) और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के एजेंट मौजूद हैं। इन्हें बंधक बना लिया है।

कोई समझौता नहीं होगा: नकवी

घटना के बाद पाकिस्तानी सेना ने इस इलाके की ओर एक ट्रेन से सैनिकों को रवाना किया है। पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि हम ऐसे जानवरों से कोई समझौता नहीं करेंगे, जिन्होंने बेकसूर यात्रियों पर गोलीबारी की।

'जवान' जैसी घटना

__शाहरुख__ खान की फिल्म 'जवान' में अपनी बात मनवाने के लिए ट्रेन हाईजैक करने की कहानी आपने जरूर देखी होगी, लेकिन असल में ऐसी किसी वारदात की शायद ही याद हो। बीएलए ने बलूचिस्तान में इसे साकार कर दिया है। जवान फिल्म में तो इस दुस्साहस का सुखद अंत होता है। बलूचिस्तान में क्लाइमेक्स अभी आना बाकी है।

बनेगा नया कानून: केंद्र सरकार ने लोकसभा में पेश किया आप्रवासन व विदेशी विधेयक 2025

घुसपैठ पर नकेल, बिना वारंट होगी गिरफ्तारी

- सात साल की कैद और 10 लाख का जुर्माना
- पकड़े जाने पर साबित करनी होगी नागरिकता
- मौलिक अधिकारों का होगा उल्लंघन: कांग्रेस

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने देश में घुसपैठ पर अंकुश लगाने के लिए लोकसभा में मंगलवार को आप्रवासन और विदेशी विधेयक 2025 पेश किया। विधेयक में कहा गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता या राष्ट्र की अखंडता के लिए खतरा पैदा करने वाले किसी भी विदेशी को देश में प्रवेश या रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सरकार को देश में दाखिल होने व बाहर जाने वाले लोगों के संबंध में पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों की जरूरतों व विदेशियों से संबंधित मामलों को नियमित करने की शक्ति मिलेगी। शेष@पेज 04

सख्त सजा के प्रावधान

- **वैध** पासपोर्ट या वीजा के बिना भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने पर पांच साल तक की कैद और पांच लाख रुपए तक का जुर्माना
- **जाली** दस्तावेज बनाने वालों को दो से सात साल तक जेल और एक लाख से 10 लाख रुपए तक का जुर्माना
- **निर्धारित** समय से अधिक समय तक रहना, वीजा शर्तों का उल्लंघन करना या प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश करने पर तीन साल तक की कैद, तीन लाख तक का जुर्माना या दोनों
- **बिना** उचित दस्तावेज के व्यक्तियों को लाने-ले जाने वाले ट्रांसपोर्टर पर पांच लाख रुपए तक का जुर्माना

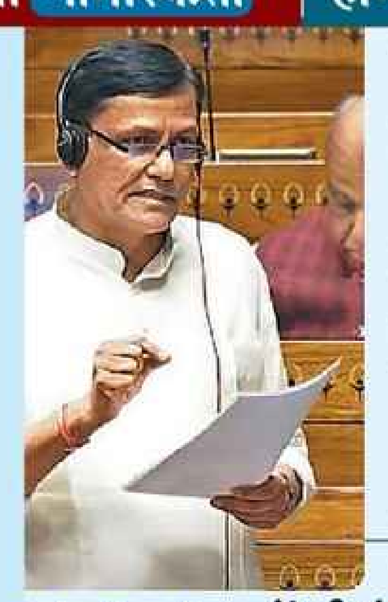

पहले आदेश था, अब कानून बनेगा

देश की सुरक्षा के लिहाज से यह बहुत जरूरी है। हम किसी को रोकने के लिए यह विधेयक नहीं ला रहे बल्कि जो लोग आएं वे कानून का पालन करें, इसलिए ला रहे हैं। किसी विदेशी के अस्पताल या शैक्षणिक परिसर में जाने से पहले जानकारी अब भी मुहैया कराई जाती थी, अब तक प्रावधान था, जिसे कानून के रूप में लाया जा रहा है।

नित्यानंद राय, गृह राज्य मंत्री

इन चार कानूनों की लेगा जगह

विदेशी अधिनियम 1946, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920, विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम 1939 और आव्रजन (वाहक दायित्व) अधिनियम 2000 की जगह यह विधेयक लेगा।

खुन्नस

कबड्डी मैच में हार पर काट दी दलित छात्र की अंगुलियां

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. तमिलनाडु के अरियानायागपुरम गांव में कबड्डी मैच की हार का बदला लेने के लिए दलित छात्र पर हमला कर उसके हाथ की अंगुलियां काट दी गईं। मजदूर थंगा गणेश का बेटा देवेंद्रन परीक्षा देने बस से स्कूल जा रहा था। रास्ते में तीन नाबालिगों ने बस रुकवाई व देवेंद्रन को बाहर खींचकर उसके बाएं हाथ की अंगुलियां काट दीं। पुलिस ने तीनों नाबालिगों को हिरासत में ले लिया है। देवेंद्रन के पिता ने बताया कि कबड्डी मैच में देवेंद्रन ने विरोधी टीम को हराने में अहम भूमिका निभाई थी।

तेज होगा संचार: दूर-दराज के इलाकों को मिलेगा ब्रॉडबैंड

एयरटेल ने मिलाया मस्क से हाथ, देश में सैटेलाइट इंटरनेट के लिए रास्ता खुला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश में सैटेलाइट इंटरनेट की जल्द शुरुआत हो सकती है। भारती एयरटेल ने मंगलवार को ऐलान किया कि सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सेवाएं देने के लिए वह एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के सैटेलाइट इंटरनेट डिवीजन स्टारलिंक के साथ साझेदारी करेगी। दोनों के बीच समझौता हो गया है। समझौते के तहत एयरटेल और स्पेसएक्स, स्टारलिंक के डिवाइस एयरटेल के रिटेल स्टोर के माध्यम से ग्राहकों को पेश करने और सेवा उपलब्ध कराने की संभावनाएं तलाशेंगे।

एयरटेल के बयान के मुताबिक यह भारत में साइन होने वाला पहला समझौता है, जो देश में स्टारलिंक को बेचने के लिए स्पेसएक्स को अनुमति प्राप्त करने के अधीन है। शेष@पेज 04

बढ़ जाएगी क्षमता

एयरटेल का कहना है कि यह साझेदारी भारत के दूरदराज के इलाकों में भी विश्वस्तरीय तेज गति वाला ब्रॉडबैंड लाने की क्षमता बढ़ाएगी। इससे सुनिश्चित होगा कि हर किसी के पास विश्वसनीय इंटरनेट हो।

स्टारलिंक देता है हाई-स्पीड इंटरनेट... स्टारलिंक पूरी दुनिया में हाई-स्पीड, लो-लेटेंसी वाला इंटरनेट प्रदान करता है। पृथ्वी की निचली कक्षा का उपयोग करने वाले दुनिया के पहले और सबसे बड़े उपग्रह समूह के रूप में, स्टारलिंक स्ट्रीमिंग, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल और अन्य का समर्थन करने में सक्षम ब्रॉडबैंड इंटरनेट प्रदान करता है।

न्यूज विंडो

चैतन्य बघेल को ईडी ने भेजा समन

रायपुर@ पत्रिका. ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को समन जारी किया है। उन्हें कथित शराब घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में 15 मार्च को तलब किया गया है। ईडी ने दुर्ग में सोमवार को भूपेश बघेल व बेटे के 14 ठिकानों पर छापेमारी में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और दस्तावेज जब्त किए थे।

तेज प्रताप व हेमा को मिली जमानत

नई दिल्ली@ पत्रिका. दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में तेज प्रताप यादव, हेमा यादव और अन्य आरोपियों को जमानत दे दी। सभी समन जारी होने के बाद कोर्ट में पेश हुए। लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी व मीसा भारती ने छूट की अर्जी दाखिल की। अगली सुनवाई 20 मार्च को होगी।

एमपी हाईकोर्ट: सीआइसी पर 40 हजार का जुर्माना

'मुख्य सूचना आयुक्त ने सरकार के एजेंट की तरह किया काम'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सूचना का अधिकार (आरटीआइ) से संबंधित अपनी तरह के पहले प्रकरण में राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त (सीआइसी) के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए उन पर गलत आदेश पारित करने के लिए 40 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने कहा, आदेश का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने पर पता चलता है कि सीआइसी ने अपनी वैधानिक जिम्मेदारी का परित्याग कर दिया है और मामले के तथ्यों की सूक्ष्मता से जांच न करके सरकार के एजेंट के रूप में काम किया है।

जस्टिस विवेक अग्रवाल की पीठ ने सीआइसी के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को निश्चित अवधि में निशुल्क सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। भोपाल निवासी नीरज निगम ने सूचना आयुक्त के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें सूचना के प्रतिलिपि शुल्क के रूप में 2.12 लाख रुपए जमा कराए जाने के कहा गया था। उनकी ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखते हुए बताया कि निगम ने 2019 में पशुपालन विभाग के संचालनालय में पदस्थ एक कर्मचारी के बारे में सूचनाएं मांगी थी। सूचना देने के लिए निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद विभाग की ओर से उनसे प्रतिलिपि शुल्क की मांग की जबकि अवधि निकलने के बाद वह निशुल्क सूचना के हकदार थे। विभाग में प्रथम अपील अपील खारिज किए जाने के बाद उन्होंने सूचना आयोग का दरवाजा खटखटाया, लेकिन सुनवाई के बाद सीआइसी ने भी उनकी अपील को निरस्त कर 2.12 लाख रुपए शुल्क जमा कराए जाने के आदेश को बहाल रखा।

पारदर्शिता को झटका

हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद माना कि सूचना आयोग का निर्णय पूरी तरह अनुचित था और पारदर्शिता के सिद्धांतों के खिलाफ था। सूचना आयोग सरकार के हितों के रक्षा के लिए नहीं है, बल्कि उसे नागरिकों के सूचना के अधिकार को सुनिश्चित करना चाहिए।

मॉरीशस: प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च सम्मान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पोर्ट लुईस. मॉरीशस के पीएम नवीन रामगुलाम ने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन' नवाजा। मोदी मॉरीशस के दो दिन के राजकीय दौरे पर हैं। मोदी ने प्रवासियों को संबोधित किया। उन्होंने भोजपुरी में भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यहां की मिट्टी में, हवा में, पानी में अपनेपन का एहसास है।

__पोर्ट लुईस.__ मॉरीशस के राष्ट्रपति धरम गोखुल को संगम का गंगाजल भेंट करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। मोदी मंगलवार सुबह दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे हैं। उन्होंने समकक्ष रामगुलाम से भी भेंट की।

दिनदहाड़े: संभल में भाजपा नेता गुलफाम सिंह की दिनदहाड़े हत्या

बाइक से आए, पैर छूए; लगाया जहर का इंजेक्शन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के संभल में भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। बाइक पर आए तीन युवक उनके फार्महाउस में घुसे और पैर छूकर बातचीत करने लगे। इससे पहले कि 70 साल के यादव कुछ समझ पाते, उनमें से एक ने उन्हें जहर का इंजेक्शन लगा दिया। कुछ देर बाद यादव की हालत बिगड़ने लगी। उन्हें बेहोशी की हालत में गुन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से अलीगढ़ हायर सेंटर रैफर किया गया था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

पुलिस से सूचना के मुताबिक गुलफाम सिंह यादव संभल जिले के दबथरा गांव में फार्महाउस में बैठे हुए थे। तीन बदमाश उनके पेट में जहर का इंजेक्शन लगाकर भाग गए। हत्या के कारणों का पता नहीं चला है।

मुलायम के खिलाफ लड़ चुके थे चुनाव

गुलफाम सिंह यादव 1976 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह और बदायूं जनपद में भाजपा के जिला महामंत्री रह चुके थे। भाजपा ने 2004 के विधानसभा उपचुनाव में उन्हें तत्कालीन सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के सामने मैदान में उतारा था। हालांकि वह चुनाव हार गए थे। उन्हें क्षेत्र में बेहद प्रभावशाली नेता माना जाता था।

मद्रास हाईकोर्ट: मौलिक अधिकार का हनन नहीं

भगवान माफ करेंगे.. मेट्रो स्टेशन के लिए ले सकेंगे मंदिर की भूमि

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि विकास कार्यों के लिए मंदिर की जमीन का अधिग्रहण किया जा सकता है। इस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लाखों लोगों को लाभ पहुंचाने वाली परियोजनाओं पर भगवान भी कृपा करेंगे। जस्टिस एन.आनंद वेंकटेश ने चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) को मेट्रो स्टेशन स्थापित करने के लिए दो हिंदू मंदिरों की जमीन के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी।

जस्टिस वेंकटेश ने कहा कि विकास कार्यों के लिए धार्मिक संस्थाओं से जमीन का अधिग्रहण संविधान के अनुच्छेद 25 या 26 की तहत दिए गए किसी भी मौलिक अधिकार का हनन नहीं है। सीएमआरएल ने मेट्रो स्टेशन बनाने के लिए दो मंदिरों की भूमि का अधिग्रहण करने का प्रस्ताव रखा था। भक्तों ने भूमि अधिग्रहण को चुनौती देते हुए जनहित याचिका दायर की। सीएमआरएल ने एकल पीठ को बताया कि वह उस क्षेत्र के दूसरी ओर भूमि का अधिग्रहण कर सकता है, जिसमें यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी का मुख्यालय है। इसे इंश्योरेंस कंपनी ने चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने इंश्योरेंस कंपनी की जमीन को लेकर जारी अधिग्रहण का नोटिस रद्द करने के आदेश दिए।

विवेकानंद को सही अर्थों में समझा जाए

जस्टिस वेंकटेश ने सुनवाई के दौरान स्वामी विवेकानंद का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विवेकानंद ने कहा था कि धर्म का सर्वोच्च उद्देश्य मानव जाति को एकजुट करना और मानवता की सेवा करना है। ऐसे में हमें उनके शब्दों को सही अर्थों में समझने की जरूरत है।

ट्रेंडिंग न्यूज

ओडिशा

ट्रैक पार करती एंबुलेंस भिड़ी मालगाड़ी से

भुवनेश्वर@ पत्रिका. ओडिशा के रायगढ़ जिले में एंबुलेंस रेलवे लाइन पार करते समय मालगाड़ी से टकरा गई। मालगाड़ी उसे 100 मीटर तक घसीट ले गई, लेकिन उसमें सवार 10 लोग बाल-बाल बच गए। मालगाड़ी की रफ्तार कम होने से बड़ा हादसा टल गया।

झारखंड

गैंगस्टर अमन साव पुलिस मुठभेड़ में ढेर

रांची@ पत्रिका. झारखंड के पलामू जिले में गैंगस्टर अमन साव पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। झारखंड पुलिस उसे छत्तीसगढ़ के रायपुर जेल से पूछताछ के लिए रांची ला रही थी। उसने एक जवान से राइफल छीनकर भागने की कोशिश की। विस्तृत @ पेज 07

सुप्रीम कोर्ट

दिव्यांग कैदियों की सुविधाओं पर मांगा जवाब

नई दिल्ली@ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में दिव्यांग कैदियों की सुविधाओं पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। जेलों में दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, 2016 के क्रियान्वयन के अनुरोध वाली याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने कहा कि जवाब चार सप्ताह में दिया जाए।

चिंताजनक | असम का बर्नीहाट सूची में शीर्ष पर, दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी

दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषण वाले 20 शहरों में 13 भारत के

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में 13 भारत के हैं। इस सूची में असम का बर्नीहाट सबसे ऊपर है, जबकि दिल्ली लगातार छठे साल दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बनी हुई है। स्विट्जरलैंड की वायु गुणवत्ता तकनीक कंपनी आइक्यूएयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2024 के मुताबिक दिल्ली में पीएम 2.5 का सालाना औसत स्तर पिछले साल 91.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो 2023 के 92.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से करीब एक फीसदी कम है।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारत अब दुनिया का पांचवां सबसे प्रदूषित देश है, जबकि 2023 में यह तीसरे स्थान पर था। पिछले साल भारत में पीएम 2.5 का औसत स्तर 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। यह 2023 के 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से 7% कम है। शेष@पेज 04

आइक्यूएयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट से सामने आई तस्वीर

भारत के प्रदूषित शहर

1. बर्नीहाट (असम)
2. दिल्ली (राजधानी)
3. मुल्लांपुर (पंजाब)
4. फरीदाबाद (हरियाणा)
5. लोनी (उत्तर प्रदेश)
6. नई दिल्ली
7. गुरुग्राम (हरियाणा)
8. श्रीगंगानगर (राजस्थान)
9. ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)
10. भिवाड़ी (राजस्थान)
11. मुजफ्फरनगर (यूपी)
12. हनुमानगढ़ (राजस्थान)
13. नोएडा (उत्तर प्रदेश)

प्रदूषण से सेहत को खतरा बढ़ा

पीएम 2.5 के अत्यधिक स्तर से सांस संबंधी बीमारियां, हृदय रोग व कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ स्टडी के मुताबिक 2009 से 2019 के बीच हर साल भारत में करीब 15 लाख मौतें लंबी समय तक पीएम 2.5 प्रदूषण के संपर्क में रहने से हुईं। वायु प्रदूषण के कारण भारत में औसत जीवन प्रत्याशा 5.2 साल घट रही है। ऐसे में वायु प्रदूषण को रोकने के लिए ठोस उपायों की जरूरत है।

रामनगरी में बिग डील: 54,454 वर्ग फुट जमीन के लिए चुकाए 86 लाख

हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल बनने के आसार, अयोध्या में अमिताभ ने खरीदा एक और भूखंड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अयोध्या. हरिवंश राय बच्चन ट्रस्ट ने राम मंदिर से 10 किलोमीटर दूर 54,454 वर्ग फुट जमीन खरीदी है। अयोध्या में अमिताभ बच्चन परिवार का यह दूसरा भूमि सौदा है। इस जमीन पर कवि हरिवंश राय बच्चन का मेमोरियल बनाया जा सकता है। तिहुरा मांझा इलाके में खरीदी गई जमीन के लिए 86 लाख रुपए का भुगतान किया गया। पिछले साल राम मंदिर के शुभारंभ से पहले अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में 5,372 वर्ग फुट जमीन 4.54 करोड़ रुपए में खरीदी थी। दोनों मौकों पर अमिताभ और हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से राजेश ऋषिकेश यादव खरीदार थे। सूत्रों ने बताया कि मंदिर के पास खरीदे गए भूखंडों में से एक का इस्तेमाल आवासीय व दूसरे को सामाजिक कार्य के लिए किया जाएगा।

सेल डीड्स की पुष्टि

पंजीकरण विभाग के सहायक महानिरीक्षक योगेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, हम फिलहाल सेल डीड्स की पुष्टि कर सकते हैं। भवन योजना को मंजूरी मिलने के बाद पता चल जाएगा कि निवेश का क्या उद्देश्य है।

अभिषेक-श्वेता का बराबर का हिस्सा

मुंबई में अमिताभ बच्चन की कई प्रॉपर्टी हैं। वह मुंबई में कई प्रॉपर्टी खरीदने के साथ कुछ बेच भी चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि उनके जाने के बाद सब कुछ बेटे अभिषेक बच्चन और बेटी श्वेता के बीच बराबर बांटा जाएगा।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ▪ अलवर ▪ अहमदाबाद ▪ इंदौर ▪ उज्जैन ▪ उदयपुर ▪ कोटा ▪ कोलकाता ▪ खंडवा ▪ ग्वालियर ▪ चेन्नई ▪ छिंदवाड़ा ▪ जगदलपुर ▪ जबलपुर ▪ जयपुर ▪ जोधपुर ▪ झुंझुनूं ▪ दिल्ली ▪ नागौर ▪ नर्मदापुरम ▪ पाली ▪ बाड़मेर ▪ बांसवाड़ा ▪ बिलासपुर ▪ बीकानेर ▪ बेंगलूरु ▪ भरतपुर ▪ भिलाई ▪ भीलवाड़ा ▪ भोपाल ▪ रतलाम ▪ रायपुर ▪ सतना ▪ सागर ▪ सीकर ▪ सूरत ▪ शहडोल ▪ श्रीगंगानगर

नड्डा ने खरगे को सुनाई खरी-खोटी

राज्यसभा में खरगे बोले-हम ठीक से ठोकेंगे, हंगामा हुआ तो मांगी माफी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान की तमिलनाडु के लोगों पर की गई टिप्पणी पर मंगलवार को राज्यसभा में सरकार और विपक्षी भिड़ गए। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुस्से में कहा, 'क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे। सरकार को ठोकेंगे। यहां पर तानाशाही चल रही है, किसी को भी बोलने नहीं दिया जा रहा।' खरगे के इस बयान पर केन्द्रीय चिकित्सा मंत्री जे.पी नड्डा ने खरगे को खरी खोटी सुना दी। हालांकि खरगे ने बयान पर सदन से माफी मांग ली।

दरअसल, खरगे ने नई शिक्षा नीति को लेकर मंत्री प्रधान के बयान की निंदा की। जब उपसभापति हरिवंश ने खरगे को बोलने से रोका गया तो वो गुस्सा गए। उन्होंने कहा कि यहां तानाशाही चल रही है। उन्होंने कहा कि क्या-क्या ठोकना है हम ठीक से ठोकेंगे। सरकार को ठोकेंगे। इस पर मंत्री जेपी नड्डा ने सख्त लहजे में बोला कि ये तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, वर्तमान नेता विपक्ष जिनका संसद में इतना लंब अनुभव है, उन्होंने इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है। ये निंदनीय है, चेयर के प्रति ऐसा शब्द का इस्तेमाल होना, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। खरगे को माफी तो मांगनी ही चाहिए।

माफी पर भी तकरार

विवाद ज्यादा बढ़ा तो खरगे ने सफाई पेश करते हुए कहा माफी मांगी। साथ ही कहा कि उन्होंने आसन के लिए कुछ नहीं बोला, वो सरकार के लिए बोल रहे थे। खरगे की इस पर नड्डा ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर सरकार के लिए भी उनकी तरफ से ऐसे शब्दों का इस्तेमाल हुआ, इसे भी स्वीकार नहीं किया जा सकता, यह भी निंदनीय ही है।

मणिपुर मामले में सीतारमण-गोगोई में नोक-झोंक

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रपति शासित मणिपुर के बजट को लोकसभा में रखा। इस दौरान कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि मणिपुर में दो साल से बंदूक के नोक पर लोगों का जीवन चल रहा है, लेकिन सरकार ध्यान नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मणिपुर जाना चाहिए और वहां के लोगों की समस्याओं पर विचार करना चाहिए। गोगोई ने अमरीका के टैरिफ का मुद्दा उठाया और कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। इस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के सदस्य बार-बार प्रधानमंत्री का अपमान करते हैं। यह गलत परम्परा है। देश के प्रधानमंत्री का सम्मान किया जाना चाहिए और समझना चाहिए कि किसी भी तरह से उन्हें गाली नहीं दी जा सकती है। अध्यक्ष ओम बिरला ने चेतावनी देते हुए कहा कि सदस्यों को इधर-उधर की बातें करने की बजाय नियम के अनुसार सदन में रखे मुद्दे पर बात करनी चाहिए और जो मुद्दे सदन में चर्चा के लिए रखे जाते हैं उन पर ही चर्चा करनी चाहिए।

नई शिक्षा नीति से शिक्षा का वर्तमान और भविष्य बदलेगा: तिवाड़ी

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. राजस्थान से राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि नई शिक्षा नीति ने देश में शिक्षा के वर्तमान एवं भविष्य को बदलने की दिशा में सार्थक कदम है। तिवाड़ी ने यह बातें राज्यसभा में नई शिक्षा नीति पर चर्चा में भाग लेते हुए कही। उन्होंने कहा कि समग्र शिक्षा अभियान में बुनियादी ढांचा, लैब, शिक्षकों के प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान दिया गया है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा के बजट पर भी ध्यान दिया गया है। विद्यालयों में इस नीति के तहत न केवल विद्यालय अपितु बच्चों पर भी बजट का भाग खर्च किया जा रहा है। उनकी ड्रेस, पुस्तकें, मिड्डे मील इत्यादि योजनाओं को अधिक सशक्त किया गया है। पीएम श्री योजना लाई जाकर विद्यालयों की दशा बदली जा रही है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को विषय चुनने,

भाषा चुनने के लिए स्वतंत्र किया गया ताकि वे अपनी इच्छा के विषय अपनी भाषा में पढ़ सके। शिक्षा पर खर्च किया जा रहा बजट राष्ट्र की जीडीपी का 3 प्रतिशत है। उच्च शिक्षा पर पिछले 10 वर्षो में वह काम हुए जो पिछले 50 वर्षो में नहीं हुआ। मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालयों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई। शिक्षा में शोध के लिए 50 हजार करोड़ का बजट रखा गया है। स्वयं एवं ई-पाठशाला की शुरुआत की गई है। आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में भी काफी कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। वेद शिक्षा पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

किसानों को खातेदारी भूमि पर खनन की मंजूरी की मांग

केंद्र की योजनाओं के 1.40 लाख करोड़ का नहीं हुआ उपयोग, बैंक खातों में पड़े: बेनीवाल

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने कहा कि राज्यों को आवंटित बजट का उपयोग समय पर नहीं हो रहा है। केंद्र की विभिन्न योजनाओं के लिए भेजी गई राशि में से करीब 1.40 लाख करोड़ रुपए अब भी बैंक खातों में पड़े हैं। उन्होंने वित्त मंत्री से इस धनराशि के प्रभावी उपयोग के लिए ठोस मॉनिटरिंग की मांग की।

बेनीवाल ने यह बातें मंगलवार को लोकसभा में वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों और वर्ष 2021-22 की अतिरिक्त अनुदान की मांगों पर चर्चा के दौरान कही। बेनीवाल ने लाइमस्टोन, बजरी व अन्य खनिजों के छोटे खनन पट्टे किसानों को देने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में गुजरात के व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार ने बेराइट्स, क्वार्ट्ज, फेल्सपार और अभ्रक को माइनर से मेजर मिनरल में शामिल कर दिया है, जिससे राजस्थान के छोटे उद्यमियों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने इस निर्णय की समीक्षा की मांग की। नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र में टंगस्टन खनन को फिर से शुरू करने के लिए केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया। सांसद ने नागौर की विश्वविख्यात पान मैथी को जीआई टैग देने की मांग की।

राजस्थान के जल विवादों का निस्तारण जरूरी

सांसद ने पंजाब के साथ राजस्थान के जल विवाद का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पंजाब से राजस्थान को उसका पूरा पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे बीकानेर, श्रीगंगानगर और जैसलमेर के मोहनगढ़ तक किसानों को सिंचाई के पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, पंजाब से राजस्थान में नहरों के माध्यम से आ रहे गंदे पानी से एक दर्जन जिलों के लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। उन्होंने इस समस्या के समाधान की मांग की।

एमएसपी की गारंटी की मांग

सांसद बेनीवाल ने किसानों की स्थिति सुधारने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दायरे में लाने और किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफी की पुरजोर मांग उठाई। उन्होंने देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से महंगाई पर नियंत्रण के लिए त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रश्नकाल में आक्रामक तेवर दिखाए

एक प्रधानमंत्री कहते थे कि 1 रुपया भेजता हूं तो केवल 15 पैसा पहुंचता है: शिवराज सिंह

नई दिल्ली@पत्रिका ब्यूरो. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए आक्रामक तेवर दिखाए। चौहान ने कहा कि हर पात्र किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिले। इसके लिए हम राज्य सरकारों के साथ मिलकर अभियान चलाते हैं। तमिलनाडु से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं एक बार कृषि विभाग के कार्य और एक बार ग्रामीण विकास के कार्य से तमिलनाडु गया। दोनों बार ना तो वहां के ग्रामीण विकास

मंत्री मेरी बैठक में आए और ना ही कृषि मंत्री बैठक में आए। मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं। शिवराज सिंह ने बेबाकी से कहा कि एक प्रधानमंत्री हुए थे, जो बहुत मजबूर थे, वह कहते थे कि एक रुपया भेजता हूं तो केवल 15 पैसा पहुंचता है पर यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है। हर साल 3 किस्तों में 6000 सीधे किसानों के खाते में जाते है, कोई गड़बड़ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र किसान को पीएम किसान निधि योजना का लाभ मिलें, इसके लिए कई उपाय किए हैं। पीएम किसान पोर्टल और मोबाइल एप विकसित किया है। साथ ही पात्र किसानों के नाम जोड़ने के लिए तीन अभियान चलाए हैं। चौथा अभियान हम 15 अप्रेल से पुनः प्रारंभ करेंगे। तमिलनाडु में भी कोई पात्र किसान बचा हो, तो राज्य सरकार पोर्टल में अपडेट करें। आवेदन ऑनलाइन कॉमन सर्विस सेंटर से उनका अपलोड कर दें, उनके नाम निश्चित तौर पर जोड़ दिए जाएंगे। तमिलनाडु के ऐसे लगभग 14000 किसान हैं, तमिलनाडु सरकार छानबीन करके भेज दें, तो इन सभी के नाम जोड़ दिए जाएंगे। दिल्ली से एक दिन की देरी भी नहीं होगी।

गिरिराज सिंह को किसने मंत्री बनाया: बनर्जी

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि मनरेगा योजना के लाभ पश्चिम बंगाल को नहीं मिल पा रहे हैं। मंत्रालय का लगातार यही कहना कि धोखाधड़ी के 25 लाख मामले पकड़े गए हैं, लेकिन जांच नहीं की और किसी को पकड़ा नहीं। 25 लाख मामलों की वजह से 10 करोड़ लोगों का पैसा नहीं रोक सकते। इस दौरान टोकाटोकी शुरू हो गई, जिस पर बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से कहा 'आप केंद्रीय मंत्री है और आप इस तरह बर्ताव कर रहे हैं। आपको मंत्री किसने बनाया।' इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने नाराजगी जाहिर करते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

ट्रेन में एक बार में 1118 यात्री सफर कर सकेंगे

कोलकाता में जल्द दौड़ेंगी नई एसी लोकल ट्रेन

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता को जल्द वातानुकूलित नई ईएमयू ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। इससे अप-डाउन करने वाले कर्मचारी, श्रमिक और अन्य लोगों को सुविधा मिलेगी। जल्द दो रेक कोलकाता पहुंचने वाले हैं।

इन ट्रेनों का संचालन करीब 110 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से होगा। इसके रेक में 12 कोच होंगे। कोच स्टेनलेस स्टील बॉडी से बने हैं और साइड की दीवारें सीधी हैं। सभी कोचों में प्रत्येक तरफ चार स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे हैं। कोचों में पैनोरमिक दृश्य के लिए चौड़ी और बड़ी डबल सीलबंद ग्लास खिड़कियां हैं।

सभी कोचों में 3 सीटर स्टेनलेस स्टील सीटें दी गई हैं। रेक की कुल बैठने की क्षमता 1118 यात्री है। प्रत्येक कोच का पूरा यात्री क्षेत्र और दरवाजा सीसीटीवी से कवर किया गया है।

आपातकालीन स्थिति के लिए रेक के प्रत्येक कोच में यात्री टॉक-बैक सुविधा उपलब्ध है।

दिव्यांग जनों को मुख्यधारा में लाने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत: शशि थरूर

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो. सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारी विधायी रूपरेखा पुरानी परंपराओं की तरह नहीं दिखनी चाहिए। दिव्यांग जनों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। नीतियों में मौजूद खामियों को दूर करने और आवंटित बजट का सही उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए।

थरूर ने यह बातें मंगलवार को एनसीपीईडीपी की ओर से दिव्यांगजनों को लेकर आयोजित एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि हमें विकलांगता समावेशन को केवल एक सामाजिक आवश्यकता के रूप में नहीं, बल्कि एक आर्थिक और राजनीतिक आवश्यकता के रूप में पुनः परिभाषित करना होगा।

उन्होंने आह्वान किया कि हमें पुरानी सोच से बाहर निकलकर समानता, गरिमा और समावेशन को केवल आदर्श बोल नहीं, बल्कि जीवन की सच्चाई बनाना होगा। हमारे देश में कानून

विकलांगता को एक महत्वपूर्ण पहचान के रूप में मान्यता देता है, लेकिन इन अधिकारों के कार्यान्वयन की गति हमारी राष्ट्रीय आकांक्षाओं से मेल नहीं खा रही है। आज भी विकलांग व्यक्ति सरकार में कम प्रतिनिधित्व पाते हैं, नीति-निर्माण की चर्चाओं से बाहर रखे जाते हैं और बजट आवंटन में नजरअंदाज किए जाते हैं।

राज्यसभा सांसद डॉ. फौजिया खान ने विकलांगता से जुड़े सटीक आंकड़ों की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि 2025 की जनगणना में दिव्यांग जनों के लिए एक अलग वर्ग होना चाहिए। सही आंकड़ों के अभाव में संसाधनों का उचित आवंटन और प्रभावी नीति निर्माण मुश्किल हो जाता है।

विवाद: पीएम श्री योजना पर सहमति का पत्र जारी किया

स्टालिन सरकार के यू-टर्न के बयान पर कायम: प्रधान

नई दिल्ली @ पत्रिका. शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि वह लोकसभा में दिए अपने पहले के बयान पर कायम हैं कि तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने केंद्र प्रायोजित 'पीएम श्री योजना' को लागू करने पर यू-टर्न ले लिया है। प्रधान ने एक्स पोस्ट में 15 मार्च 2024 को तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्य सचिव शिव दास मीना का शिक्षा मंत्रालय को लिखा गया एक पत्र भी साझा किया, जिसमें कहा गया कि तमिलनाडु प्रदेश में पीएम श्री स्कूल स्थापित करने के लिए एमओयू करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। प्रधान ने कहा कि संसद में डीएमके सांसद उन पर गुमराह करने का आरोप लगा रहे हैं लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर तमिलनाडु सरकार का अचानक रुख बदलना राजनीतिक स्वार्थ जाहिर करता है।

पीएम इंटर्नशिप योजना के आवेदन अब 31 मार्च तक

नई दिल्ली @ पत्रिका. केंद्रीय बजट 2024-25 में घोषित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआइएस) देश के युवाओं को शानदार अवसर प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत 21 से 24 वर्ष की आयु के एक करोड़ युवाओं को अगले पांच वर्षों में 12 माह की पेड इंटर्नशिप मिलेगी। योजना को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की ओर से लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारत को 'विश्व की कौशल राजधानी' बनाना है। योजना के दूसरे पायलट चरण की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें 730 जिलों में 1 लाख से अधिक इंटर्नशिप अवसर उपलब्ध हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक बढ़ा दी गई है। इस चरण में उत्तर-पश्चिम क्षेत्र, अहमदाबाद के चार राज्यों में 25,338 और राजस्थान में 4,839 अवसर मौजूद हैं।

बहस: नाम भारत तो यही बोला जाए - होसबाले

संघ ने फिर कहा 'इंडिया' क्यों? सिर्फ भारत हो...

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने मंगलवार को देश के नाम पर बहस को फिर से हवा देते हुए इसे भारत कहे जाने की वकालत की। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि अगर देश का नाम भारत है, तो इसे ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अंग्रेजी में यह इंडिया है और भारतीय भाषाओं में भारत...फिर कांस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया क्यों है? यह सवाल उठाया जाना चाहिए और इसे ठीक किया जाना चाहिए। होसबाले ने जिक्र किया कि दिल्ली में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान, राष्ट्रपति भवन के निमंत्रण पत्र और 26 जनवरी को प्रधानमंत्री के निमंत्रण पत्र पर अंग्रेजी में भारत गणराज्य लिखा हुआ था।

चाहे जिस नाम से पुकारें: उमर

होसबाले के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हम अपने देश को भारत, इंडिया और हिंदुस्तान कहते हैं। कोई भी जिस नाम से पुकारना चाहता है, वह पुकार सकता है। सीपीआई सांसद पी. संतोष कुमार ने कहा कि इसे विवादास्पद विषय बनाने का कोई मतलब नहीं है। आरएसएस अपने नाम से अंग्रेजी अक्षर क्यों नहीं हटा लेता। कांग्रेस सांसद के.सुरेश ने कहा कि यह आरएसएस की सोच है, वे इंडिया नहीं केवल भारत चाहते हैं। देश के लोगों को संघ की यह नीति स्वीकार नहीं है।

हाईकोर्ट: 13 वर्षीय बालिका को दी गर्भपात की अनुमति

नई दिल्ली. जयपुर. राजस्थान हाईकोर्ट ने 13 वर्षीय बलात्कार पीड़िता को 27 सप्ताह 6 दिन के भ्रूण का गर्भपात कराने की अनुमति दी। कोर्ट ने कहा कि बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर किया तो पीड़िता को जीवनभर दर्द झेलना पड़ेगा। इससे पीड़िता के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर होगा, वहीं जान को भारी जोखिम के बावजूद परिजन भी पीड़िता का गर्भपात कराना चाहते हैं। न्यायाधीश सुदेश बंसल ने मामले से जुड़े सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए महिला चिकित्सालय सांगानेर की अधीक्षक को मेडिकल बोर्ड गठित कर गर्भपात के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने अस्पताल अधीक्षक से कहा कि अगर भ्रूण में जीव पाया जाए तो उसे जिंदा रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में राज्य सरकार के खर्च पर उसका पालन-पोषण हो सके। यदि भ्रूण जिंदा नहीं हो तो उसे डीएनए रिपोर्ट के लिए सुरक्षित रखा जाए। पीड़िता की ओर से अधिवक्ता सोनिया शांडिल्य ने कोर्ट को बताया कि 13 साल की बलात्कार पीड़िता गर्भवती है और उसके माता-पिता गर्भपात कराना चाहते हैं।

पूर्वोत्तर: 'आतंक-अलगाव के कारण रह गया पीछे'

हिंसा, बंद, ड्रग्स और ब्लॉकेड ने बांटा टुकड़ों में: अमित शाह

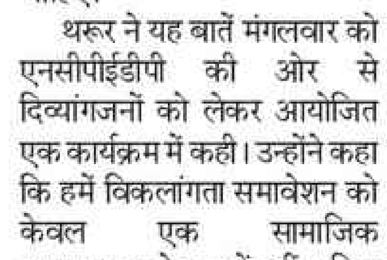

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तमाम विशेषताओं से लैस होने के बावजूद पूर्वोत्तर में मतिभ्रम व विवाद पैदा कर आतंकवाद तथा अलगाववाद खड़ा किया गया जिससे यह क्षेत्र विकास की दृष्टि से चार दशक पीछे चला गया।

छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत राजधानी आए पूर्वोत्तर के राज्यों के छात्रों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर भारतीय संस्कृति का एक अमूल्य गहना है और यह संस्कृति को समृद्ध करने वाली विरासत से लैस है। उन्होंने कहा, 'हिंसा, बंद, ड्रग्स, ब्लाकेड और प्रांतवाद ने हमारे नॉर्थईस्ट को टुकड़ों में बांट दिया।' प्रधानमंत्री ने केंद्र के हर कार्यक्रम में 'नॉर्थईस्ट' को केंद्र बिंदु बनाया।

मणिपुर: 24 घंटे में सात उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल @ पत्रिका. मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। बिष्णुपुर से मैतई उग्रवादी समूह केवाईकेएल के दो सदस्यों, इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबंग-पीएस के अंतर्गत केइराओ वांगखेम, नगारियान चिंगखोंग से यूपीपीके के एक सक्रिय सदस्य, केसीपी (पीडब्लूजी) के दो सदस्यों व काकचिंग से आरपीएफ, पीएलए के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया।

बीएसएफ का ट्रक खाई में गिरा, 3 जवानों की मौत

नई दिल्ली. इंफाल@पत्रिका. मणिपुर के सेनापति जिले के चांगौबंग गांव में सुरक्षाबलों का एक ट्रक खाई में गिर गया। हादसे में कम से कम तीन बीएसएफ जवानों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

भाजपा ऐसे अपराधियों को संरक्षण देती है और मामलों का खुलासा होने पर चुप्पी साध लेती है

ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं के साथ जघन्य अपराधों के दोषी बालेश धनखड़ पर चुप्पी तोड़ें मोदी: लांबा

नई दिल्ली@पत्रिका ब्यूरो. कांग्रेस ने ऑस्ट्रेलिया में महिलाओं के साथ जघन्य अपराधों के दोषी भाजपा नेता बालेश धनखड़ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चुप्पी तोड़ने की मांग की है। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि भाजपा ऐसे अपराधियों को संरक्षण देती है और जब भी ऐसे मामलों का खुलासा होता है, सरकार चुप्पी साध लेती है।

लांबा ने यह बातें मंगलवार को कांग्रेस कार्यालय से पत्रकार वार्ता में कहीं। लांबा ने बताया कि उन्हें

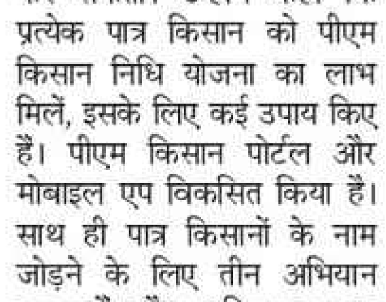

विजय चौक पर मीडिया से बात करने से रोक दिया गया। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया और कहा कि सरकार सच को दबाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि बालेश धनखड़ ऑस्ट्रेलिया में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा के प्रमुख रह चुके हैं। हाल ही में उन्हें ऑस्ट्रेलिया की अदालत ने महिलाओं के साथ बलात्कार, ब्लैकमेलिंग और अश्लील वीडियो बनाने के मामले में 40 साल की सजा सुनाई है। लांबा ने बताया कि बालेश धनखड़ प्रधानमंत्री मोदी के करीबी रहे हैं और कई बार उनसे मुलाकात कर चुके हैं। बालेश धनखड़ को प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में विशेष निमंत्रण भेजा गया था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बालेश की तस्वीरें भी दिखाईं। लांबा ने मास रेपिस्ट एनडीए नेता प्रज्वल रेवन्ना, भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण, गुजरात के पूर्व मंत्री समेत अन्य नेताओं के महिलाओं के साथ किए गए अत्याचारों की याद दिलाते हुए भाजपा पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब बालेश धनखड़ के कुकर्मों को छुपाने में भी भाजपा जुट गई है। उसे डर रहता है कि धनखड़ जैसे लोगों ने अपना मुंह खोल दिया तो पार्टी के बड़े-बड़े नेता बेनकाब हो जाएंगे।

जेकेआइएम व अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध, होगी कार्रवाई

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के दो संगठनों, 'जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन' और मौलवी उमर फारुक की 'अवामी एक्शन कमेटी' पर गैरकानूनी गतिविधियों और देश की सुरक्षा के लिए खतरे का आरोप लगाते हुए उन्हें अवैध संगठन घोषित कर दिया। गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून के तहत संगठनों की गतिविधियों पर 5 साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा, दोनों संगठनों के सदस्य आतंकी गतिविधियों का समर्थन करने और जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए देश विरोधी बयानों का प्रचार करने में शामिल रहे हैं।

पोलमपोल भायो

जँगळ पर काबिज हुया, मिलीभगत का खेल।
भुगते छै हर राज में, बाघ-बघेरा जेळ!!

रेल प्रशासन ने पुराने स्टेशन को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए किया सर्वे

हिन्दुमलकोट स्टेशन : ताजा होंगी विभाजन से पहले की यादें

यहां एक बार फिर दिखेगा हिन्दुस्तान-पाकिस्तान विभाजन से पहले का नजारा

मंगेश कौशिक
patrika.com

श्रीगंगानगर. बॉर्डर के गांव हिन्दुमलकोट में ब्रिटिश काल में बने रेलवे स्टेशन पर एक बार फिर से विभाजन से पहले का नजारा देखने को मिलेगा।

रेल प्रशासन ने वर्षों से बदहाल रेलवे स्टेशन को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की योजना बनाई है।

ब्रिटिश काल में बना हिन्दुमलकोट के पुराने रेलवे स्टेशन का भवन।

रेलवे महाप्रबंधक और डीआरएम के निरीक्षण के बाद तकनीकी टीम सर्वे कर चुकी है। उम्मीद की जा रही है कि हिन्दुमलकोट में बीएसएफ की सीमा चौकी से भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा का नजारा देखने वाले पर्यटकों को इसी साल रेलवे स्टेशन पर विभाजन से पहले का नजारा भी देखने को मिल सकेगा।

रेल प्रशासन को दिए सुझाव मंजूर

जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि पुराने रेलवे स्टेशन पर फिर से पटरी बिछाकर भाप वाला इंजन और डिब्बे खड़े करने का सुझाव रेल प्रशासन को दिया था, जिसे मंजूर कर लिया गया है। पुराने स्टेशन पर उस समय चलने वाले भाप के इंजन को देख कर विभाजन से पहले के जमाने की यादें ताजा होंगी।

विकसित किया गया बॉर्डर एरिया

हिन्दुमलकोट में बीएसएफ की सीमा चौकी को जब से बॉर्डर एरिया डवलपमेंट प्रोग्राम के तहत विकसित किया गया, वहां पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने प्रयास किए तो रेलवे की तरफ से महाप्रबंधक और डीआरएम बीकानेर हिन्दुमलकोट जाकर पुराने रेलवे स्टेशन का अवलोकन किया।

1892 में हुआ था स्टेशन का निर्माण

1892 में हिन्दुमलकोट में रेलवे स्टेशन का निर्माण हुआ था। यहां से गाड़ी विभाजन के बाद बने पाकिस्तान की भोलेवाला मंडी होते हुए कराची और बहावलपुर जाती थी। उधर से गाड़ी अबोहर, मलोट और बठिण्डा होते हुए दिल्ली जाती थी। विभाजन से एक देश के दो टुकड़े हुए और दोनों के बीच सीमा रेखा खींच दी गई तो यह रेल मार्ग अतीत का अध्याय बन गया। दोनों ही तरफ पटरियों को उखाड़ दिया, लेकिन स्टेशन का भवन आज भी पुरानी यादों को संजोए खड़ा है।

'मैं कोटा हूं' पत्रिका महोत्सव

चंबल मैया को चुनरी ओढ़ाई: महाआरती और दीपदान किया

राजस्थान पत्रिका कोटा संस्करण के 40वें स्थापना दिवस पर आयोजन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोटा. राजस्थान पत्रिका कोटा संस्करण के 40वें स्थापना दिवस के तहत आयोजित 'मैं कोटा हूं' पत्रिका महोत्सव के तहत मंगलवार को भीतरिया कुंड पर चंबल मैया को गाजे-बाजे के साथ मंगलगीत गाते हुए बड़ी संख्या में महिलाओं ने चुनरी ओढ़ाई। इसके साथ ही संतों की मौजूदगी में चंबल मैया की महाआरती की गई। महिलाओं और भक्तजनों ने दीपदान किया। महोत्सव में शहर के कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों की भागीदारी रही। मौजीबाबा धाम की साध्वी हेमा सरस्वती, संत प्रभाकर और गुरुबोधदास ने राजस्थान पत्रिका के 40वें स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी और कहा कि राजस्थान पत्रिका हमेशा सामाजिक सरोकारों में अग्रणी रहा है। निष्पक्षता के साथ पत्रकारिता का धर्म निभा रहा है। आमजन को जागरुक करने में भी पत्रिका की अहम भूमिका है।

ट्रेंडिंग वीडियो

1.

संसद में खरगे क्यों बोले- ठोक देंगे: नड्डा से हुई भिड़ंत

2.

पैर छुए और घुसा दिया इंजेक्शन: भाजपा नेता की हत्या

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

आठवीं बोर्ड परीक्षा के रोल नंबर जारी, परीक्षाएं 20 से

बीकानेर @ पत्रिका. शिक्षा विभागीय परीक्षाएं पंजीयक की ओर से मंगलवार को आठवीं बोर्ड परीक्षा के प्रवेश पत्र ऑनलाइन जारी कर दिए गए। परीक्षाएं 20 मार्च से शुरू होंगी। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश पत्र पर टाइम टेबल भी प्रकाशित किया गया है। परीक्षा का समय दोपहर 2 से 4.30 बजे तक रखा गया है। प्रदेश में 12 लाख 77 हजार परीक्षार्थियों का पंजीकरण हुआ है। 20 मार्च को अंग्रेजी, 22 मार्च को हिंदी, 24 मार्च को विज्ञान, 26 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 29 मार्च को गणित और दो अप्रेल को संस्कृत, उर्दू, गुजराती, सिंधी, पंजाबी, संस्कृतम, (संस्कृत शिक्षा विभाग) की परीक्षाएं होंगी।

पोकरण: लोकदेवता इलोजी के चित्र पर आपत्तिजनक वस्तुएं लगाने से विवाद

पोकरण (जैसलमेर) @ पत्रिका. कस्बे में फोर्ट के आगे गांधी चौक जाने वाले मार्ग पर रखे लोक देवता इलोजी के चित्र को लेकर मंगलवार को विवाद हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, समझाइश के बाद मामला सुलझा। पुलिस ने चित्र पर लगाई आपत्तिजनक सामग्री को हटा दिया। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष होली के मौके पर फोर्ट रोड से गांधी चौक जाने वाले मार्ग पर फोर्ट के आगे एक पत्थर पर इलोजी का चित्र लगाया जाता है। होलाष्टक शुरू होने पर लगा चित्र होली तक यहीं रहता है। इस वर्ष कुछ लोगों ने इलोजी के चित्र पर आपत्तिजनक वस्तुएं लगा दी। मंगलवार शाम कुछ लोगों ने इस पर विरोध जताया।

प्रदेश के 65 हजार स्कूलों को मिली सिर्फ 16 फीसदी राशि

विद्यालयों में पढ़ाई नहीं, फंड के गणित में उलझ गए गुरुजी

भावना सोलंकी
patrika.com

बीकानेर. प्रदेश के 65 हजार सरकारी स्कूलों के संस्था प्रधानों की इन दिनों धड़कनें बढ़ी हुई हैं। वजह है वित्तीय वर्ष समाप्ति (31 मार्च) का नजदीक आना। स्कूलों में बिजली-पानी के बिल भरने से लेकर टॉयलेट क्लीनर तक की खरीद के लिए संस्था प्रधानों को सीएसजी (स्कूल कंपोजिट ग्रांट) मिलती है। इसका भुगतान बाद में मिलता है। स्कूल में एक अप्रेल से ही संस्था प्रधान जेब से व उधारी से खर्च चलाते रहते हैं। वित्तीय वर्ष के अंत तक राशि मिल जाती है, तो वे उधारी चुका देते हैं। इस साल ग्रांट की 16% राशि ही स्कूलों को मिली है। जबकि वित्तीय वर्ष समाप्ति में महज 20 दिन शेष हैं।

दरअसल, सीएसजी में दिसंबर-जनवरी तक राशि जारी कर दी जाती है। इस साल स्कूलों को ग्रांट में 84% बजट जारी नहीं किया है। उलटा इस ग्रांट से खर्च की राशि का हिसाब विभाग मांग रहा है। खेल व अन्य गतिविधि के लिए स्कूल फैसिलिटी ग्रांट भी अब तक नहीं दी गई है।

बिजली-पानी बिल भरने और टॉयलेट क्लीनर तक के लिए पैसे नहीं

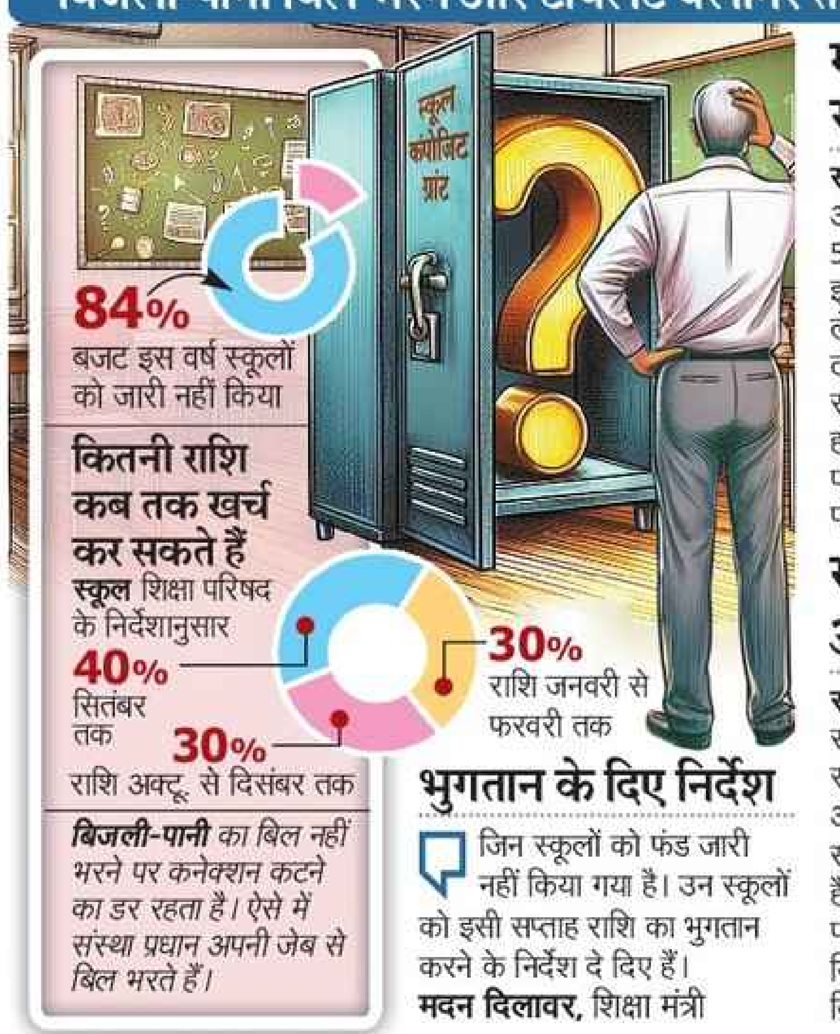

महज 50-75 हजार रुपए का मामला

सरकारी स्कूल को छात्र संख्या के आधार पर सालभर के खर्चों के लिए 50 से 75 हजार रुपए मिलते हैं। इससे बिजली-पानी के बिल भरने से लेकर बिजली उपकरणों, फर्नीचर, टॉयलेट सफाई, टूट-फूट, हाजिरी रजिस्टर और स्टेशनरी की खरीद होती है। खर्च का बिल एसएनए पोर्टल पर फीड करना होता है। पोर्टल 31 मार्च को लॉक हो जाएगा।

संगठन मुखर... अफसर चुप

राजस्थान शिक्षक संघ एवं संगठन राशि तुरंत जारी करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों का कहना है कि राशि समग्र शिक्षा अभियान से जारी होती है। उनके कार्यक्षेत्र में नहीं है, जबकि पदेन अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक (वरिष्ठ) समसा की जिम्मेदारी निदेशालय के पास ही है।

भुगतान के दिए निर्देश

जिन स्कूलों को फंड जारी नहीं किया गया है। उन स्कूलों को इसी सप्ताह राशि का भुगतान करने के निर्देश दे दिए हैं।
मदन दिलावर, शिक्षा मंत्री

बनास में नाव पलटने से डूबे तीनों युवक के शव मिले

सावर. अजमेर @ पत्रिका. ग्राम नापाखेड़ा के पास बनास में सोमवार दोपहर नाव पलटने से डूबे तीनों युवक के शव मंगलवार को गोताखोरों की टीम ने बाहर निकाले। पीड़ित परिवारों सहित ग्रामीणों ने मत्स्य ठेकेदार के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

पुलिस ने बताया कि सोमवार को ग्राम नापाखेड़ा निवासी सांवरलाल मीणा, प्रवीण मीणा, संदीप मीणा, राजवीर उर्फ बिट्टू मीणा और कालूराम मीणा नाव में बैठकर बनास नदी में गए थे। अचानक नाव पलट गई। सांवरलाल व प्रवीण ने तैरकर अपनी जान बचा ली। जबकि संदीप, राजवीर व कालूराम नदी में डूब गए। मंगलवार सुबह केकड़ी पुलिस ने गोताखोरों की टीमों के साथ शवों की तलाश शुरू की।

चौकीदारी का काम करते थे युवक: पुलिस ने बताया कि तीनों मृतक मत्स्य ठेकेदार के यहां चौकीदार का काम करते थे। परिजन का आरोप है कि ठेकेदार ने चौकीदारों को सुरक्षा उपकरण, बोट, जैकेट आदि सामग्री उपलब्ध नहीं करवा रखी थी। इधर विधायक शत्रुघ्न गौतम ने मृतकों के परिवारों को अपनी ओर से एक-एक लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की।

दौसा: मेहंदीपुर बालाजी में होली महोत्सव का आगाज

मेहंदीपुर बालाजी में ध्वज लेकर पहुंचे पदयात्रियों का जत्था।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मेहंदीपुर बालाजी (दौसा). मेहंदीपुर बालाजी में 6 दिवसीय होली महोत्सव की शुरुआत मंगलवार से हुई। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज के दर्शन कर खुशहाली की कामना की।

महंत डॉ. नरेशपुरी ने बालाजी के सोने का चोला चढ़ाकर और महाआरती के साथ महोत्सव की शुरुआत की। 16 मार्च तक चलने वाले महोत्सव में राजस्थान, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, पंजाब सहित विभिन्न प्रांतों के लाखों श्रद्धालु अपने आराध्य देव के दर्शन करने के लिए पहुंचेंगे। सुरक्षा के लिए दौसा और करौली जिले के करीब 200 पुलिसकर्मी तैनात किए हैं।

आपातकालीन सेवाओं के लिए 24 घंटे डॉक्टर्स की टीम, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौजूद रहेगी।

दस साल से रह रहा बांग्लादेशी घुसपैठिया पकड़ा

अजमेर @ पत्रिका. जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठिए को पकड़ने में सफलता हासिल की है। दरगाह थाना पुलिस

उसके निष्कासन की कार्रवाई कर रही है। बीते डेढ़ माह में एसटीएफ ने 8वां घुसपैठिया पकड़ा है। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि टीम ने मंगलवार को दरगाह क्षेत्र में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेश ढाका मीरपुर निवासी मोहम्मद सुरोज उर्फ रिप्पोन (48) को पकड़ा। मोहम्मद सुरोज अवैध रूप से बार्डर पार कर भारत में अलग-अलग स्थान पर रहते हुए दस साल पूर्व अजमेर पहुंचा।

अन्दरकोट में बना रखा है डेरा: एएसपी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर दरगाह अंदरकोट क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। स्पेशल टास्क फोर्स ने जालियान कब्रिस्तान, अंदर कोट, नई सड़क, तारागढ़ की पहाड़ियों की तलहटी, बड़े पीर का चिल्ला और दरगाह के आसपास के सम्भावित क्षेत्र में संदिग्ध और खानाबदोश को पकड़ने के बाद पूछताछ की है।

फोटो स्टोरी: अब सेवन नहीं सिक्स वंडर

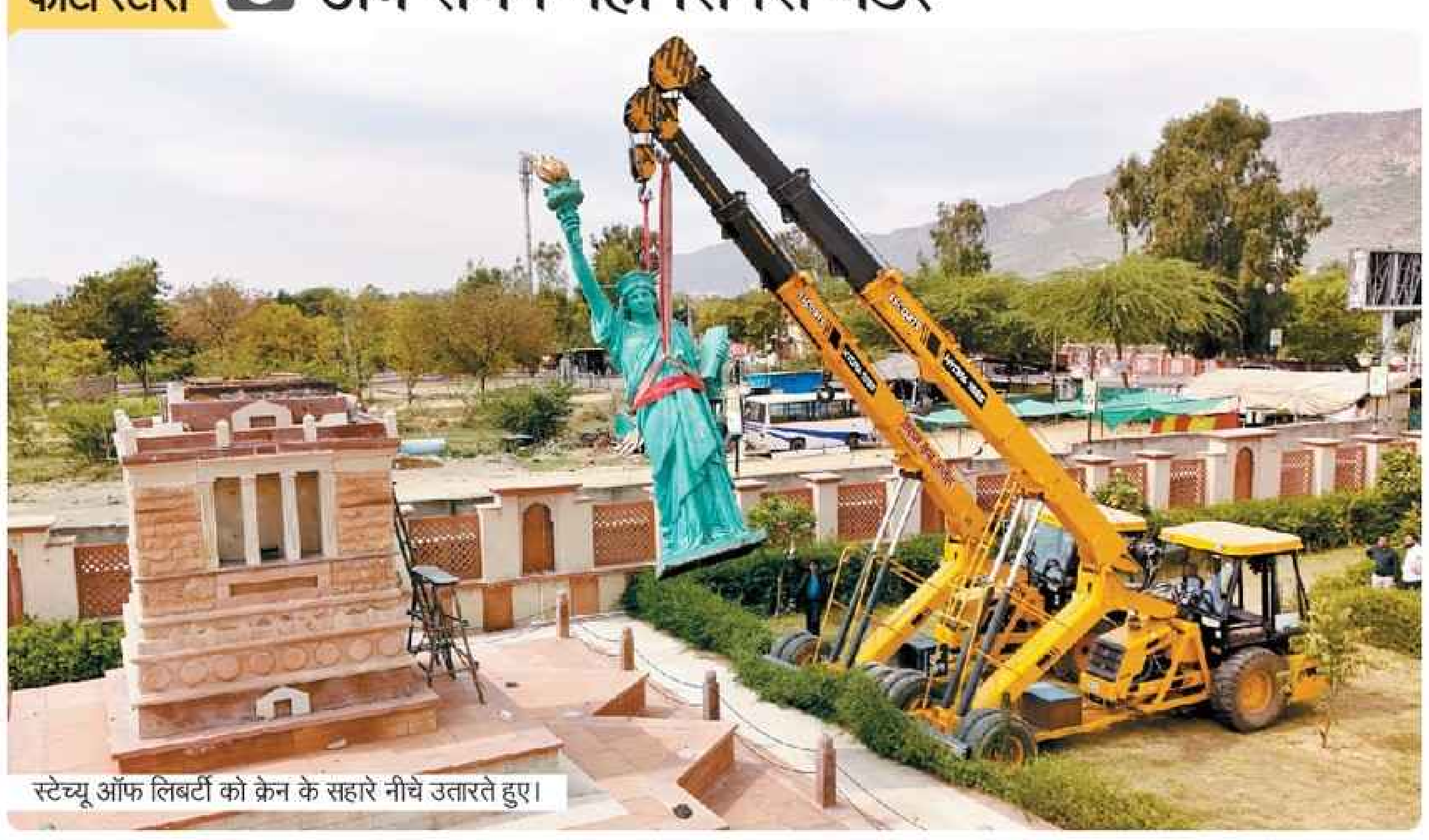
स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को क्रेन के सहारे नीचे उतारते हुए।

अजमेर. अजमेर में 81.16 करोड़ रुपए से पूरे हुए स्मार्ट सिटी के कामकाज को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अगले सप्ताह मुख्य सचिव सुधांशु पंत की सुनवाई से पहले नगर निगम और एडीए की टीम ने निर्माण कार्यों पर जेसीबी चलाई। मंगलवार को आनासागर-वैशाली नगर में 11.5 करोड़ रुपए से निर्मित सेवन वंडर्स पर लगी स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी को गैस कटर से काटकर क्रेन के सहारे नीचे उतारा गया। अब यहां सिक्स वंडर्स रह गए हैं। स्मार्ट सिटी योजना में बने ऋषि घाटी और लवकुश उद्यान के पास 7.29 करोड़ रुपए से निर्मित फूड कोर्ट को हटाने की कार्रवाई भी जारी है। 7.8 करोड़ से निर्मित महात्मा गांधी स्मृति उद्यान का फर्श तोड़ा गया। एनजीटी इन निर्माण कार्यों को तोड़ने के आदेश पिछले साल दे चुका है।

आनासागर में अतिक्रमण पर चली जेसीबी।

पांच कारोबारियों पर ईडी का छापा

केकड़ी (अजमेर) @ पत्रिका. केकड़ी में मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पांच कारोबारियों के यहां कार्रवाई की। ईडी की टीम पुराने डाक बंगले के सामने स्थित एक कॉम्प्लेक्स और घंटाघर के पास स्थित कारोबारियों के ठिकानों पर एक साथ पहुंची और जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार इन ठिकानों से विदेशी मुद्रा का अवैध लेन-देन किया जा रहा था। ईडी अधिकारियों ने कारोबारियों और उनके परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की। इससे पहले शुक्रवार को भी ईडी ने एक अन्य कारोबारी के यहां छापा मारा था। हालांकि ईडी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

रीको थाना पुलिस की कार्रवाई, चार गिरफ्तार

बस में मिले 2.50 करोड़ के आभूषण और 81 लाख नकद

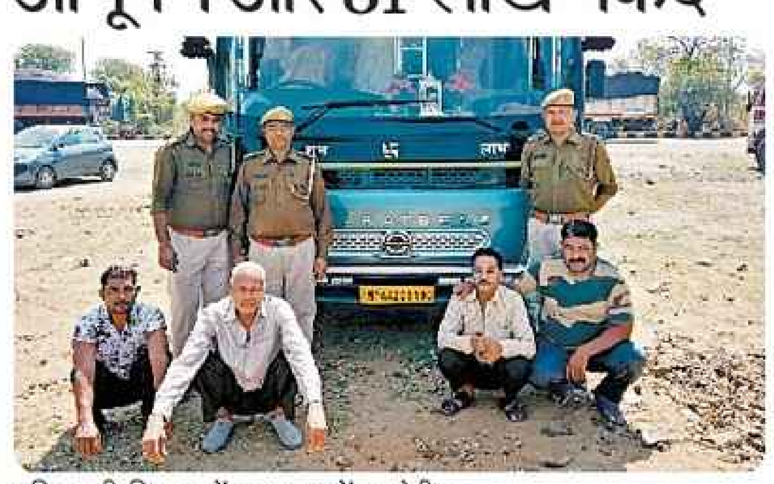
पुलिस की गिरफ्त में बस व चारों आरोपी।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

आबूरोड (सिरोही). रीको थाना पुलिस ने मंगलवार को निजी बस में बिना दस्तावेज के मिले ढाई करोड़ के सोने-चांदी के आभूषण, चांदी की सिल्लियां व लाखों की नकदी जब्त की। मामले में बस चालक, कंडक्टर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। बस बीकानेर से अहमदाबाद जा रही थी। जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन में रीको थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह चंपावत के नेतृत्व में गठित टीम ने मंगलवार को मावल चौकी पर नाकाबंदी की। इस दौरान आबूरोड की तरफ से रही पार्श्वनाथ ट्रेवल्स बस की जांच की, जिसमें स्लीपर सीट के नीचे बनाए तीन बॉक्स दिखे।

नहीं मिले दस्तावेज, आभूषण व नकदी जब्त: पुलिस ने बॉक्स खोले तो उनमें 81 लाख 49 हजार 400 रुपए नकद, 1 किलो 770 ग्राम सोने के जेवरात, 27 किलो 91 ग्राम चांदी के जेवरात व सिल्लियां मिली। चालक, परिचालक व उनके साथियों से दस्तावेज मांगे तो उन्होंने इनकार कर दिया। इस पर नकदी, सोने-चांदी के आभूषण व सिल्लियां जब्त की। चालक, परिचालक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया कि आभूषण व नकदी हवाला से जुड़ी हैं या नहीं इसकी जांच की जा रही है।

जब्त आभूषण व नकदी।

चार आरोपी गिरफ्तार

सिरोही के पालड़ी एम निवासी कालूराम (74), अरठवाड़ा निवासी हनीफ खान (45), झाड़ोली निवासी हरिश कुमार (45) व मांडवा निवासी सुरेश कुमार (35) को गिरफ्तार किया।

आदिवासी अंचल की अनूठी होली | वागड़ में अलग-अलग ढंग से होली मना कर करते हैं रस्म अदायगी

यहां रंगों से ज्यादा जलती लकड़ी मारने और अंगारों पर चलने का चलन

वागड़ में अलग-अलग स्थानों पर कई रस्में

आशीष बाजपेयी
patrika.com

बांसवाड़ा. राजस्थान के दक्षिण अंचल में कुछ रिवाज ऐसे हैं, जो होली का उत्साह कई गुना बढ़ा देते हैं। ये जनजाति क्षेत्र के समाजों को उनके रीति-रिवाजों, परंपराओं से जोड़े रखते हैं। वागड़ अंचल में अलग-अलग स्थानों पर ऐसी ही कई रिवाजों का निवर्हन किया जाता है। फिर चाहे जलती लकड़ी से एक-दूसरे को पीटना, अंगारों पर चलना हो या पेड़ पर बंधे कपड़े को उतारना। जनजाति क्षेत्र की अनूठी होली अलग ही अंदाज बयां करती हैं।

कोकापुर गांव में धुलंडी के दिन अंगारों पर चलता ग्रामीण। फाइल फोटो

पत्थर और कंडे मारकर मनाते हैं होली

डूंगरपुर के भीलूड़ा और सागवाड़ा में पत्थर और कंडे मारकर होली मनाने का चलन है। भीलूड़ा में धुलंडी के दिन रघुनाथ मंदिर के पास पत्थरों की राड खेली जाती है। सागवाड़ा शहर में धुलंडी के अगले दिन से पंचम तक अलग-अलग मोहल्लों में कंडों की राड खेलते हैं।

एक-दूसरे पर फेंकते जली लकड़ियां

बांसवाड़ा के घाटोल में अनूठे प्रकार से होली दहन और होली मनाई जाती हैं। सुबह चार बजे होलिका दहन के बाद बांसफोड़ समाज के लोग होली की अधजली लकड़ियों को एक-डेढ़ फीट के टुकड़ों में काट देते हैं। सुबह सात बजे लकड़ियों को दो ग्रुप बना एक-दूसरे पर फेंका जाता है।

फुतरा पंचमी पर करते शौर्य का प्रदर्शन

डूंगरपुर जिले के ओबरी गांव में होली के बाद पंचमी पर फुतरा पंचमी मनाते हैं। इस रस्म को मुख्यतौर पर ब्राह्मण, राजपूत और पाटीदार समाज मिलकर करते हैं। इसमें गांव के खुले स्थान पर खजूर के सबसे ऊंचे पेड़ पर ब्राह्मण समाज की ओर से एक सफेद कपड़ा (फुतरा) बांधा जाता है। दोपहर में मेला भरने के बाद गांव और तीनों समाज के युवा और अन्य लोग एकत्र होकर टोलियों में ढोल नगाड़ों संग फुतरा बंधे स्थान पर पहुंचते हैं। जहां राजपूत समाज के युवा खजूर के पेड़ पर चढ़ सफेद कपड़े (फुतरा) उतारने का प्रयास करते हैं। और ब्राह्मण और पाटीदार समाज के युवा इन्हें रोकने का प्रयास करते हैं। डूंगरपुर के चौरासी क्षेत्र में एकम से त्रयोदशी तक क्षेत्र के भचड़िया, ढेचरा मसूर, ढेचराभगत, मालाखोलड़ा, झरनी, डूंका, पुनावाड़ा गांवों मे भरने वाले इन मेलों में फुतरा छोड़ने का रिवाज है।

पहले चलते अंगारों पर फिर उड़ता गुलाल

डूंगरपुर के कोकापुर गांव में रंग खेलने से पहले अनूठी परंपरा का निर्वहन किया जाता है। होली जलने के बाद दूसरे दिन सूर्योदय से पूर्व अंगारों पर चलने की परंपरा है। इसके गेर नृत्य खेला जाता है।

सम्मेलन : 101 ने किया रक्तदान, महिलाओं ने भी दिखाया उत्साह

जैसलमेर@ पत्रिका. स्वर्णनगरी में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय जैसलमेर प्रवासी माहेश्वरी सम्मेलन सोमवार को संपन्न हो गया। इस अवसर पर घोषणा की गई कि अगला प्रवासी माहेश्वरी सम्मेलन 3 से 5 मार्च 2028 की अवधि में गुजरात के सूरत शहर में आयोजित किया जाएगा। समापन दिवस पर रामगढ़ मार्ग स्थित सम्मेलन स्थल पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 101 जनों ने रक्तदान कर मानवता के हित में संदेश दिया। रक्तदान करने में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। जानकारी के अनुसार शिविर में करीब 30 महिलाओं ने रक्तदान किया।

समापन दिवस पर जैसलमेर से देश के विभिन्न भागों में जाकर कामयाबी हासिल करने वाले योगेश मेहता, अरविंद कोठारी, गोकुल मालपानी आदि ने अपनी जीवन यात्रा के बारे में बताया। प्रवासी माहेश्वरी समुदाय के लोगों ने जैसलमेर में आयोजित सम्मेलन को यादगार बताया और आयोजन समिति में शामिल लोगों का सम्मान किया गया।

आज का राशिफल बुधवार, 12 मार्च, 2025

मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* घर में कुछ खास लोगों का आगमन होगा, जो शुभ रहेगा। सकारात्मक सोच के कारण कॅरियर में नए अवसर मिलेंगे।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। अध्ययन के लिए विदेश जाने के योग बनेंगे। घर के नवीनीकरण पर विचार होगा।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह* व्यापार में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। दिनचर्या में बदलाव आएगा। क्षमता से अधिक कार्य करेंगे।
कर्क	*हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* किसी विशेष कार्य के लिए कर रहे प्रयास सफल होंगे। भूमि भवन से संबंधित किसी बड़े कार्य को करेंगे।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* मन अनुकूल कार्य न होने से क्रोध बढ़ेगा। नए लोगों से संपर्क स्थापित होगा, जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* योग्यता पर भरोसा रखें। सफलता मिलेगी। रोग दूर होंगे। नए वस्त्र आभूषण की प्राप्ति होगी। मनपसंद भोजन मिलेगा।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* कॅरियर के प्रति महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने में पिता का विशेष योगदान होगा। परिवार में चल रहे विवाद बढ़ सकते हैं।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* व्यापार में चुनौतियों का सामना करना होगा। कर्मचारियों से परेशान रहेंगे। लंबे समय से कर रहे प्रयास सफल होंगे।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा। नौकरी में अधिकारियों से संबंध मधुर होंगे। राजनीति में विशेष व्यक्ति से भेंट होगी।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* राजनीति से जुड़े जातकों के लिए समय शुभ है। जीवनसाथी के साथ महत्त्वपूर्ण विषय पर चर्चा होगी।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* सामाजिक आयोजनों में महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी। कार्यस्थल पर वर्चस्व बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए समय परिश्रम का है।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* पुराने विवादों को भूलकर नई शुरुआत करें। रुका धन मिलने से कार्य पूरे होंगे। कारोबार विस्तार के लिए सहायता मिलेगी।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद व वास्तुविद्: पंडित मुकेश भारद्वाज

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	बसंत
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास :	रमजान-11	मास:	फाल्गुन
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

बुधवार, 12 मार्च, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ, अमृत के चौघड़िए क्रमशः सूर्योदय से 9.41 तक रहेंगे। शुभ का चौघड़िया 11.08 से 12.36 तक रहेगा। चर, लाभ के चौघड़िए क्रमश: 3.32 से सूर्यास्त तक रहेंगे। इन चौघड़ियों में शुभ कार्य प्रारंभ किए जा सकते हैं।

शुभ तिथि: जया संज्ञक त्रयोदशी तिथि दिन 9.12 तक, तदुपरान्त रिक्ता संज्ञक चतुर्दशी तिथि रहेगी। रिक्ता संज्ञक तिथि में मांगलिक कार्य, नवीन कार्यारंभ, गृहप्रवेश, नया व्यापार आदि कार्य नहीं किए जाते किन्तु मेले व तीर्थाटन के लिए शुभ होती है। शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी शुभ होती है।

नक्षत्र: मघा नक्षत्र रात्रि 4.05 तक, तदुपरान्त पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र है। मघा 'क्षिप्र या लघु व अधोमुख मुख' संज्ञक नक्षत्र है। इस नक्षत्र के स्वामी पितर हैं। इसे मूल नक्षत्रों में गिना जाता है। अधोमुख नक्षत्र में कुआं या नींव खोदना, बना हुआ मकान खरीदने के लिए शुभ रहता है। किन्तु मांगलिक कार्यों के शुभ नहीं है।

योग: सुकर्मा योग दिन 12.59 तक, तदुपरान्त धृति नामक योग रहेगा। सुकर्मा योग के स्वामी इंद्र हैं। सभी शुभ कार्यों, नई नौकरी, नवीन कार्यारंभ, धार्मिक आयोजन, आध्यात्मिक, सामाजिक कार्यों के लिए शुभ है। धृति योग शिलान्यास, भूमि पूजन, नींव के मुहूर्त के लिए शुभ योग है। इस योग में किया गया स्थायी कार्य कालांतर तक शुभ परिणाम देता है।

विशिष्ट योग: शुभ रवियोग सूर्योदय से रात्रि 4.05 तक रहेगा।

करण: तैतिल करण प्रात: 9.12 तक, तदुपरान्त गर करण प्रारम्भ होगा। तैतिल चर संज्ञक करण है। न्यायालय संबंधी कार्य, बागवानी, नवीन वस्त्र धारण, गृहनिर्माण आदि के लिए शुभ है। गर चर संज्ञक करण है। प्रतियोगिता, प्रेम प्रस्ताव, कार्यारंभ के लिए श्रेष्ठ है।

व्रत/दिवस विशेष: नन्द त्रयोदशी, माघीमासम् द. भा. में।

चंद्रमा: चन्द्रमा सम्पूर्ण दिन रात्रि सिंह राशि में रहेगा।

शुभ मुहूर्त: अभिजीत मुहूर्त बुधवार को नहीं माना जाता है। होली तक होलाष्टक चलने के कारण शुभ मांगलिक कार्यों का प्रारंभ नहीं किया जाता है।

दिशा शूल: आज उत्तर दिशा में दिशा शूल रहेगा, इसलिए उत्तर दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए। यदि उत्तर दिशा में यात्रा करना आज आवश्यक हो और टालना संभव नहीं हो तो यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व गणेश जी का ध्यान करें, उन्हें लड्डुओं का प्रसाद चढ़ाकर सबको बांटें और स्वयं भी सेवन करके यात्रा प्रारंभ करें।

राहुकाल (मध्यमान से): दिन 12.00 से 1.30 तक। राहु काल में शुभ कार्यों का प्रारंभ नहीं करना चाहिए। यदि कार्य को टाला जाना संभव नहीं हो तो सुपारी, पान या इलायची आदि का सेवन करके ही कार्य प्रारंभ करें। इससे राहुकाल का दुष्प्रभाव कम होगा।

आज जन्म लेने वाले बच्चे: आज जन्मे बच्चों की राशि सिंह होगी। आज सूर्योदय से रात्रि 4.14 तक मघा रहेगा तदुपरान्त पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र प्रारंभ होगा। मघा नक्षत्र गंडांत मूल संज्ञक नक्षत्र भी है इसलिए सूर्योदय से रात्रि 4.14 जन्मे बच्चों की मूल शांति करवाई जानी चाहिए। आज जन्मे बच्चों का रजत पाद होगा। श्रेष्ठता की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ है। आज जन्म लेने वाले बच्चों के प्रथम नामाक्षर मा, मी, मू, में, मो पर रखे जा सकते हैं। सिंह राशि के स्वामी सूर्य हैं। इस राशि के बच्चे निडर, साहसी, दयालु, ऐश्वर्यशाली, शत्रुहंता होते हैं। ये अग्नि तत्व की राशि हैं, जिससे इनको गुस्सा जल्दी आ जाता है परंतु नर्म भी जल्दी हो जाते हैं। ये पराक्रमी व बुद्धिमान, उधमी, कर्मठ, स्वतंत्र विचारों वाले होते हैं और बड़े काम से घबराते नहीं हैं। इनमें नैसर्गिक नेतृत्व क्षमता होती है।

गंगश्याम जी मंदिर: सुरक्षा के तहत द्वार पर ताला लगाकर की गई राजभोग आरती

ठाकुरजी ने भक्तों के संग नहीं खेली होली, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत

मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, पूजा के बाद श्रद्धालुओं को कराए गए दर्शन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. भीतरी शहर जूनी धान मंडी स्थित प्राचीन गंगश्यामजी मंदिर में फाल्गुन शुक्ल आमलकी एकादशी सोमवार के दिन भी ठाकुरजी के राजभोग आरती दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने के बाद मंदिर का द्वार बंद होने के कारण श्रद्धालु राजभोग आरती में भाग नहीं ले सके और ठाकुरजी संग होली नहीं खेल सके। रविवार को भी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। कुछ उत्पातियों के कारण व्यवस्थाएं बिगड़ गई थीं। ऐसे में सोमवार को मंदिर में माकूल सुरक्षा व्यवस्था की गई। मंदिर प्रबंधन के साथ पुलिस प्रशासन व देवस्थान विभाग के अधिकारी भी पूरे समय वहां मौजूद रहे।

गंगश्यामजी मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की भीड़।

श्रद्धालुओं को मंदिर के बाहर ही रोका

दोपहर में ठाकुरजी की राजभोग आरती व फागोत्सव के लिए भीड़ उमड़ी, लेकिन मंदिर के द्वार पर अंदर से ताला लगा होने के कारण पुलिस ने श्रद्धालुओं को मंदिर के बाहर ही रोके रखा। उत्पातियों को रोकने व भगदड़ नहीं हो, इसलिए बेरिकेड्स लगाकर श्रद्धालुओं को रोका गया। राजभोग आरती के बाद मंदिर प्रबंधन ने ताला खोल श्रद्धालुओं को कतारों में एक-एक करके दर्शन कराए। इस दौरान, श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में गुलाल उड़ाने की मनाही थी। इसलिए श्रद्धालुओं ने मंदिर के बाहर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर फागोत्सव मनाया।

मंदिर के द्वार पर लगा ताला।

रंग पंचमी तक रहेगी यही व्यवस्था

रविवार को उत्पातियों के मंदिर में प्रवेश कर हंगामा करने व भारी भीड़ से हुई अव्यवस्था के बाद मंदिर पुजारियों ने निर्णय लिया कि अब रंगपंचमी तक नित्य राजभोग आरती के बाद ठाकुरजी को गुलाल लगाई जाएगी। इस दौरान श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा, लेकिन उनके गुलाल उड़ाने पर रोक रहेगी।

कोरोना के बाद पहली बार लगा ताला

कोरोना महामारी के बाद यह पहला मौका है जब उत्पातियों के हुड़दंग करने के बाद मंदिर प्रबंधन को पहली बार मंदिर द्वार पर ताला लगाकर पूजा की गई।

पुजारियों ने की नित्य पूजा

मंदिर के पुजारियों मुरलीमनोहर शर्मा, पुरुषोत्तम शर्मा, सुनिल शर्मा, दिलीप व नरेन्द्र शर्मा की मौजूदगी में सोमवार को मंदिर में राजभोग आरती की गई व दस्तूर स्वरूप ठाकुरजी संग होली खेली गई। वहीं, इस दौरान मंदिर में नित्य राजभोग में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया गया। जिन्होंने ठाकुरजी के राजभोग के दौरान गाए जाने वाले भजन व भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दी।

अधिकतम 5 साल तक इस सुविधा का महिला ले सकती लाभ

कामकाजी महिला छात्रावास का अभी तक नहीं मिला लाभ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिरोही. कामकाजी महिलाओं की कार्य बल में भागीदारी बढ़ाने, उनको कार्य क्षेत्र में सरकार की ओर से सुरक्षित आवास की सुविधा उपलब्ध कराने, महिलाओं को आत्म निर्भर और सशक्त बनाने के लिए 2024 में सरकार ने कामकाजी महिला आवास योजना शुरू की गई थी, लेकिन अभी तक एक भी महिला ने इस योजना का लाभ नहीं लिया। इसका अहम कारण है उनके लिए छात्रावास की शुरुआत करने में देरी और महिलाओं में इस योजना की जानकारी का अभाव।

योजना के तहत प्रत्येक संभाग में 100 और प्रत्येक जिले में 50 महिलाओं के लिए आवास की व्यवस्था की गई थी। सिरोही जिले में भी कामकाजी महिला आवास योजना संचालित है। सिरोही शहर के हाउसिंग बोर्ड में कामकाजी महिलाओं के लिए यह छात्रावास बना हुआ है, लेकिन वर्तमान समय में एक भी कामकाजी महिलाएं निवासरत नहीं है।

सिरोही. हाउसिंग बोर्ड स्थित कामकाजी महिला छात्रावास।

अधिकतम 5 साल तक ले सकती लाभ

योजना के अंतर्गत कामकाजी महिलाएं 3 साल तक निवास की सुविधा प्राप्त कर सकती हैं। यदि कोई महिला अच्छा व्यवहार रखती है, तो इसे 1-1 वर्ष की वृद्धि समिति की अभिशंषा पर जिला कलक्टर की सहमति पर अधिकतम दो वर्ष तक की जा सकेगी। अधिकतम 5 साल तक वे इस सुविधा का लाभ ले सकती हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित आवास की सुविधा उपलब्ध कराना हैं। ताकि वे कार्यस्थल पर और समाज में सशक्त बन सके। साथ ही आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सके। निवास में रहते हुए महिला का वेतन 50 हजार रुपए से अधिक होने की स्थिति में 6 माह के अंदर निवास खाली करना होगा।

इस तरह से करना होगा आवदेन

इस योजना के अंतर्गत संचालित निवास प्रवेश लेने के लिए महिला को संबंधित कामकाजी निवास के प्रबंधक को निर्धारित आवेदन प्रपत्र एवं दस्तावेज के साथ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। साथ ही निवास में कामकाजी महिलाओं को प्रबंधक द्वारा प्रवेश देकर सूचना जिला अधिकारी को देनी होगी। कामकाजी निवास योजना संचालनकर्ता संस्था द्वारा प्रवेशित महिलाओं एवं निवास छोड़ने वाली महिलाओं की सूचना 15 दिवस में जिला अधिकारी को लिखित में भिजवाना अनिवार्य है।

इनका कहना है

बजट घोषणा वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिरोही में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए घोषणा की गई थी। सिरोही शहर के हाउसिंग बोर्ड में यह छात्रावास बना हुआ है। इसे शीघ्र ही शुरू किया जाएगा।
- राजेन्द्र कुमार पुरोहित, उप निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सिरोही

37 सेम्पल लिए, दो नमूने पहली जांच में अशुद्ध

डूंगरपुर : त्योहार में याद आई, मिलावट पर नष्ट की मिठाई

डूंगरपुर@पत्रिका. त्योहारों के सीजन में एक बार फिर से चिकित्सा विभाग के खाद्य सुरक्षा दल की आंखें खुली हैं। आमदिनों में कार्रवाई से दूरी बनाने वाले विभागीय दल ने सोमवार को 37 नमूने लिए हैं, जिसमें से दो नमूने प्रारंभिक जांच में फैल हो गए हैं। सीएमएचओ डा. अलंकार गुप्ता ने बताया कि त्योहारी सीजन में संपूर्ण राजस्थान में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जिले मे में अब तक 37 नमूने लिए हैं, जिसमें जलेबी, फीकी पापड़ी, आलू बड़ा, ब्रेड पकोड़ा, गठिया नमकीन, समोसा कचोरी, पोहा, गुलाब-जामुन, मावा बर्फी, दूध, तेल, मसाले, मिठाइयां, आइसक्रीम आदि के नमूने लिए। टीम ने झौथरी ब्लॉक से हल्दी पाउडर, एवं मिष्ठान भंडार से मिल्क केक, सागवाड़ा से एक डेयरी से दूध व सरसों का तेल, आसपुर से मिल्क केक व मिष्ठान भण्डार से केसर बर्फी व डूंगरपुर ब्लॉक से मिर्च पाउडर, दूध व पेड़ा मिठाई के नमूने लिए।

पेज एक का शेष...

घुसपैठ पर...

इमिग्रेशन ऑफिसर को बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार दिया जाएगा। लोकसभा में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से यह विधेयक पेश किया।

प्रतिबंधित क्षेत्रों पर प्रवेश पर प्रतिबंध: विधेयक के अनुसार, सभी विदेशी आगमन पर रजिस्ट्रेशन करने, उनकी आवाजाही, नाम परिवर्तन और संरक्षित या प्रतिबंधित क्षेत्रों में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। शैक्षणिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों और नर्सिंग होम जैसी संस्थाओं को विदेशी नागरिकों की मौजूदगी की जानकारी इमिग्रेशन ऑफिसर को देनी पड़ेगी। कोई विदेशी है या नहीं इसे साबित करने का भार संबंधित व्यक्ति पर ही होगा।

अपने खर्च पर देश छोड़ना होगा: विधेयक में प्रावधान किया गया है कि यदि किसी विदेशी के भारत में रहने के अनुमतियों को भारत सरकार रद्द कर देती है तो ऐसे विदेशियों को तत्काल भारत छोड़ना होगा। इसका खर्च भी उन्हें या उन्हें लाने वाले वाहकों को वहन करना होगा।

कांग्रेस ने कहा, जेपीसी को भेजा जाए: कांग्रेस ने इस विधेयक को मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि इस विधेयक को वापस लिया जाए या फिर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा जाए ताकि इस पर गहन विचार-विमर्श किया जा सके।

एयरटेल ने...

कंपनी ने कहा कि एयरटेल और स्पेसएक्स यह भी पता लगाएंगे कि स्टारलिंक एयरटेल नेटवर्क का विस्तार कैसे कर सकता है और साथ ही इस एग्रीमेंट के तहत यह जानने की कोशिश की जाएगी कि कैसे स्पेसएक्स भारत में एयरटेल के ग्राउंड नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य क्षमताओं का उपयोग करके उनसे लाभ उठा सकता है। एयरटेल के प्रबंध निदेशक और वाइस चेयरमैन गोपाल विट्ठल ने कहा कि भारत में एयरटेल के ग्राहकों को स्टारलिंक सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स के साथ काम करना महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है।

दुनिया के...

भारत के 35% शहरों में पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ की सीमा से 10 गुना ज्यादा पाया गया। देश के 13 सबसे प्रदूषित शहरों में असम और पंजाब का एक-एक, दिल्ली और हरियाणा के दो-दो, राजस्थान के तीन और उत्तर प्रदेश के सबसे ज्यादा चार शहर शामिल हैं। आइक्यूएयर की नई सूची में चाड सबसे प्रदूषित देश है, जबकि बांग्लादेश और पाकिस्तान क्रमशः दूसरे-तीसरे नंबर पर हैं। डब्ल्यूएचओ की पूर्व वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि भारत ने वायु गुणवत्ता डेटा जुटाने में प्रगति की है, लेकिन और ठोस कार्रवाई की जरूरत है।

रियायती दर पर आज दोपहर 2 बजे तक बुक होंगे विज्ञापन

सर्व ब्राह्मण समाज का वैवाहिक विशेषांक 16 को

जयपुर @ पत्रिका. पत्रिका के राजस्थान के सभी संस्करणों तथा भोपाल, इंदौर व रायपुर के रविवार के संस्करण में सर्व ब्राह्मण समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जाएगा। ब्राह्मण समाज के विभिन्न संगठनों के सहयोग से प्रकाशित होने वाले इस विशेषांक में सर्व ब्राह्मण समाज के विवाह योग्य युवाओं का बायोडाटा प्रकाशित किया जाएगा।

होली के अवकाश के कारण बुधवार दोपहर दो बजे तक ही रियायती दरों पर विज्ञापन बुक कराए जा सकेंगे। इसके लिए पूरा नाम, शहर का नाम, कॉन्टैक्ट नंबर और वाट्सऐप नंबर 7733014575 पर भेज दें। पत्रिका टीम अति शीघ्र आपसे फोन पर संपर्क करेगी।

इस कार्य के लिए सारस्वत ब्राह्मण समाज जयपुर, अखिल भारतवर्षीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महिला महासभा, गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर, ऑल इंडिया पारीक वैवाहिक समिति, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज मध्य प्रदेश, विप्र फाउंडेशन चूरू, ब्राह्मण कल्याण परिषद कोटा तथा अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज, मध्यप्रदेश इत्यादि जुड़ चुके हैं।

यदि आप देश के किसी भी हिस्से में ब्राह्मण समाज के संगठन से जुड़े हैं एवं इस मुहिम में योगदान देना चाहते हैं तो ऊपर दिए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में 7 व 28 मई, 11 जून, 27 अगस्त, 10 व 24 सितंबर, 24 दिसंबर और वर्ष 2024 में सात और 21 जनवरी, 4 फरवरी, 26 मई , 9 व 23 जून, 6 एवं 20 अक्टूबर तथा इस वर्ष 16 फरवरी और दो मार्च को उपरोक्त संस्करणों में सर्व ब्राह्मण समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन किया जा चुका है।

महावीर जैन भवन का उद्घाटन 14 को

पाली @ पत्रिका. शहर के निकट स्थित लांबिया गांव में महावीर जैन भवन का निर्माण कराया है। जिसका उद्घाटन समारोह संत गुलाराम आश्रम में सुबह 10 बजे से होगा। गांव में महेंद्र कुमार हंसराज मुणोत परिवार की ओर से बनाए भवन के उद्घाटन को लेकर श्रमण संघ प्रवर्तक संत सुकन मुनि, उप प्रवर्तक संत अमृत मुनि सहित संत 11 मार्च को गांव में मंगल प्रवेश करेंगे। लांबिया जैन संघ अध्यक्ष चंदनमल मुणोत व कार्यकारी अध्यक्ष संपतराज मुणोत ने बताया कि भक्ति संध्या 13 मार्च को आयोजित होगा। जिसमें अखिलेश चंडालिया भजन पेश करेंगे। गौतम प्रसादी 14 मार्च को होगा।

छप्पन भोग की झांकी सजाकर गोमाता को लगाया भोग

कुचामनसिटी. शहर के स्टेशन रोड स्थित कुचामन गोशाला (बीड़) में काबरा परिवार के सौजन्य से गोमाता के लिए छप्पन भोग का आयोजन धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गोशाला अध्यक्ष नंदकिशोर बिड़ला ने बताया कि इस आयोजन में भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर गोमाता की आरती की गई। उपस्थित सभी लोगों ने इन व्यंजनों को गोमाता को खिलाया।

बांसवाड़ा : त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर में गेर नृत्य 16 मार्च को

तलवाड़ा @ पत्रिका. त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर में गैर नृत्य 16 मार्च को आयोजित होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन समिति की बैठक उमराई पंचायत भवन सरपंच प्रतिनिधि गोमना भाई की अध्यक्षता में हुई। समिति के सचिव कान्तिलाल व्यास ने बताया कि त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर में दोपहर 12 से 4 बजे तक होगा। बैठक में पूर्व सरपंच लाला डामोर, मोहन बनजारा, मणिलाल, लालसिंह, वेजा भाई, सुरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

परंपरा | **अब न चंग की थाप सुनाई देती न फाल्गुनी गीत**

आधुनिकता की चकाचौंध से दम तोड़ने लगी होली की पुरातन परंपराएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

माउंट आबू. दिनोंदिन युवा वर्ग का होली के प्रति लगाव कम होता जा रहा है। सामाजिक परंपरा के रूप में होली का अनूठा महत्व रहा है। फाल्गुन मास की दस्तक के साथ क्षेत्र में शुरू हो जाता है होली का हुड़दंग, लेकिन बढ़ी नशे की प्रवृति, झगड़े-फसाद, छेड़छाड़ की घटनाओं ने इस पर्व की परंपराओं को खतरे में डाल दिया है। आधुनिकता की चकाचौंध से परंपराएं दम तोड़ने लगी है।

माउंट आबू . ऐसे लेते थे युवा होली हुड़दंग का आनंद।

दम तोड़ रहीं परंपराएं

परिवार में प्रथम संतान के जन्म की पहली होली पर पीहर पक्ष व सगे संबंधी नए कपड़े, गुड़, सोने-चांदी के जेवर भेजा करते थे। पुत्र जन्म पर होली से दस दिन पूर्व से रात्रि में उस घर के आस-पास की महिलाओं को आमंत्रित कर खुशी के गीत गाए जाते, जिसे सांझी कहा जाता है। पुत्र जन्म पर उस परिवार के सगे संबंधी थालियां भर गुड़ ले आते, जिसको गीत गाने को आने वाली महिलाओं में बांटा जाता। दामादों को आमंत्रित कर समाज को बुलाकर भांग की मनुहार होती। सभी लोग भांग की तरंग में मदमस्त होकर झूमने लगते। इसका खर्च दामाद वहन करते। बदले में परिवार की ओर से दामादों को पूरे समाज के समक्ष कपड़ों, सोने-चांदी के गहने उपहार देकर सम्मानित करते, जिसे ओढ़ामनी कहा जाता है। समय के साथ अब लोग काम-धंधों में व्यस्त हो गए कि यह परंपरा दम तोड़ने लगी है।

होता था होलिका के फेरे लेने का रिवाज

बच्चे के जन्म के बाद प्रथम होली पर उसे ढूंढने की प्रथा है। इससे होली दहन के बाद बच्चे को नए वस्त्र पहनाकर घर में पाट पर बिठाकर समाज के नवयुवकों द्वारा ढूंढ जाता है। शादी के बाद पहली होली पर विवाहित व्यक्ति को दूल्हे राजा के परिधान पहनाकर गाजे बाजे के साथ होली दहन स्थल पर ले जाते थे। वहां होलिका के चारों ओर चार फेरे लेकर घर लौटते, जिसे जैती कहा जाता था। यह रिवाज कुछ जातियों को छोड़ अब करीब-करीब समाप्त हो गया है।

होते थे गेर नृत्य

होली से एक माह पूर्व गांव के प्रमुख चौराहे पर गैर नृत्य का आयोजन होता था। शाम ढलते ही नगाड़ों की आवाज के साथ गैरिये डांडिया लेकर वहां पहुंचते व देर रात तक नृत्य करते। गैर नृत्य से कई दिन पूर्व ही लोग लकड़ी की कटाई कर रंग रोगन कर व सिरे पर घुंघरू बांध इसे तैयार करते थे।

चंग बजाते थे लोग

बसंत पंचमी से लोग रात में चंग का लुत्फ उठाते थे। गली मोहल्लों में नवयौवनाएं शाम को गृहकार्य निपटाकर जाती थीं। अपनी साथिनों को गीत से बुलाती। यह सिलसिला देर रात तक चलता। युवतियां जब घर लौटती तो चौखट तक फाल्गुनी गीत गाती चलती।

कई दिन पूर्व शुरू हो जाती थी तैयारियां

निर्धारित जगह पर होली दहन के लिए कई दिनों पूर्व ही तैयारियां शुरू हो जाती। जिस घर में जेती व ढूंढ होती उस परिवार से लकड़ी की गठरी लाकर वहां रखी जाती।

इनका कहना है

शराब का चलन बढ़ा तो लोग नशे में गेर नृत्य में भाग लेने लगे। भांग का स्थान शराब ने ले लिया। पहले धुलंडी पर अबीर-गुलाल लगाकर खुशी का इजहार करते थे। नई पीढ़ी का होली से मोहभंग हो रहा है।
- बाबू सिंह परमार, ग्रामीण

गोरखनाथ मंदिर में छुआछूत, जातीय भेदभाव और ऊंच नीच की खाई पाटने वाला होता है होलिकोत्सव

होलिका : भस्म से तिलक लगा मनाते हैं होली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गोरखपुर . पूर्वी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में होली की शुरुआत गोरक्षपीठाधीश्वर की अगुवाई में गोरखनाथ मंदिर में होलिकादहन या सम्मत की राख से तिलक लगाने के साथ होती है।

गोरक्षपीठ की विशेषताओं में छुआछूत, जातीय भेदभाव और ऊंच नीच की खाई पाटने का जिक्र सतत होता रहा है। ऐसे में गोरक्षपीठ की अगुवाई वाला गोरखपुर का रंगोत्सव सामाजिक संदेश के ध्येय से विशिष्ट हैं। गोरक्षपीठ की विशेषताओं में छुआछूत, जातीय भेदभाव और ऊंच नीच की खाई पाटने का जिक्र सतत होता रहा है।

गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली गोरखपुर में होली का उल्लास सामाजिक समरसता के चटक रंगों में उफान पर होता है। होलियाना माहौल में यहां निकलने वाली दो प्रमुख शोभायात्राएं खास संदेश देते हुए पूरे प्रदेश के लिए आकर्षण का केंद्र बनती हैं। इन दोनों शोभयात्राओं (होलिकादहन और होलिकोत्सव) में गोरक्षपीठ की सहभागिता होने से गोरखपुर का रंगपर्व दशकों से विशिष्ट बना हुआ है। इन शोभायात्राओं में सामाजिक समरसता और समतामूलक समाज का प्रतिबिंब नजर आता है।

योगी की अगुवाई में निकलती है यात्रा: 1996 से योगी आदित्यनाथ ने इसे अपनी अगुवाई में न केवल गोरखपुर बल्कि समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश में सामाजिक समरसता का विशिष्ट पर्व बना दिया। अब इसकी ख्याति मथुरा-वृंदावन की होली सरीखी है। पांच किमी से अधिक चलने वाली शोभायात्रा में पथ नियोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता करते हैं और नृसिंह के रथ पर सवार हो गोरक्षपीठाधीश्वर रंगों में सराबोर हो शुभकामनाओं का आदान-प्रदान करते हैं।

समरसता के रंग को चटख करते हैं योगी

बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ, सीएम बनने के बाद भी शोभायात्राओं में शामिल होते हैं। इस साल भी 13 मार्च को पांडेयहाता की होलिका दहन शोभायात्रा तथा 14 मार्च को भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा में शामिल होकर समरसता के रंग को और चटख करेंगे। सामाजिक समरसता गोरक्षपीठाधीश्वर दशकों से होलिकादहन तथा होलिकोत्सव (भगवान नृसिंह की रंगभरी शोभायात्रा) में शामिल होते रहे हैं।

नानाजी देशमुख ने शुरू की थी शोभायात्रा

गोरखपुर में भगवान नृसिंह रंगोत्सव शोभायात्रा की शुरुआत अपने गोरखपुर प्रवासकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक नानाजी देशमुख ने 1944 में की थी। गोरखनाथ मंदिर में होलिकादहन की राख से होली मनाने की परंपरा इसके काफी पहले से जारी थी। नानाजी का यह अभियान होली के अवसर पर विकृति व फूहड़ता दूर करने के लिए था। नानाजी के अनुरोध पर इस शोभायात्रा का गोरक्षपीठ से भी गहरा नाता जुड़ गया। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के निर्देश पर महंत अवेद्यनाथ शोभायात्रा में पीठ का प्रतिनिधित्व करने लगे और यह गोरक्षपीठ की होली का अभिन्न अंग बन गया।

पत्रकारों से चर्चा

झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा झारखंड अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को रांची में कानून व्यवस्था की स्थिति पर संवाददाताओं से चर्चा की।

बहू की हत्या कर शव फंदे पर लटकाया: फिरोजाबाद @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले के नारखी क्षेत्र में दहेज की खातिर विवाहिता को फांसी के फंदे पर लटका कर ससुरालीजन घर में ताला लगाकर फरार हो गए। चार दिन बाद घर में से दुर्गंध आने के बाद पड़ोसियों में पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने ताला तोड़कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि नारखी के गांव सखावतपुर निवासी इमरान के मकान से आज तेज दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। थाना पुलिस ने ताला तोड़कर कमरे में बंद फंदे पर लटकी हुई इमरान की पत्नी परेवा (32) का शव बाहर निकाला और उसके मायका पक्ष को भी जानकारी देकर बुला लिया गया। मृतका के भाई ने पुलिस को जानकारी दी कि ससुराल के लोग उसे दहेज के लिए बराबर प्रताड़ित करते थे। चार दिन पूर्व ससुराल वालों ने उसकी बहन के गायब होने की सूचना दी थी। वह लोग उसकी अपने स्तर पर तलाश कर रहे थे, मंगलवार को उन्हें उसकी मौत की जानकारी मिली है। सभी आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बुंदेलखंड की बदली तस्वीर लक्ष्मीबाई को श्रद्धांजलि : योगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

झांसी. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को झांसी में कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश और विशेष रूप से बुंदेलखंड के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

इसी मंशा के तहत जिस तरह से सरकार ने काम किया है उससे बुंदेलखंड की आज जो तस्वीर बदली है ,जो पहचान बनी है यही वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के श्रीचरणों में सच्ची श्रद्धांजलि है। यहां क्राफ्ट मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में झांसी और चित्रकूट मंडल के संयुक्त क्रेडिट कैंप का मुख्यमंत्री योगी ने शुभारंभ किया और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के लाभार्थियों को ऋण चैक वितरित किए।

योगी ने कहा कि महाकुंभ के सफल आयोजन से सनातन की धर्म पताका पूरे विश्व में लहरा रही है। जो राज्य अपराध चोरी, डकैती, लूट अपहरण के लिए बदनाम था, वहां 45 दिनों में 66 करोड श्रद्धालु देश और दुनिया से जुटे लेकिन किसी के साथ चोरी या लूट जैसी कोई घटना नहीं हुई। पूरी दुनिया ने देखा कि किस तरह से सनातन धर्म का इतना विशाल आयोजन कितने व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

इस दौरान प्रदेश के विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, सांसद अनुराग शर्मा, झांसी सदर विधायक रवि शर्मा, बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा, गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत, मऊरानीपुर विधायक रश्मि आर्य, एमएलसी रमा निरंजन और रामतीर्थ सिंघल, पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम और अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

अब युवा जॉब के पीछे नहीं, जॉब युवाओं के पीछे भागेगी

इस दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए योगी ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि यह सरकार लोक कल्याण व प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। डबल इंजन की सरकार के तहत जिस तरह से बुंदेलखंड की तस्वीर बदली है जो पहचान बनी है यही तो वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के चरणों में सच्ची श्रद्धांजलि है। आप सभी मिलकर उत्तर प्रदेश उद्यम प्रदेश बनाने में सहयोग करें। इस उद्यमी योजना का लाभ लेकर नौकरी की तलाश में पलायन को मजबूर युवा आज बुंदेलखंड के 8 से 10 लोगों को रोजगार देगा। अब युवा जॉब के पीछे नहीं, जॉब युवाओं के पीछे भागेगी।

व्यवसाय में धैर्य की आवश्यकता होती है

उन्होंने कहा कि उद्यमी योजना के तहत अकेले बुंदेलखंड में 1070 नौजवानों को युवा उद्यमियों को योजना का लाभ दिया गया है। इस योजना के तह 5 लाख का लोन ब्याज मुक्त,गारंटी मुक्त है। याद रखना, व्यवसाय में धैर्य की आवश्यकता होती है। मार्केट की नब्ज को टटोलकर अपने अनुसार कार्य को ढूंढने की जरूरत है। महाकुंभ में भी युवाओं ने आस्था को आर्थिकी के साथ जोड़ा। आज तकनीकी का युग है। व्यवसाय में तो गुणात्मक प्रगति होती है। आपको करोड़पति होने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। उद्यमी तो बनेंगे ही साथ-साथ आपका सम्मान भी बढ़ेगा। जब आपका व्यापार बढ़े तो एमएसएमई के तहत रजिस्ट्रेशन करायें ताकि भविष्य में कभी यदि कोई आपदा आती है तो सरकार आपको पांच लाख का बीमा सुरक्षा देगी।

सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में स्वच्छ महाकुंभ आयोजित करने वाले सफाई कर्मचारियों के साथ फूलों की होली खेली और उन्हें सम्मानित किया।

मरूधर एक्सप्रेस के ब्रेक से निकली चिंगारी, अफरा-तफरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जौनपुर. जोधपुर से चलकर वाराणसी को जाने वाली मरूधर एक्स प्रेस ट्रेन में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब एक बोगी में यात्रियों ने ट्रेन के पहिए से चिंगारी और धुएं लिए लपटें दिखाई देने पर शोर मचाया। ट्रेन के गार्ड को अनहोनी की आशंका के ट्रेन को रूकवा दिया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ट्रेन संख्या 14854 मरूधर एक्सप्रेस जौनपुर जंक्शन से वाराणसी के लिए मंगलवार की सुबह 8 बजकर 27 मिनट पर निकली जैसे ही वह सिटी स्टेशन को जाने वाली ट्रैक को मोड के पास पहुंची ही थी कि उसके बोगी संख्या 202617 के पहिए से तेज धुएं के गुबार उठने लगे, जिसे देखउस बोगी के यात्रियों में अफरा तफरी मच गई।

यात्रियों के शोरगुल को देख गार्ड ने किसी अनहोनी की आशंका पर ट्रेन को रूकवा दिया और देर न करते हुए अग्निशमन यंत्र का उपयोग करते हुए आग बुझाई और पहिए को ठण्डा किया।

युवक की ईंट से पीट कर हत्या

तनाव होने पर गांव में भारी पुलिस बल तैनात

बहराइच@ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के कोतवाली नानपारा क्षेत्र में मंगलवार को एक युवक की पीट पीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार शमसुद्दीन उर्फ पहड़िया (35) को कुछ लोगों ने फोन कर केशवापुर गांव बुलाया। वहां पहुंचने पर उसे मस्तराम, शंकर और अन्य चार से पांच लोगों ने ईंटों से हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। मृतक की पत्नी, सरवारी बेगम ने बताया कि उसके पति को बुलाने के बाद ही यह हादसा हुआ। सूचना मिलने पर नानपारा कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है। परिवार के लोगों का आरोप हैं कि यह हत्या रंजिश के कारण की गई है। बैठक में यह भी बताया गया कि रंजिश के चलते ही यह वारदात अंजाम दी गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोका जा सके। हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

दंगे के मामले में आला अधिकारी तलब

सहारनपुर @ पत्रिका. सहारनपुर की एडीजे कोर्ट ने नगर में वर्ष 2014 में गुरुद्वारा की भूमि को लेकर हुए दंगे के मामले में साक्ष्य के तौर पर तत्कालीन डीएम संध्या तिवारी, एडीएम प्रशासन डॉ. दिनेश चन्द्र और एसएसपी राजेश पाण्डेय को 17 मार्च को अपनी कोर्ट में उपस्थिति होने के लिए आदेश जारी किए हैं। शासकीय अधिवक्ता दीपक सैनी ने मंगलवार यह जानकारी दी।

गौरतलब है कि दंगे के दौरान नगर में कर्फ्यू घोषित किया गया था। थाना कुतुबशेर क्षेत्र में हिंसक भीड़ के बीच भिड़ंत हो गई थी।

बहू की हत्या करने के आरोपी ने गोली मारकर की आत्महत्या

फिरोजाबाद @ पत्रिका. सिरसागंज क्षेत्र में छोटे भाई की पत्नी की हत्या के आरोपी ने मंगलवार सुबह गोली मार कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि सारी मुरलीधर निवासी सतीश कुमार की पत्नी कुसमा देवी (45) की घर में सोमवार को धारदार हथियार से हमला करके हत्या कर दी थी। महिला का पति कानपुर में काम करता है। सतीश कुमार ने अपने बड़े भाई आसाराम के खिलाफ अपनी पत्नी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को भी जांच में महिला के मोबाइल से जेठ आसाराम की कुछ आपत्तिजनक सामग्री मिली थी। मंगलवार सुबह गांव के बाहर आरोपी आसाराम का शव पाया गया। मौके पर आसाराम ने कनपटी पर तमंचे से गोली मार कर आत्महत्या की हैं।

राजनीतिक मुद्दा | प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ने का लगाया आरोप

होली को भी भाजपा ने बनाया राजनीतिक मुद्दा : गोपाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इटावा. समाजवादी पार्टी (सपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के सचिव गोपाल यादव ने कहा कि रंगों के पर्व होली को भी भाजपा ने अपने फायदे के लिए राजनीतिक मुद्दा बना दिया है।

यादव ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कई नेताओं की ओर से होली पर्व को लेकर ऐसे बयान दिए जा रहे हैं जिनका कतई कोई औचित्य समझ नहीं आता है लेकिन भाजपा नेताओं में रंगों के पर्व को अपने फायदे के लिए राजनीति का मुद्दा बना डाला है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के दर्जा प्राप्त मंत्री रघुराज सिंह कह रहे कि जो रंग से बचना चाहता है, वह तिरपाल का हिजाब पहन ले, जिससे टोपी और शरीर ढका रहेगा। ऐसे बयान रंगों के पर्व होली पर समझ से परे नजर आ रहे हैं ऐसे बयानों से रंगों के पर्व होली पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

संभल में भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव जहरीला इंजेक्शन लगाने से मौत पर गोपाल यादव ने कहा कि ये बहुत खतरनाक बात है, प्रदेश में कानून की स्थिति खराब है और इसके पीछे जो लोग हैं जांच कर उन पर कार्यवाही होनी चाहिए।

तिरपाल ओर हिजाब, उकसाने वाला बयान

गोपाल यादव ने कहा कि भाजपा नेता हमेशा मुद्दों से ध्यान भटकाने का काम करते हैं। यादव ने सवाल किया कि किसी मुस्लिम धर्म गुरु ने ये नहीं कहा कि हम होली नहीं खेलने देंगे बल्कि ज्यादातर जगहों पर उन्होंने अपनी नमाज का समय भी बढ़ा दिया है, किसी ने कुछ नहीं कहा लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेता अपनी तरफ से इस तरह की बातें करके माहौल खराब करना चाहते हैं। तिरपाल ओर हिजाब जैसी बातें करके जबरदस्ती लोगों को उकसाने का काम किया जा रहा है, जिससे लोग भड़क जाए और माहौल खराब हो जाए, लेकिन अब लोग समझदार हो गए हैं वो इस तरह की बातों पर यकीन नहीं करेंगे।

मानसिक बीमार बताया

गोपाल यादव ने भाजपा विधायक केतकी सिंह के अस्पतालों में मुसलमानों के अलग वार्ड की मांग पर कहा कि ये उनके मानसिक रूप से बीमार होने का प्रमाण है, संविधान सभी धर्मों को समान रूप से देखता है। जिम्मेदार लोग इस तरह को बाते करेंगे तो ये अवमानना है।

हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार

वैन की चपेट में आई बाइक, एक ही परिवार के तीन जनों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मधेपुरा. बिहार में मधेपुरा जिले के उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गयी।

पुलिस ने बताया कि बाइक सवार तीन लोग जा रहे थे। इस दौरान उदाकिशुनगंज-ग्वालपाड़ा राष्ट्रीय उच्चपथ पर झलारी गांव के समीप पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। इस घटना में बाइक सवार तीनों लोगों की मौत हो गयी। दुर्घटना के बाद पिकअप वैन चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

मृतकों की पहचान तेल्डीहा गांव निवासी विशाल महतो (25), उसकी मां माला देवी (55) और भाभी आरती देवी (30) के रूप में की गयी है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया है। छानबीन की जा रही है।

सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत

एक घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड की राजधानी रांची में मंगलवार को एक स्कार्पियो ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में भाजपा नेता बास्को बेसरा के बड़े पुत्र 25 वर्षीय अग्नि बेसरा भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सदर थाना क्षेत्र के रांची कोकर इलाके में राम लखन सिंह यादव कॉलेज के पास तड़के करीब 3 बजे हुई। जमशेदपुर की ओर से आ रही स्कार्पियो ने कोकर में खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति को रिम्स में भर्ती कराया गया है।

इस बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने इस घटना पर दुःख जताया है। उन्होंने कहा है कि भारतीय जानता पार्टी के वरिष्ठ नेता बास्को बेसरा के बड़े पुत्र अग्नि बेसरा की सड़क दुर्घटना में असमय निधन का अत्यंत ही दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

चोरी की 45 बाइक बरामद, दो चोरों को पुलिस ने दबोचा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बोकारो. झारखंड की बोकारो जिला पुलिस ने मंगलवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में छापेमारी कर चोरी किए गए 45 मोटरसाइकिल वाहन को बरामद कर मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

बोकारो के पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी में ने बताया कि इस मामले में मोहम्मद परवेज और मोहम्मद मासूम को गिरफ्तार किया गया है। मोटरसाइकिल चोर गिरोह का सरगना जिले के गोमिया, कथारा, तेनुघाट, पेटरवार सहित बोकारो स्टील सिटी में मोटरसाइकिल की चोरी किया करता था।

बोकारो स्टील सिटी के पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने चोरी के मोटरसाइकिल को बरामद करने में कामयाबी हासिल की है।

नीतीश सरकार अपराध रोकने में पूरी तरह फिसड्डी : भाकपा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने आरोप लगाया है कि बिहार की नीतीश सरकार अपराध रोकने में पूरी तरह फिसड्डी साबित हुई है।

पांडेय ने मंगलवार को कहा कि पुलिस का भय समाप्त हो गया है। लखीसराय जिले के चानन थाना अंतर्गत रामपुर गांव में भाकपा नेता अक्षय लाल दास की पत्नी शुभा देवी की हत्या कर दी गई। राज्य सरकार हत्यारे को गिरफ्तार करे और सख्त से सख्त सजा दिलाई जाए और मृतक के आश्रितों को 25 लाख रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी दें। वहीं आरा में दिनदहाड़े तनिष्क शोरूम में 25 करोड़ रुपए जेवरात की लूट हो गई।

भाकपा राज्य सचिव ने आरोप लगाया कि बिहार में अपराधियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। सत्ता संरक्षित अपराध बिहार में बढ़े हैं।

अपराधियों का मनोबल काफी बढ़ा

पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाए आम लोगों पर जुल्म ढाह रही है। बिहार कानून का भय समाप्त हो गया है। अपराधियों का मनोबल काफी बढ़ गया है। लूट, अपरहण, हत्या, डकैती आदि अपराधिक घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पीठ थपथपा रहे हैं।

पुलिस अपराधी पर कार्रवाई करने के बजाए उसे बचाने में लगी रहती है। पुलिस गश्ती कहीं नहीं हो रही है। सत्ता संपोषित और सत्ता संरक्षित अपराधियों एवं प्रशासन से आम जनता त्रस्त है।

पार्टी ने लखीसराय की घटना की जांच कराने एवं कार्रवाई की मांग तथा आश्रितों को 25 लाख एवं सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

'जीबी की बैठक बुलाकर रिम्स के डॉक्टरों को जल्द ही प्रोन्नति दें'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड विधानसभा में मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि जीबी की बैठक बुलाकर रिम्स के डॉक्टरों को जल्द ही प्रोन्नति दी जाएगी।

अंसारी ने कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप के एक ध्यानाकर्षण का जवाब देते हुए कहा कि पूर्व में प्रोन्नति में विसंगतियां हुई है। इसे वह स्वीकार करते हैं। इसके लिए उन्होंने फाइल भी मंगाया है। अब जीबी की बैठक बुलाकर प्रोन्नति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

एक अन्य ध्यानाकर्षण के जवाब में राज्य के भू राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा है कि खास महल की हजारों एकड़ जमीन को जल्द ही फ्री होल्ड किया जाएगा। उन्होंने सदन को बताया कि खास महल की जमीन को रैयतों के नाम करने के लिए सदस्य राजस्व परिषद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी की 3-4 बैठकें हो चुकी हैं। अब 45 दिनों के अंदर निर्णय ले लिया जाएगा।

सिपाही भर्ती में पकड़े 462 फर्जी अभ्यर्थी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. केंद्रीय चयन पर्षद ने बिहार पुलिस सिपाही भर्ती 2023 की शारीरिक दक्षता परीक्षा में 462 फर्जी अभ्यर्थियों को पकड़ा गया। इनमें से 84 को तुरंत जेल भेज दिया गया। केंद्रीय चयन पर्षद के अध्यक्ष एवं अपर पुलिस महानिदेशक जितेंद्र कुमार ने बताया कि तकनीकी नवाचारों एवं सख्त निगरानी के कारण परीक्षा में 462 ऐसे व्यक्तियों की पहचान की गई, जिन्होंने फर्जी तरीके से परीक्षा में शामिल होने का प्रयास किया।

नीतीश ने मेट्रो प्रगति का लिया जायजा, थर्ड टीबीएम का किया शुभारंभ

मेट्रो रेल परियोजना समय पर पूर्ण होने से मिलेगी सहूलियत : सीएम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के साथ ही थर्ड टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) का शुभारंभ किया।

कुमार ने मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बुद्ध स्मृति पार्क के सामने पटना स्टेशन के पास थर्ड टीबीएम ब्रेक थ्रू का शुभारंभ किया। भूमिगत मेट्रो लाईन के लिए कटिंग करते हुये बाहर निकली, जिसका उन्होंने अवलोकन किया।

निर्माण में बाधा नहीं आने दी जाएगी

मुख्यमंत्री निरीक्षण के क्रम में पटना रेलवे जंक्शन के पास भी पहुंचे और कार्य योजना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पटना मेट्रो निर्माण कार्य में तेजी लाने का अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा, ''पटना मेट्रो रेल परियोजना का स्वरूप बेहतर ढंग से हमने तैयार करवाया है। इसके निर्माण कार्यों को लेकर हम लगातार निरीक्षण करते रहे हैं। निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा नहीं हो, इसको लेकर हमने लगातार निर्देश दिया है। पटना मेट्रो रेल परियोजना को ससमय पूर्ण करें ताकि लोगों को आवागमन में सहूलियत हो।''

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

स्वास्थ्य बीमा की मनमानी शर्तों पर लगे अंकुश

बीमा शब्द वैसे तो सुरक्षा का बोध कराता है। ऐसा शब्द जिससे हमें सेहत से लेकर भविष्य सुरक्षित रखने तक की बातें जेहन में आती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि बीमा की सुरक्षा एक हद तक लोगों को कई संकटों में राहत देने का काम करती है। खासतौर से सेहत के मामले में यदि स्वास्थ्य बीमा कराया हुआ हो। सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की अपनी सीमाएं हैं इसीलिए लोग स्वास्थ्य को लेकर अतिरिक्त सुरक्षा कवच दूसरे बीमा के रूप में भी लेना पसंद करने लगे हैं। लेकिन यही सुरक्षा कवच जब बीमा नियमों की जटिलताओं में उलझता दिखे तो बीमा कराने वाला खुद को ठगा सा महसूस करता है।

ऐसा नहीं कि स्वास्थ्य बीमा करने वाली सभी बीमा कंपनियों का आचरण एक जैसा होता हो लेकिन जिस तरह के मामले आए दिन सामने आते हैं उससे लगता है कि स्वास्थ्य बीमा कराने वाले को अब वकील या चार्टर्ड अकाउंटेंट का सहारा लेना चाहिए! छत्तीसगढ़ में रायपुर के एक ताजा मामले ने सबका ध्यान खींचा है। बीमा कंपनी ने एक उपभोक्ता का स्वास्थ्य बीमा क्लेम यह कहकर रोक दिया कि कोविड के समय उसे अस्पताल में दाखिल होने की जरूरत नहीं थी। वह होम क्वारंटाइन होकर ही इलाज करा सकता था। जबकि बीमित व्यक्ति के बीमा में कोविड कवर भी था। उपभोक्ता फोरम में पहुंचने पर अब मरीज को राहत मिली है। सब जानते हैं कि कोविड का दौर आपातकालीन था। यदि शासन व डॉक्टर ने ही मरीज को होम क्वारंटाइन की अनुमति नहीं दी हो तो उपभोक्ता भला स्वयं कैसे फैसला कर सकता है? चिंता इसी बात की है कि बीमा कंपनियां बेवजह मरीजों का क्लेम अटकाने में जुट जाती हैं। बीमा कराने के पहले कंपनियां यह ताकीद जरूर करती हैं कि सभी दस्तावेजों को पहले ध्यान से पढ़ें। दस्तावेजों की संख्या और उसकी इबारत आम आदमी के तो शायद ही समझ में आए। यह ऐसी होती है कि आम उपभोक्ता समझ ही नहीं सकता। बहुत से मामलों में देखने में आया है कि कंपनियां अजीब-अजीब शर्तों में उलझाकर क्लेम या तो रोक देती हैं या फिर क्लेम सेटलमेंट करते वक्त कई मदों का बोझ बीमित की जेब पर डाल देती हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हैरान-परेशान लोग बीमा कंपनियों की मनमानी के खिलाफ बीमा लोकपाल, बीमा नियामक, उपभोक्ता फोरम और कोर्ट के ही चक्कर काटने को मजबूर होते रहेंगे?

जब दुनियाभर में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं पर बहस छिड़ी है, सरकारें विभिन्न कल्याण योजनाएं चला रही हैं। ऐसे में बीमा कंपनियों की मनमानी रोकने के लिए भी सरकारी स्तर पर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

आस-पड़ोस : छात्रों के नए दल 'जतियो नागरिक पार्टी' (जेएनपी) के गठन ने एक नई चुनौती पेश कर दी है

बांग्लादेश में आगामी चुनाव पर भारत की चिंताएं

विनय कौड़ा
अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ
@patrika.com

जेएनपी के गठन के बाद कुछ सवाल उसके धार्मिक और राजनीतिक दृष्टिकोण को लेकर भी उठ रहे हैं। पार्टी को एक धर्मनिरपेक्ष दल के रूप में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन पार्टी में कुछ कट्टरपंथी तत्व भी शामिल हैं, जो चरमपंथी विचारधाराओं के समर्थक प्रतीत होते हैं।

बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और हिंसक चरमपंथियों की रिहाई पर चिंता व्यक्त करते हुए भारत ने बांग्लादेश के आगामी चुनावों को समावेशी और निष्पक्ष बनाने की अपील की है। यह अपील खासतौर पर तब महत्त्वपूर्ण हो जाती है जब राजधानी ढाका में पिछले दिनों छात्रों द्वारा 'जतियो नागरिक पार्टी' (जेएनपी) के गठन ने बांग्लादेश की राजनीति में नई उम्मीदों और चिंताओं को जन्म दिया है। बांग्लादेश की राजनीति में यह नया दल, जिसे सफल युवा आंदोलन की राजनीतिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है, भारत के लिए नई चुनौती प्रस्तुत करता है।

जेएनपी का गठन बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्त्वपूर्ण घटना है। पार्टी के गठन के पीछे उद्देश्य यह है कि बांग्लादेश के युवाओं को राजनीति में अपनी आवाज उठाने का अवसर मिल सके। पार्टी का नेतृत्व इस बात को लेकर आश्वस्त है कि बांग्लादेश का संविधान अब देश की बदलती जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहा है। 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद से लगातार संशोधित किया गया यह संविधान अब बांग्लादेश की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को सही ढंग से प्रदर्शित नहीं करता। दरअसल बांग्लादेश के आगामी चुनावों में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया भारत के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत ने बांग्लादेश में सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर देने की आवश्यकता पर जोर दिया है, ताकि चुनावी प्रक्रिया में किसी प्रकार का पक्षपाती रवैया न हो और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास बना रहे। बांग्लादेश की राजनीति में लंबे समय से अवामी लीग और बीएनपी जैसी स्थापित पार्टियों का दबदबा रहा है। अवामी लीग, जो बांग्लादेश की सबसे पुरानी पार्टी है, पर भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप लगते रहे हैं, वहीं बीएनपी को भी सत्ता में अपनी स्थिति बनाए रखने की चुनौतियां हमेशा रही हैं। इन दोनों दलों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद और संघर्ष के कारण बांग्लादेश की राजनीति में स्थिरता की कमी रही है।

ऐसे में जेएनपी का गठन इन स्थापित दलों के लिए एक नई चुनौती बनकर उभरा है। युवाओं के लिए यह नया दल एक मंच प्रदान कर सकता है, जो बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य को नया स्वरूप देने की क्षमता रखता है। कई राजनीतिक दल मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार से इसलिए नाखुश हैं क्योंकि उसने छात्र नेताओं को अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने और चुनाव लड़ने में मदद करने के लिए चुनाव में देरी की है। जेएनपी के गठन के बाद कुछ सवाल विशेष रूप से उसके धार्मिक और राजनीतिक दृष्टिकोण को लेकर भी उठ रहे हैं। पार्टी को एक धर्मनिरपेक्ष दल के रूप में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन पार्टी में कुछ कट्टरपंथी तत्व भी शामिल हैं, जो चरमपंथी विचारधाराओं के समर्थक प्रतीत होते हैं। बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी इस्लामी दलों की बढ़ती ताकत ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है।

जेएनपी के नेता इन तमाम आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि उनकी पार्टी का उद्देश्य किसी भी प्रकार के धार्मिक उग्रवाद को बढ़ावा देना नहीं है। फिर भी यह सवाल बना रहता है कि क्या यह पार्टी बांग्लादेश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे के लिए खतरा तो नहीं बनेगी? अगर जेएनपी को कट्टरपंथी विचारधाराओं का समर्थन मिलता है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चुनौती हो सकती है। यही नहीं, बांग्लादेश, पाकिस्तान के साथ भी अपने रक्षा संबंध मजबूत कर रहा है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के बांग्लादेश में भारतीय सीमा के निकटवर्ती इलाकों का दौरा करने की खबरें आ रही हैं।

वैसे बांग्लादेश के वर्तमान अस्थिर राजनीतिक माहौल में नए दल का उभरना हिंसा और सांप्रदायिक संघर्ष का कारण बन सकता है। बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के लोग वैसे भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनके पूजा स्थलों और संपत्ति पर हमले बढ़ गए हैं। बांग्लादेश में विरोधी दलों के बीच तनाव और राजनीतिक असहमति की स्थिति में चुनावी हिंसा के खतरे को नकारा नहीं जा सकता। इसके अलावा, बांग्लादेश की राजनीति में सेना का प्रभाव भी महत्त्वपूर्ण रहा है। सेना ने समय-समय पर सत्ता परिवर्तन में अपनी भूमिका निभाई है। इसलिए, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में नए दल के उभार के साथ सेना की भूमिका में कोई बदलाव आता है। बहरहाल, भारत की सबसे बड़ी चिंता भी इस बात को लेकर है कि बांग्लादेश में चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और समावेशी हो, ताकि सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर मिल सके। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा की संभावना को रोकने के लिए समावेशी चुनावी प्रक्रिया की आवश्यकता है। भारत की चिंताएं इसलिए भी प्रासंगिक हो जाती हैं क्योंकि इसका सीधा असर देश पर पड़ता है।

फैक्ट फ्रंट

ब्लू मैकाव

ब्लू मैकाव विशेष रूप से ब्राजील के उत्तर-पूर्वी हिस्सों के जंगलों में पाया जाने वाला सुंदर पक्षी है, लेकिन अब यह प्राकृतिक आवासों में अत्यधिक संकटग्रस्त हो चुका है। अपने नीले रंग के सुंदर पंखों के कारण यह प्रसिद्ध है। यह पक्षी विलुप्तप्राय हो चुका था और कुछ समय पहले तक यह पूरी तरह से विलुप्त माना जा रहा था। बीसवीं सदी के अंत तक, यह पक्षी अपने प्राकृतिक आवासों में अत्यधिक शिकार और वनों की कटाई के कारण संकट में था। हालांकि, कुछ संरक्षण प्रयासों के बाद इस पक्षी की संख्या में थोड़ी वृद्धि हुई है। 2018 में ब्रीडिंग प्रोग्राम के तहत कुछ ब्लू मैकाव पंछी प्रजनन के लिए ब्राजील में छोड़े गए थे। अपनी आवाज और नीले रंग की वजह से यह पक्षी प्रेमियों में खासा पसंद किया जाने वाला पंछी है।

विसंगति : कॉर्पोरेट्स आम आदमी की तुलना में कहीं कम टैक्स अदा कर रहे हैं

जीएसटी के सरलीकरण से रुकेगा आर्थिक असमानताओं का बढ़ना

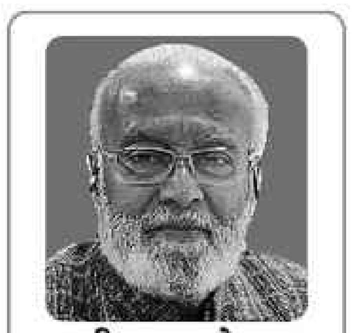

प्रदीप एस. मेहता
लेखक कट्स इंटरनेशनल के महामंत्री हैं
@patrika.com

जैसा कि बेंजामिन फ्रैंकलिन ने कहा था, 'इस दुनिया में कुछ भी निश्चित नहीं कहा जा सकता, सिवाय मृत्यु और करों के।' भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को देश की जटिल कर प्रणाली को सरल बनाने, दोहरे कराधान को समाप्त करने और एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बनाने के लिए एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश किया गया था। हालांकि, यह विसंगतियों में उलझा रहा है। ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि इससे व्यापारियों पर बोझ बढ़ रहा है और उपभोक्ताओं, विशेष रूप से मध्यम वर्ग और गरीबों पर असमान रूप से प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए जीएसटी को एक ऐसी प्रणाली में पुनः संतुलित करने की तत्काल आवश्यकता है जो वास्तव में तर्कसंगत, न्यायसंगत और विकासोन्मुखी हो।

भारत में कोविड महामारी के बाद आर्थिक सुधार के आकार में असमानता देखी गई है, जहां अमीरों को फायदा हुआ है, जबकि सबसे कमजोर तबके पीछे छूट गए हैं। बढ़ती आर्थिक असमानता एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाती है- क्या भारत की कर प्रणाली समाज के वंचित वर्गों को ऊपर उठाने के लिए है या उन पर अधिक बोझ डालने के लिए? एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, देश के सबसे गरीब 50% लोग कुल जीएसटी राजस्व का 64.3% योगदान देते हैं, जबकि शीर्ष 10% केवल 3.9% का भुगतान करते हैं। पुनर्वितरण को बढ़ावा देने के बजाय, भारत की कर संरचना ने असमानता को और गहरा किया है, जहां कॉर्पोरेट्स आम आदमी की तुलना में कहीं कम टैक्स अदा करते हैं। अप्रत्यक्ष कर, विशेष रूप से जीएसटी, अपनी प्रतिगामी प्रकृति के कारण इस समस्या को और बढ़ा रहा है। 2020 तक, देश की कुल आय में निचले 50% लोगों की हिस्सेदारी घटकर मात्र 13% रह गई, जबकि वे राष्ट्रीय संपत्ति का केवल 3% हिस्सा ही रखते थे। वास्तविकता यह है कि लगभग 70% भारतीय एक बुनियादी, पोषणयुक्त आहार वहन नहीं कर सकते, जिसके कारण आहार-संबंधी बीमारियों से हर साल अनुमानित 1.7 मिलियन मौतें होती हैं। जीएसटी की प्रमुख चुनौतियों में इसकी असंगत कर श्रेणियां शामिल हैं। 55वीं जीएसटी परिषद की बैठक के अनुसार, फोर्टिफाइड चावल पर कर बढ़ा दिया गया, जबकि यह कुपोषण को दूर करने के लिए एक आवश्यक कदम था। ऐसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर अधिक कर दरें उन्हें उन लोगों के लिए कम सुलभ बना देती हैं जिन्हें उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है, जिससे खाद्य असुरक्षा से निपटने के सरकारी प्रयासों का विरोधाभास उत्पन्न होता है। हाल ही 'पॉपकॉर्न विवाद' ने इस विनियामक अव्यवस्था को उजागर किया है। बिना पैक किया हुआ और बिना लेबल वाला नमकीन पॉपकॉर्न 5% कर के दायरे में आता है, जबकि उसका पहले से पैक किया गया संस्करण 12% और कारामेल (मीठा) पॉपकॉर्न 18% कर के अधीन है। इसका परिणाम कृत्रिम बाजार विभाजन, छोटे व्यवसायों के लिए अनुपालन बोझ और उपभोक्ता कीमतों पर सीधा प्रभाव- ये सभी जीएसटी के 'सरल और लाभकारी कर' होने के वादे के विपरीत हैं। यह कोई अकेला मामला नहीं है। 'पराठा बनाम रोटी' विवाद या पैक और बिना पैक की गई लस्सी के बीच कर असमानताओं को याद करें। ऐसी विसंगतियों ने हमेशा अनावश्यक मुकदमेबाजी को बढ़ावा दिया है, भ्रम पैदा किया है। पोषणयुक्त खाद्य पदार्थों और स्नैक्स से परे, वर्गीकरण की यह अव्यवस्था अन्य उद्योगों तक फैली हुई है। पुराने वाहनों और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं पर उच्च और असंगत टैक्स दरें उनकी वहन क्षमता व बाजार की तरलता को प्रतिबंधित करती हैं। इस तरह की टैक्स विकृतियां उद्योगों में फैलती हैं जिससे मांग और प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है।

संक्षेप में, एक अधिक समावेशी कर नीति बनाने से आर्थिक असमानताओं को और बढ़ने से रोका जा सकता है। जीएसटी को अपने मूल उद्देश्य 'सरलता, निष्पक्षता और दक्षता' पर लौटने की आवश्यकता है। सरकार को विकृतियों को ठीक करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। भारत की बहु-स्तरीय जीएसटी संरचना को तर्कसंगत बनाने की आवश्यकता है।

रोमन वास्तुकला : हर मोजेक में संस्कृति की झलक

रोम में ओस्टिया एंटिका पुरातात्विक स्थल पर भव्य मोजेक फर्श हैं। यहां के मोजेक फर्शों पर जटिल पैटर्न और दृश्य चित्रणों को देखकर यह समझा जा सकता है कि प्राचीन रोम में घरों, व्यापारिक केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों को कैसे सजाया जाता था। हर मोजेक में विवरण व दृश्य कूट-रचनाएं होती हैं, जो वहां की संस्कृति व जीवनशैली को दर्शाती हैं।

प्रसंगवश

जलापूर्ति की नई व्यवस्था के साथ सिस्टम में हो सुधार

घरों में मीटर दुरुस्त होने के कारण लोग स्वाभाविक रूप से जल उपभोग जरूरत के मुताबिक ही करने लगे हैं

राजस्थान में पेयजल किल्लत की समस्या आम है, ऐसे में जल संग्रह और जल संरक्षण की जरूरत लगातार महसूस की जा रही है। पानी के उपयोग को लेकर आम उपभोक्ता के रूप में हम सब जागरूक रहें, इसके लिए पानी की बचत की सीख देना भी जरूरी है। जलदाय विभाग ने 24 घंटे पानी की सप्लाई वाले जयपुर के कुछ हिस्सों में उपभोग के हिसाब से बिल वसूली शुरू की है। इससे पता चला कि लोग जल उपभोग जरूरत के मुताबिक ही करने लगे हैं। जाहिर है कि इन इलाकों में जल उपभोग की रीडिंग करने वाले मीटर शहर ही नहीं, बल्कि प्रदेश के कई दूसरे शहरों की तरह बंद नहीं पड़े होंगे। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जनसंख्या में वृद्धि के साथ ही जल का उपभोग भी बढ़ा और इस जरूरत को पूरा करने के लिए भूजल दोहन भी खूब होने लगा है। प्रदेश के अधिकांश हिस्से डार्क जोन में आए हैं तो उसके लिए भी हम ही जिम्मेदार हैं। जल के सदुपयोग को लेकर राजधानी जयपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 24 घंटे जलापूर्ति के प्रयोग को जल संरक्षण के लिहाज से सार्थक पहल कहा जा सकता है। घरों में मीटर दुरुस्त होने के कारण लोग स्वाभाविक रूप से जल संरक्षण करने लगे हैं।

तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि शहर में लंबे समय से पानी के मीटर या तो बंद पड़े हैं या हैं ही नहीं। पानी का उपभोग कोई कितना ही करे, फिक्स बिल ही दिए जा रहे हैं। चौबीस घंटे जलापूर्ति का प्रयोग पूर्व में वर्ष 2010-11 में भी जयपुर में मानसरोवर और मालवीय नगर के कुछ सेक्टर में किया गया था। पर्याप्त राजस्व वसूली होने के बावजूद यह प्रोजेक्ट दाखिल दफ्तर न जाने क्यों हो गया? बनीपार्क और बजाज नगर क्षेत्र में इस नए प्रयोग से अब प्रति व्यक्ति जल उपभोग घट गया है। विभाग ने जलापूर्ति का प्रेशर तो बढ़ाया ही, पानी के नए मीटर भी लगाए। जेब से ज्यादा रकम नहीं जाए, इस चिंता को देखते हुए पानी का दुरुपयोग नहीं हो सका। हकीकत यह है कि राजधानी में ही ढाई लाख के करीब पानी के मीटर खराब हैं। कई उपभोक्ताओं को पिछले कई महीनों से बिल ही नहीं दिए गए। पानी के खराब मीटर, जर्जर पाइप लाइन और कम दबाव से जल की सप्लाई को दुरुस्त कर दिया जाए तो इसी तरह की योजना समूचे जयपुर में लागू करना कोई मुश्किल काम नहीं। जरूरत इच्छाशक्ति की है जो जलदाय महकमे को दिखानी होगी।

- शरद शर्मा
sharad.sharma@in.patrika.com

समाज : ऐसी संस्कृति को बदलने की जरूरत है जो महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता को कम आंकती है

महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने से ही रुकेंगे दुष्कर्म के मामले

डॉ. ज्योति सिडाना
समाजशास्त्री व स्तंभकार
@patrika.com

सवाल यह उठता है कि क्या बलात्कार को सामूहिक आतंकवाद की संज्ञा दी जा सकती है क्योंकि आतंकवाद में भी भय उत्पन्न कर दूसरों के व्यवहार पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया जाता है।

नारीवादी विमर्श में बलात्कार को आमतौर पर महिलाओं के विरुद्ध पुरुष द्वारा की गई यौन हिंसा के रूप में परिभाषित किया जाता है। परंतु यहां यह तर्क भी दिया जा सकता है कि बलात्कार के वैचारिक विश्लेषण में पितृसत्ता के अलावा सत्ता के अन्य आयामों का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए। सुसान ब्राउनमिलर के अनुसार बलात्कार डराने-धमकाने की एक सचेत प्रक्रिया है, जिसके द्वारा पुरुष महिलाओं को भय की स्थिति में रखते हैं। ब्राउनमिलर अपनी पुस्तक 'अगेंस्ट अवर विल' में कानूनों और सार्वजनिक दृष्टिकोण दोनों को बदलने और एक ऐसी संस्कृति को बदलने की समर्थक बनकर उभरती हैं, जो महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता को कम आंकती थी। संभवतः यह कहा जा सकता है कि महिलाओं की स्वायत्तता की उपेक्षा और उनमें भय का मनोविज्ञान बनाए रखना पुरुषसत्ता के अस्तित्व की महत्त्वपूर्ण शर्त है।

हाल ही फरवरी माह के अंतिम सप्ताह की ही कुछ घटनाओं पर अगर नजर डालें तो यह बात सत्य साबित हो जाती है। जयपुर में सात वर्षीय लड़की को उसके पड़ोसी ने अगवा कर बलात्कार किया और फिर उसकी हत्या कर उसकी लाश छत पर फेंक दी। डीडवाना जिले के मौलासर क्षेत्र में अपनी सहेली के घर से किताब लेकर लौट रही एक नाबालिग छात्रा के साथ पांच युवकों द्वारा गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। आरोपी इस पीड़िता को दो वर्ष से ब्लेकमेल कर दुष्कर्म करते आ रहे थे। वहीं पुणे के स्वारगेट बस स्टैंड पर खड़ी महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बस में 26 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार का मामला सामने आया। हैवानियत अभी रुकी नहीं है महाराष्ट्र के नालासोपारा में एक पिता को अपनी ही तीन बेटियों के साथ बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और तो और वयस्क ही नहीं, अपितु नाबालिग भी इन घटनाओं को अंजाम देने में पीछे नहीं रहे। डौंड तहसील के स्कूल की एक छात्रा ने टीचर को बताया कि एक छात्र ने अपने माता-पिता के जाली साइन किए। अपनी शिकायत सुनकर उस छात्र ने बदला लेने के लिए दूसरी क्लास के एक छात्र को 100 रुपए देकर उस छात्रा का रेप और हत्या करने को कहा।

लेखिका ग्लोरिया स्टीनम लिखती हैं कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपने शरीर पर अधिकार लोकतंत्र की स्थापना का पहला कदम है और इस आधार पर महिलाएं विशेष रूप से वे जो नस्ल, जाति या वर्ग के आधार पर अवमूल्यित हैं, अब भी अंतरंग तानाशाही के अधीन हैं। सवाल यह उठता है कि क्या बलात्कार को सामूहिक आतंकवाद की संज्ञा दी जा सकती है क्योंकि आतंकवाद में भी भय उत्पन्न कर दूसरों के व्यवहार पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया जाता है और बलात्कार में भी महिला व्यवहार को नियंत्रित करना, उन पर अपना आधिपत्य स्थापित करना शामिल होता है। पहले के समय में अधिकांशतः बलात्कार की घटनाओं के लिए अपरिचित/अजनबी जिम्मेदार होता था लेकिन आज तो परिवार का कोई भी सदस्य पति, देवर, पिता, भाई, दादा, नाना, मामा, चाचा और मित्र इन घटनाओं में संलग्न देखा जा सकता है।

संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार बलात्कार की घटनाओं में 8% की वृद्धि देखी गई यानी वर्ष 2024 में 3054 मामले दर्ज किए गए जबकि वर्ष 2023 में 2826 मामले दर्ज किए गए थे। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले इस गंभीर अपराध की सरकार और कानून व्यवस्था उपेक्षा कैसे कर सकती है? एक सत्तासीन व्यक्ति ने एक बार अपने बयान में कहा था कि माता-पिता अपनी जवान बेटी को सांस्कारिक वातावरण में रहने का तरीका सिखाएं। यह किस तरह की सोच है? मतलब जिन लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार होता है या हुआ है वे संस्कारी नहीं थी और जिन लड़कों ने दुर्व्यवहार किया वे संस्कारी थे?

हाल ही आया एक और बयान भी देखिए तमिलनाडु के एक कलेक्टर ने यौन हिंसा के एक केस को लेकर कहा कि हो सकता है कि तीन साल की बच्ची ने कुछ ऐसा किया हो जिससे हमलावर भड़क गया और उसने ऐसी हरकत कर दी। यह किस तरह के तर्क हैं, जो आपराधिक कृत्यों को वैधता प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं? गायिका बेयोंस कहती हैं कि मैं एक ऐसा समुदाय बनाना चाहती हूं, जहां सभी जातियों की महिलाएं आपस में संवाद कर सकें। मैं महिलाओं को अपनी ताकत महसूस करने और अपनी कहानियां बताने के लिए एक स्पेस देना चाहती हूं। यही वास्तविक शक्ति है। उनके तर्क से सहमत हुआ जा सकता है क्योंकि महिला सशक्तीकरण का मतलब महिलाओं को मजबूत बनाना नहीं है। महिलाएं तो पहले से ही मजबूत हैं। इसका मतलब है महिलाओं की ताकत के प्रति दुनिया के देखने के तरीके को बदलना। देखा जाए तो सारी समस्या ही नजरिए की है अगर समाज महिलाओं के प्रति अपनी मानसिकता बदल ले तो ऐसी घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। आवश्यकता है कि ऐसा कोई वैश्विक अभियान चलाया जाए।

आपकी बात

निजी जानकारियां साझा न करें

डिजिटल गैजेट्स के इस्तेमाल में महिलाओं को स्वयं ही सावधानियां रखनी चाहिए। इनमें निजी जानकारियां न रखें और न ही साझा करें। हमेशा स्ट्रॉन्ग पासवर्ड रखें।

- **नरेश कानूनगो**, देवास (मप्र)

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था, डिजिटल गैजेट्स का प्रयोग करते हुए महिलाएं किन बातों का ध्यान रखें?' ऑनलाइन भी देखें।
https://shorturl.at/JYTao

समसामयिक विषयों पर पाठकों के विचार आमंत्रित हैं। पाठकों के चुनिंदा विचार प्रकाशित किए जाएंगे

ईमेल करें
edit@epatrika.com

उपलब्धि

कांगेर वैली यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. रायपुर. कांगेर वैली नेशनल पार्क बस्तर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। यह राज्य का पहला स्थल है, जिसे यूनेस्को की सूची में स्थान मिला है। वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा की है। उन्होंने लिखा है कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का क्षण। कांगेर घाटी की जैव विविधता व सुंदर जलप्रपात इसे अनमोल बनाते हैं।

ईओडब्ल्यू

रानू, सौम्या, सूर्यकांत, माया और मनोज 19 तक भेजे गए जेल

पत्रिका ब्यूरो @रायपुर. ईओडब्ल्यू ने निलंबित आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी, माया वारियर और मनोज द्विवेदी को 19 मार्च तक के लिए जेल भेज दिया है। उक्त सभी को विशेष न्यायालय में मंगलवार को पेश किया गया। इस दौरान ईओडब्ल्यू के उपसंचालक अभियोजन ने बताया कि इस समय डीएमएफ घोटाले की जांच चल रही है। पूछताछ करने के बाद सभी एक दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। इसकी अवधि पूरी होने पर अब पूछताछ करने की जरूरत नहीं है। विशेष न्यायाधीश ने ईओडब्ल्यू के अनुरोध को स्वीकार करते हुए 8 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया। वहीं राज्य सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया और कारोबारी सूर्यकांत के जमानत आवेदन पर 17 मार्च को विशेष न्यायालय में बहस होगी।

कोरबा मामले में भाजपा ने बनाई जांच कमेटी

रायपुर@पत्रिका. कोरबा में हुए सभापति चुनाव को लेकर पार्टी गंभीर हो गई है। इस मामले की जांच के लिए भाजपा ने 3 सदस्यीय टीम का गठन किया है और सात दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी है। भाजपा की जांच कमेटी में पूर्व विधायक गौरीशंकर अग्रवाल को संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा रजनीश सिंह और श्रीनिवास राव को सदस्य बनाया गया है।

रायगढ़ के दो नेता निष्कासित : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने घरघोड़ा नगर पंचायत के भाजपा पार्षद अनिल लकड़ा और श्याम भोजवानी को 6 साल के लिए भाजपा से निष्कासित कर दिया है। बता दें कि घरघोड़ा नगर पंचायत में 15 पार्षद हैं। इनमें भाजपा के 9, कांग्रेस के 4 और दो निर्दलीय पार्षद हैं। यहां नगर पंचायत अध्यक्ष निर्दलीय प्रत्याशी चुने गए। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस प्रत्याशी चुने गए हैं। क्रॉस वोटिंग के चलते भाजपा ने निष्कासन की कार्रवाई की है। निलंबन आदेश में कहा गया है कि आपके विरुद्ध आरोप है कि घरघोड़ा नगर पंचायत उपाध्यक्ष चुनाव में भाजपा अधिकृत प्रत्याशी के विरुद्ध आप मतदान किए, जिससे पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। यह अनुशासन भंग करने की परिधि में आता है। विरोधी कार्य करने के आरोप में आपको पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है।

बजट सत्र : *अतिशेष धान की नीलामी को लेकर लाए थे काम रोको प्रस्ताव, गर्भगृह में पहुंचे विपक्षी विधायक निलंबित*

विपक्ष का आरोप- धान की नीलामी से प्रदेश को 8000 करोड़ का नुकसान, हंगामा

डबल इंजन की सरकार को बताया फेल

पंजाब की तरह छत्तीसगढ़ में भी पूरे धान का चावल लेने की रखी मांग

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. विधानसभा में मंगलवार को अतिशेष धान की नीलामी को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। दरअसल, विपक्ष ने अतिशेष धान की नीलामी को लेकर काम रोको प्रस्ताव लाकर चर्चा की मांग कर रहे हैं। आरोप था कि अतिशेष धान की नीलामी से राज्य सरकार को 8 हजार करोड़ का नुकसान होगा। इसमें शासन की तरफ से मंत्री से जवाब दिया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी धान की नीलामी की गई है। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इससे विपक्ष नाराज हो गया और नारेबाजी करते हुए गर्भगृह में प्रवेश कर गया।

यह है विपक्ष का तर्क

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत, भूपेश बघेल सहित अन्य विपक्ष के नेताओं का तर्क था कि आठ हजार करोड़ की रकम बड़ी है। यह बजट का 5 फीसदी हिस्सा है। चूंकि अब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है, इसलिए राज्य सरकार को केंद्र से चावल का कोटा बढ़ाने का अनुरोध करना चाहिए। विपक्ष का कहना है कि पंजाब में 179 लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन हुआ है। वहां केंद्र सरकार पूरा चावल ले रही है। जबकि वहां आम आदमी पार्टी की सरकार है। जबकि यहां 40 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान की नीलामी करनी पड़ रही है।

यह है विपक्ष का हिसाब-किताब

विपक्ष के मुताबिक हमारे धान की लागत 3100 रुपए है। इसके अलावा 500 रुपए संग्रहण व्यय और ब्याज आदि को मिलने पर इसकी लागत 3600 रुपए होती है। नीलामी करने पर धान का अधिकत मूल्य 1600 रुपए प्रति क्विंटल मिल पाएगा। इस प्रकार हर क्विंटल के पीछे 2000 रुपए का नुकसान होगा। 40 लाख मीट्रिक टन में कम से कम 8000 करोड़ की आर्थिक क्षति होगी।

मंत्री का जवाब

मंत्री दयालदास बघेल ने कहा, केंद्र सरकार ने 70 लाख टन चावल उपार्जन की अनुमति दी है। इनमें से 54 लाख टन चावल भारतीय खाद्य विभाग और 16 लाख टन चावल नान में आएगा। इसके अतिरिक्त 13.34 लाख टन चावल रखा जाएगा। मंत्री ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में भंडार क्षमता के विस्तार के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। 40 लाख अतिशेष धान की नीलामी की जाएगी। वर्ष 2020-21 में भी अतिशेष धान की नीलामी की गई थी। उन्होंने बताया कि किसानों को पूरा राशि का भुगतान किया जा रहा है। इससे किसानों में कोई नाराजगी नहीं है।

महासमुंद झलप से लगे गांव का मामला

कर्ज लेकर बोर, बिजली कटौती से खेत सूखा तो खुदकुशी

महासमुंद @ पत्रिका. जिले में झलप से 4 किमी दूर सिंघनपुर गांव में कर्ज और बिजली कटौती से परेशान एक किसान ने अपने ही खेत में पेड़ से लटककर जान दे दी। किसान का नाम पूरन निषाद बताया गया है। पूरन ने एक एकड़ 80 डिसमिल जमीन में रबी फसल लगाई थी। बोर करवाने के लिए सहकारी बैंक झलप से 1.55 लाख का कर्ज लिया था।

मृतक किसान

> एसडीएम को जांच के निर्देश दिए हैं, ताकि पूरे मामले की सही जानकारी मिल सके। **-विनय कुमार लंगेह,** कलेक्टर, महासमुंद

> किसान पर कर्ज था। उसने पत्नी के गहने भी बेच दिए थे। परिजनों से पूछताछ कर रहे हैं। जांच अभी भी जारी है। **-विनोद कश्यप,** टीआई, पटेवा

कछुआ चाल... कृषक बहुल राज्य, फिर भी फूड पार्क के निर्माण में देरी

बनाने चले थे 200 फूड पार्क 55 को जमीन मिली, बने सिर्फ नौ

पत्रिका एक्सप्लेनर

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. छत्तीसगढ़ कृषक बहुल राज्य है। इसे देखते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 200 फूड पार्क बनाने का वादा किया था।

पिछली सरकार में इसके क्रियान्वयन की गति इतनी धीमी है कि गिनती के ही फूड पार्क बन सकें। अब भाजपा सरकार में कछुआ चाल से काम हो रहा है। स्थिति यह है कि करीब छह साल बाद प्रदेश में सिर्फ नौ फूड पार्क बन सके हैं। हालांकि इनका सही उपयोग अभी तक शुरू नहीं हो सका है। इसके कारण कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण पर आधारित उद्योग स्थापित करने और रोजगार सृजित करने का काम सिर्फ कागजों में दिखाई दे रहा है। फूड पार्क की स्थापना में सबसे बड़ी समस्या खाली जमीनों को लेकर थी। राजस्व विभाग की जमीन उद्योग विभाग को देने के लिए लंबी कागजी कार्रवाई करनी पड़ी। वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक प्रदेश के कुल 55 विकासखंडों में फूडपार्क की स्थापना के लिए राजस्व विभाग से उद्योग विभाग को शासकीय भूमि हस्तांतरित की गई है। इनमें से 13 जिलों के 19 फूडपार्क के निर्माण के लिए प्रशासकीय और वित्तीय मंजूरी मिली थी। इनमें से केवल 9 फूड पार्क का निर्माण ही पूरा हो सका है। वहीं स्थापनाधीन 5 फूड पार्क की मंजूरी को राज्य सरकार ने विभिन्न कारणों की वजह से निरस्त कर दिया है। वहीं चार फूड पार्क में अधोसंरचना का काम अभी चल रहा है।

निर्माणाधीन पार्क

सुकमा : ग्राम पाकेला, तहसील छिंदगढ़
सुकमा : ग्राम फंदीगुडा, तहसील कोंटा
धमतरी : ग्राम श्यामतराई, तहसील धमतरी
बेमेतरा : ग्राम चन्दनु-रवेली, तहसील बेमेतरा

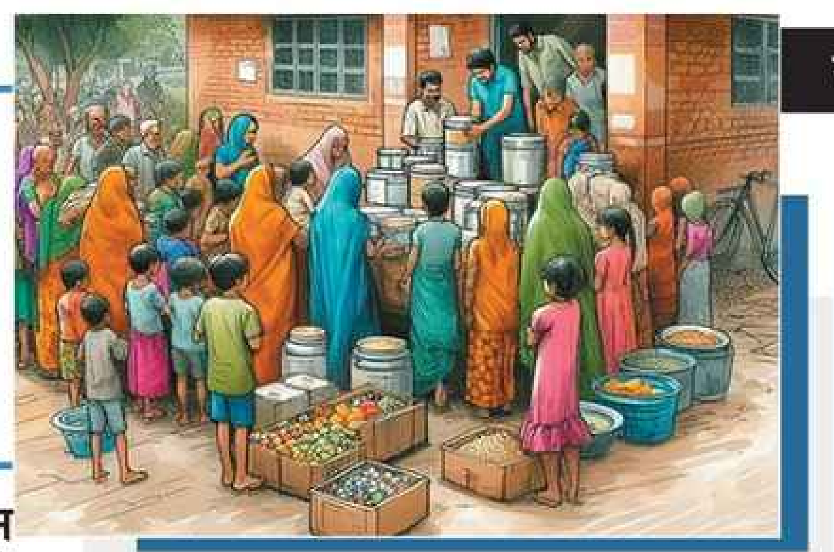

पार्क बने, लेकिन उपयोग नहीं

फूड पार्क में अधोसंरचना विकास कार्य पूरा होने के बाद इसकी जमीनों को स्थानीय उद्योगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार आवंटन किया जाना था। इसके निर्माण होने के बाद भी अभी तक किसी को जमीन का आवंटन नहीं हुआ है। जबकि सुकमा में करीब तीन साल पहले ही 393 करोड़ से अधिक लागत फूड पार्क का निर्माण हो चुका था। इस वजह से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं।

फूड पार्क से फायदा...

- फूड पार्क किसानों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार प्रदान करते हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि होती है।
- किसान उत्पादों को सीधे प्रसंस्करण इकाइयों को बेच सकते हैं, जिससे बिचौलियों से छुटकारा मिलता है।
- फूड पार्क स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करते हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।
- पार्कों में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, भंडारण सुविधाओं, और अन्य व्यवसायों के कारण रोजगार उत्पन्न होते हैं।
- स्थानीय उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकेजिंग को बढ़ावा देते हैं, जिससे उनकी गुणवत्ता और शेल्फ लाइफ बढ़ती है।
- फूड पार्क खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देते हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

यहां बन गए फूड पार्क

सुकमा : सुकमा, तहसील सुकमा
सरगुजा : ग्राम रिखी
जशपुर : ग्राम फरसाबहार
सरगुजा : ग्राम उलकिया
रायपुर : ग्राम खपरीखुर्द
राजनांदगांव : ग्राम पांगुरीखुर्द
सरगुजा: ग्राम बरबसपुर
जशपुर : ग्राम नारायण बहली
मुंगेली : ग्राम हथकेरा बिदबिदा

समीक्षा की गई

फूड पार्कों के निर्माण की समीक्षा की गई है। नई औद्योगिक नीति के तहत जमीन आवंटन की प्रक्रिया की जाएगी, ताकि लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित हो सकें।
लखनलाल देवांगन, *उद्योग मंत्री*

सुविधा.. इंडिगो ने जारी किया शेड्यूल

इंदौर, भोपाल, विशाखापट्टनम और प्रयागराज के लिए 30 से 4 नई फ्लाइटों की उड़ान

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर . स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से इंदौर, भोपाल, विशाखापट्टनम और प्रयागराज के लिए 30 और 31 मार्च से 4 नई फ्लाइटों का संचालन होगा। इंडिगो एयरलाइन द्वारा इसका शेड्यूल जारी किया गया है।

साथ ही ट्रैवल्स संचालको को टिकटों की बुकिंग के लिए स्लाट का आवंटन किया गया है। विमानन कंपनी द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 30 मार्च को प्रयागराज की फ्लाइट सप्ताह में दो दिन शनिवार और रविवार रायपुर से सुबह 8.50 बजे उड़ान भरने के बाद 10.25 को प्रयागराज पहुंचेगी। इसके बाद प्रयागराज से सुबह 10.50 बजे रवाना होने के बाद दोपहर 12.30 बजे रायपुर पहुंचेगी।

इसी तरह विशाखापट्टनम की फ्लाइट सप्ताह में दो दिन सोमवार एवं शुक्रवार को रायपुर से सुबह 8.50 बजे उड़ान भरने के बाद 10.20 को विशाखापट्टनम पहुंची। इसके बाद विशाखापट्टनम से सुबह 11 बजे उड़ान भरने के बाद दोपहर 12.30 बजे रायपुर पहुंचेगी।

विशाखापट्टनम के लिए 2 साल बाद फिर फ्लाइट शुरू

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से 2 साल बाद फिर विशाखापट्टनम के लिए 31 मार्च से सीधी फ्लाइट शुरू होगी। पहले एयरइंडिया की फ्लाइट मुंबई से नागपुर, रायपुर होते हुए विशाखापट्टनम के लिए उड़ान भरती थी। लेकिन, जनवरी 2023 में इसे बंद कर दिया गया था। ट्रैवल्स संचालकों की मांग और यात्रियों की संख्या को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस द्वारा फिर से शुरू किया गया है।

झारखंड पहुंचते ही काम तमाम : रायपुर में प्लानिंग, रायपुर जेल से लेकर निकली थी झारखंड पुलिस

लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा अमन साव एनकाउंटर में ढेर

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. गैंगस्टर अमन साव उर्फ साहू के एनकाउंटर की प्लानिंग पहले ही हो गई थी। रायपुर पहुंचते ही झारखंड पुलिस के अफसरों ने एनकाउंटर की प्लानिंग की। इत्तेफाक से झारखंड पहुंचते ही गैंगस्टर ने एनकाउंटर का मौका भी दे दिया। झारखंड के पलामू के पास गैंगस्टर अमन के गुर्गो ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इसके बाद टीम ने जवाबी कार्रवाई में अपराधी अमन को ढेर कर दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक अपराधी अमन को झारखंड पुलिस ने एक कारोबारी पर फायरिंग के मामले में हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहती थी। इसलिए उसे सोमवार की रात प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर सेंट्रल जेल से झारखंड ले जा रहे थे। टीम छत्तीसगढ़ की सीमा को पार करके झारखंड पहुंची। सुबह करीब 9 बजे पलामू के चैनपुर और रामगढ़ थाना के बीच अंधारी ढोढा में अपराधी अमन के गैंग ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पुलिस वाहन पर बम फेंके गए। इसी दौरान अमन भी पुलिस के जवान से रायफल छीनकर भागने लगा। पुलिस के रोकने पर उन पर भी फायरिंग करने लगा। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग शुरू की। इसमें अमन ढेर हो गया।

सोमवार देररात रायपुर सेंट्रल जेल से झारखंड के लिए अमन साव को ले जाती पुलिस। फोटो-पत्रिका

दोनों की थी प्लानिंग : सूत्रों के मुताबिक झारखंड पुलिस पहले से एनकांउटर की तैयारी में थी, तो दूसरी ओर गैंगस्टर अमन भी पुलिस को चकमा देकर भागने की प्लानिंग कर चुका था। बताया जाता है कि इसमें झारखंड की पुलिस ने रायपुर पुलिस से भी काफी जानकारी ली थी।

झारखंड-छत्तीसगढ़ में 100 से ज्यादा केस दर्ज

अपराधी अमन के खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी आदि जैसे 100 से ज्यादा मामले झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य में दर्ज हैं। दोनों राज्य के कोयला कारोबारी, सरकारी ठेकेदार, कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालकों को डरा-धमकाकर वसूली करता था। वसूली के लिए रायपुर और कोरबा में चार कारोबारियों के कार्यालय में फायरिंग करवा चुका है। रायपुर पुलिस ने तेलीबांधा और गंज थाना के मामले में गिरफ्तार किया था। मृत अमन का लॉरेंस बिश्नोई गैंग से भी कनेक्शन था। झारखंड में वसूली के कारोबार में उसकी भी मदद ले चुका था।

ईडी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदेशभर में प्रदर्शन

रायपुर@पत्रिका. ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान सांकेतिक तौर पर ईडी का पुतला दहन किया गया। राजधानी में जिला कांग्रेस कार्यालय से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए नगर निगम चौक पहुंचे। यहां ईडी के खिलाफ प्रदर्शन किया गया और सांकेतिक पुतला दहन किया गया। पुलिस बल ने आग बुझाने की कोशिश की। जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमाझटकी भी हुई। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा की राजनीति अब जांच एजेंसियों के सहारे चल रही है। सात साल पुराने झूठे केस को अदालत ने खारिज कर दिया। अब दुर्भावनापूर्वक ईडी को मोहरा बना कर भेजा गया है। ईडी की टीम पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल के निवास पर पहुंचना जांच नहीं है राजनीतिक प्रतिशोध है, जो साफ दिख रहा है।

सख्ती: फोरम ने इलाज खर्च के साथ 20 हजार क्षतिपूर्ति देने कहा

10 साल पुरानी बीमारी का क्लेम से इनकार, फोरम का 10 लाख इलाज खर्च देने का आदेश

पत्रिका ब्यूरो @ जगदलपुर. जिला उपभोक्ता आयोग ने एक प्रकरण में स्टार हैल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को उपचार में खर्च हुई राशि 10 लाख रुपए और शारीरिक व मानसिक परेशानी के लिए 20 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति दिए जाने का फैसला सुनाया है। बता दें कि आवेदक नरेंद्र कुमार लाहोटी ने अपनी माता सरस्वती देवी लाहोटी के नाम पर स्टार हैल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से एक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी ली थी। आवेदक ने पॉलिसी प्राप्त करते समय बीमा कंपनी को इस बात की जानकारी दी गई थी कि आवेदक की माता शुगर, हाई ब्लड प्रेशर और हाईपरटेंशन की बीमारी से पीड़ित है। जिस पर बीमा कंपनी ने 20 लाख रुपए का जोखिम कवर किया था। आवेदक की माता का स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया गया था। जहां पर इलाज पर हुए राशि कैशलेस माध्यम से प्राप्त करने के लिए बीमा कंपनी को आवेदन करने पर उन्होंने 10 वर्ष पुरानी बीमारी होने के कारण कैशलेस दावा निरस्त कर दिया गया था।

अस्पताल की गलती, बीमारी 10 साल पुरानी बताई

इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन ने त्रुटिवश बीमारी को 10 वर्ष पूर्व बताया जाना स्वीकार किया गया था। आवेदक ने बीमा कंपनी को अधिवक्ता के माध्यम से विधिक सूचना पत्र प्रेषित कर भी उपचार पर हुए व्यय की राशि की मांग की गई थी। जिसका बीमा कंपनी द्वारा कोई जवाब नहीं दिया। इससे नाराज होकर आवेदक द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष शिकायत पेश की गई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग ने माना है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा बीमारी 10 वर्ष पूर्व की बताई गई थी जबकि आवेदक की माता को वर्ष 2022 में उपचार के लिए भर्ती किया गया था। बीमा कंपनी ने 10 वर्ष पूर्व बीमारी होने के संबंध में कोई साक्ष्य या दस्तावेज भी पेश नहीं किया गया था।

ईडी की कार्रवाई : रायपुर की सिविल लाइन पुलिस ने किया था गिरफ्तार

तेंदुए के शावकों की तस्करी करने वाले शब्बीर और राकेश की अचल संपत्ति अटैच

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तेंदुए के शावकों की तस्करी करने वाले शब्बीर अली और राकेश निषाद की अचल संपत्ति को अटैच किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है। उक्त दोनों को रायपुर के सिविल लाइन पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वह दो तेंदुए के शावक बेचने के फिराकर में 1 नवंबर 2019 को घूम रहे थे। उनके पास से तेंदुए का शावक बरामद किया गया था। प्रकरण की जांच करने के बाद वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में इस मामले का आरोप पत्र पेश किया गया था।

प्रकरण ईडी के हवाले : ईडी ने प्रकरण की जांच के दौरान पता चला कि शब्बीर अली अवैध तस्करी के साथ ही पक्षियों और अन्य प्राणियों की खरीद-फरोख्त में शामिल थे। शब्बीर पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 49 का उल्लंघन करने का भी आरोप है। जांच के दौरान मिले दस्तावेजी साक्ष्यों और आरोपियों और गवाहों के बयान में शब्बीर अली और राकेश निषाद की संलिप्तता मिली थी।

मैनपुर से लेकर आए थे शावकों को

गरियाबंद के मैनपुर से तेंदुएं के शावकों को पकड़ने के बाद तस्करी के लिए रायपुर लाया गया था। सूचना के आधार पर जिले के सीमावर्ती इलाकों में पुलिस की विशेष टीम गठित कर नाकेबंदी की गई थी। इसी दौरान टीम ने दोनों को पकड़ा के बाद वाहन की तलाशी में शावक बरामद किए गए थे।

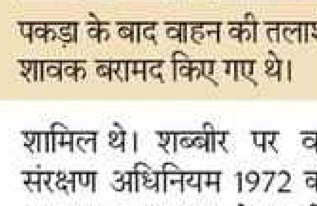

होली के अनोखे रंग 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों के डंडा नृत्य को देखने लगती है भीड़

बिरकोनी में सौ सालों से होली पर होता है कुहकी नृत्य

जितेंद्र सतपथी
patrika.com

महासमुंद. बिना किसी वाद्य यंत्र के होली पर महासमुंद के बिरकोनी गांव में बुजुर्ग कुहकी नृत्य करते हैं। ऐसी मान्यता है कि होली इस नृत्य के बिना अधूरी मानी जाती है गले की आवाज से होने वाले इस नृत्य में 8 से 10 लोगों का ग्रुप होता है और एक व्यक्ति गले से एक अलग तरह की आवाज निकालता है। इस आवाज से नृत्य की लय व डंडे की चाल बदलती है। आवाज से इशारा मिलने पर नर्तक नृत्य का तरीका बदलने के साथ आगे-पीछे घूमकर डंडे से डंडे पर चोट करते हैं।

गांव के सियानों ने विलुप्ति के कगार पर पहुंचे पारंपरिक कुहकी डंडा नृत्य को पांच पीढ़ियों से संभाला है। कुहकी नृत्य करने वाले अधिकतर 60 साल से ऊपर के हो चले हैं। वे नई पीढ़ी को यह कला सिखाना और इस नृत्य परंपरा को आगे बढ़ाना चाहते हैं। गांव के बुधारू निषाद, कहते हैं कि इस नृत्य में गले से निकाली जानी वाली विशिष्ट आवाज से ही नृत्य की लय, गति और डंडे की चाल बदलती है। गांव में यह नृत्य कला एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को मिल रही है। शंभू साहू, बताते हैं कि बीते 100 सालों से हमारे पूर्वज इस नृत्य को करते आ रहे हैं अब हमने इसका जिम्मा संभाला है, लेकिन नई पीढ़ी की इसमें कोई रुचि नहीं दिखती।

पशुपालक कृषकों का नृत्य

कुहकी डंडा नृत्य छत्तीसगढ़ के पशुपालक कृषकों का पारंपरिक नृत्य है। पहले कृषि और पशुपालन करने वाले ग्रामीण प्राय: हाथों में डंडे लेकर चलते थे। फागुनी उमंग में डंडों से ही संगीत की तरंग निकाल लेते थे। इस नृत्य का किसी जाति विशेष से कोई संबंध नहीं है। हां यह नृत्य केवल पुरुष ही करते हैं। इस नृत्य में तीव्र डंडा चालन जोखिम भरा होता है।

कुहकी के भी कई रूप

कुहकी नृत्य भी अनेक प्रकार का होता है। पहला छर्रा, तीन टेहरी, गोल छर्रा, समधीन भेंट और घुस। अभी बिरकोनी के सियान छर्रा और तीन टेहरी का प्रदर्शन करते हैं। होली के अवसर पर इसका आनंद लेने हजारों की भीड़ लगी होती है। गांव के बुधारू निषाद, शंभू साहू, भीम साहू, हेमलाल साहू, लक्ष्मण साहू, पुनीतराम साहू, दुजेंद्र साहू, बुधारू चक्रधारी, सुकालु निषाद, कुमार साहू बताते हैं कि 10 साल के उम्र से ही होली के अवसर पर कुहकी नृत्य करते आ रहे हैं।

ग्वालियर

कांग्रेस नेता के खिलाफ जनसुनवाई में पहुंची महिला नेत्री

ग्वालियर @ पत्रिका. कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा पर मंगलवार को उनकी ही पार्टी की महिला नेत्री ने गंभीर आरोप लगाए। जनसुनवाई में एसपी दफ्तर पहुंची महिला नेत्री का आरोप था कि पार्टी के वरिष्ठ नेता अपने कुछ समर्थकों के जरिए उनका चरित्र हनन कर रहे हैं। आरोप लगाए कि निकाय चुनाव के दौरान उनसे टिकट के बदले 10 लाख रुपए और घर आने के लिए दबाव बनाया गया था। उनके राजी न होने पर टिकट दूसरे को दे दी गई। महिला नेत्री ने सात दिन में कार्रवाई नहीं होने पर एसपी दफ्तर में आत्मदाह की चेतावनी दी। कांग्रेस नेता शर्मा ने इस शिकायत को गलत बताया। उन्होंने कहा, वे अनर्गल आरोपों की शिकायत संगठन में करेंगे।

न्यूज विंडो

पांच जिलों के एडीजे स्थानांतरित

जबलपुर @ पत्रिका. मप्र हाईकोर्ट ने अधीनस्थ न्यायालयों में पदस्थ पांच अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायाधीशों को स्थानांतरित किया है। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत के निर्देश पर रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह ने तबादला आदेश जारी किया। इसके नुसार अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश डा. मुकेश मलिक को रीवा से भोपाल, अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश यतेश सिसोदिया को कटनी से इंदौर, अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश कमलेश सनोडिया को इंदौर से महिदपुर उज्जैन, अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश प्रशांत शुक्ला को भोपाल से ग्वालियर और अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र सोनी को शाजापुर से इंदौर स्थानांतरित किया गया है।

संवेदनशील क्षेत्रों में सोशल मीडिया पर भी पुलिस की नजर

भोपाल @ पत्रिका. होली और रमजान को लेकर कानून व्यवस्था के मद्देनजर डीजीपी कैलाश मकवाना ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में आला अधिकारियों की बैठक बुलाई। बैठक में एडीजी- आईजी, पुलिस आयुक्त भोपाल एवं इंदौर,रेंज डीआईजी और सभी जिलों के पुलिस एसपी भी जुड़े। इस दौरान डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाने रखने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों से लेकर सोशल मीडिया तक निगरानी करने के लिए कहा गया है। डीजीपी ने रमजान जिलों में शांति समितियों की बैठकें करने के साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से धर्मगुरुओं से समय-समय पर संवाद करने के निर्देश दिए हैं।

निगम की संपत्ति चोरी, सदस्यों ने की जांच की मांग

इंदौर @ पत्रिका. बीआरटीएस हटाने के हाई कोर्ट के फैसले की आड़ में नगर निगम संपत्ति की चोरी करने वाले एनएस पब्लिसिटी के खिलाफ मेयर इन कौंसिल (एमआइसी) सदस्य और नगर निगम राजस्व समिति प्रभारी निरंजन सिंह चौहान(गुड्डू) ने मोर्चा खोल दिया है। बीआरटीएस पर लगे कियोस्क और होर्डिंग्स को निगम संपत्ति बताते हुए उन्होंने इसकी जब्ती करने और इसे ले जाने पर एनएस पब्लिसिटी के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने की मांग की है। हाई कोर्ट से फैसला आने के दो दिन बाद ही एनएस पब्लिसिटी ने यहां लगे कियोस्क गायब होने लगे थे।

विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन घमासान, मंत्रियों को देने पड़े जवाब

नर्सिंग घोटाला; आंगनबाड़ी में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी पर हंगामा

राज्यपाल के अभिभाषण पर 1076 संशोधन प्रस्ताव मिले, कई को किया खारिज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर मंगलवार को हुई चर्चा हंगामेदार रही। विपक्ष ने आरोप लगाए कि 6 साल में एक भी नर्सिंग छात्राओं को डिग्री नहीं मिली, ऐसा सरकार के पाप के कारण हुआ। आंगनबाड़ियों में भ्रष्टाचार की हदें पार कर एक बड़ा चम्मच 1300 में खरीदा। परीक्षाओं में फर्जीवाड़ा हुआ, जिसके कारण युवाओं को रोजगार नहीं मिला। विधायकों को विकास के लिए 15 करोड़ रुपए देने का वादा किया, लेकिन 1 करोड़ भी नहीं दिए। सत्ता पक्ष ने कहा कि विकास के कई आयाम गढ़े जा रहे हैं, विपक्ष इस बात को पचा नहीं पा रहा, इसलिए विरोध कर रहा। राज्यपाल के अभिभाषण पर 1076 संशोधन प्रस्ताव मिले, जिसमें कई खारिज किए गए। सत्तापक्ष की ओर से सदस्य अर्चना चिटनीस ने कहा मेडिकल कॉलेज की संख्या 25 से अधिक हो गई। गेहूं के 2600 रुपए दे रहे, धान पैदा करने वालों को प्रति हेक्टेयर 4 हजार मिलेंगे। विपक्ष ने आपत्ति ली तो मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाकर 30 कर दी। जिस पर हंगामा और बढ़ गया। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि इस तरह टोका-टोकी नहीं चलेगी।

बजट टीम के साथ मंथन

बुधवार को बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्त विभाग के अफसरों के साथ प्री बजट बैठक की।

सदन से गायब रहे अफसर, विपक्ष ने किया वॉक आउट

बजट सत्र के दूसरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अधिकारियों की गैर मौजूदगी को लेकर घमासान हुआ। तकरार इतनी बढ़ी की विपक्ष ने वॉक आउट कर दिया। नारेबाजी करते हुए सरकार पर अधिकारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। दरअसल, विधायक अभय मिश्रा राज्यपाल के अभिभाषण पर बोल रहे थे। तभी नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि अभिभाषण के लिए कोई अधिकारी नहीं है। जबकि हर विभाग का प्रमुख सचिव होना चाहिए। उन्होंने आसंदी से व्यवस्था करने की मांग की।

सरकार के दो वरिष्ठ मंत्रियों ने दिया जवाब

सदन में उठे इन आरोपों पर मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा, सीएम और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पत्र देकर गए हैं। उनकी जिम्मेदारी मैं संभाल रहा हूं। उसके बाद राकेश सिंह ने कहा कि अधिकारियों पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। साथ ही कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के प्रश्न गायब कर देने के आरोपों पर राकेश सिंह ने कहा कि यह बोलकर पूरी संसदीय प्रणाली पर आरोप लगाया जा रहा है।

सरकार तय करे अफसरों की जवाबदेही

वॉकआउट के दौरान मीडिया से नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि जब राज्यपाल आए तब सब अधिकारी मौजूद रहे। लेकिन बाद में विधायक बैठे हैं लेकिन अधिकारी गायब है। अधिकारियों की कोई जवाबदेही नहीं बनती है। सरकार को अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए। क्या अधिकारी शासन का अंग नहीं है। जितनी जवाबदारी मंत्री की है उतनी ही जवाबदारी अधिकारियों की भी है।

बेरोजगारी दर कम बताने पर बिफरा विपक्ष

राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए भाजपा विधायक शैलेंद्र कुमार जैन कह दिया कि मप्र में बेरोजगार दर सबसे कम है। युवाओं के लिए कई स्तर पर काम किए जा रहे है। इस पर विपक्ष की ओर से बाला बच्चन, भंवर सिंह व अभय मिश्रा ने कहा कि कम से कम युवाओं से जुड़े मामले में तो असत्य न बोले।

मंत्री प्रहलाद-जयवर्धन की टिप्पणी पर भड़के

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि सरकार ने सत्तापक्ष के विधायकों को 15-15 करोड़ देने का भरोसा दिया। लेकिन अब तक 1 करोड़ भी नहीं मिले। इसी दौरान उनके द्वारा कहे गए एक शब्द पर हंगामा हो गया। मंत्री प्रहलाद पटेल ने आपत्ति दर्ज कराई। जिसके बाद उन्होंने शब्द वापस लिया।

3.50 लाख छात्राओं ने स्कूल छोड़ा

विपक्ष की ओर से जयवर्धन सिंह ने 3.50 लाख छात्राओं द्वारा स्कूल छोड़ने, सिंगरौली समेत प्रदेश भर में आंगनबाड़ियों में भ्रष्टाचार, 70 हजार स्कूलों में शिक्षक नहीं होने, नर्सिंग परीक्षाओं पर गंभीर आरोप लगाए। जिस पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि गुमराह न करें, जो परीक्षाएं करानी थी वे कराई हैं।

विधानसभा में गूंजा सौरभ शर्मा का मामला

विपक्ष ने कहा, दिल्ली में जिस तरह भाजपा ने शीशमहल के भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाया, उससे भी बड़ा मप्र का परिवहन घोटाला है, जिसमें सौरभ शर्मा व अन्य को गिरफ्तार किया। कार में 50 किलो से अधिक सोना व कैश भी मिला। यह छोटा मामला नहीं है, अब भाजपा को इसे भी मुद्दा बनाना चाहिए।

19 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट ऐसे होगा खर्च

सप्लीमेंट्री बजट में खास प्रावधान

- **4000:** बिजली सब्सिडी की विभिन्न योजनाओं के लिए।
- **235:** ऊर्जा विकास निधि।
- **2881:** नर्मदा घाटी विकास विभाग के तहत सिंचाई परियोजनाओं के लिए।
- **2845:** जल जीवन मिशन में नेशनल रूरल ड्रिलिंग वाटर मिशन।
- **2000:** खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग में ऋण योजना के लिए।
- **1076:** एमएसएमई प्रोत्साहन व्यवसाय निवेश संवर्धन, सुविधा प्रदाय के लिए।
- **1000:** सिंचाई परियोजनाओं।
- **800:** मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क एवं अन्य जिला मार्गों का निर्माण।
- **400:** वृहद पुलों के निर्माण।
- **500:** भू-अर्जन में मुआवजा भुगतान के लिए।
- **150:** शासकीय आवासों के अनुरक्षण के लिए।
- **276:** निवेश प्रोत्साहन योजना।
- **600:** श्रम विभाग के अंतर्गत संबल योजना के लिए।
- **380:** पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक छात्रों के लिए छात्रवृत्ति।
- **170:** मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना के लिए।
- **124:** प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए।
- **83:** जनजातीय कार्य विभाग के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति।
- **50:** अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति।

(नोटः सभी राशि करोड़ रुपए में)

विधानसभा में कांग्रेस का अनोखा विरोध

पिटारे में नकली सांप लेकर पहुंचे विधायक, बोले- कुंडली मार कर बैठी है सरकार

नकली सांप दिखाते उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे व अन्य।

सिंचाई की कमी से खराब फसलों को लेकर पहुंचे कांग्रेस विधायक।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन कांग्रेसी विधायकों ने विधानसभा में अनोखा प्रदर्शन किया। विधानसभा परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष उन्होंने विरोध प्रदर्शन भी किया। मंगलवार को विपक्षी विधायक पिटारे में नकली सांप लेकर पहुंचे, जहां उन्होंने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सांप की तरह कुंडली मारकर बैठने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि युवाओं के रोजगार पर सरकार सांप की तरह कुंडली मार कर बैठ चुकी है। प्रदेश में लगभग हर विभाग में पद रिक्त है।

प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों से झड़प

केवलारी से कांग्रेस पार्टी के विधायक रजनीश सिंह गेहूं की बालियां लेकर विधानसभा पहुंचे। जहां उन्होंने गेट पर ही सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया। लेकिन रजनीश सिंह बालियों को सदन में ले जाने पर अड़े रहे। इस दौरान विधायक और सुरक्षाकर्मियों के बीच झूमाझटकी भी हुई। लेकिन बाद में विधायक को बगैर बालियां लिए ही प्रवेश करना पड़ा। रजनीश सिंह ने कहा कि हमारे क्षेत्र में पानी की समस्या है।

भाजपा विधायक विश्नोई का आरोप, धान उपार्जन में भारी अनियमितताएं

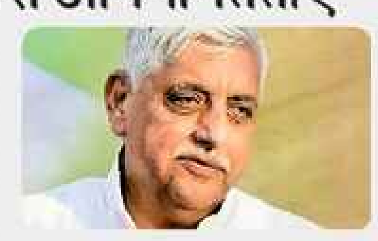

भोपाल @ पत्रिका. भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने मंगलवार को ध्यानकर्षण के दौरान सीधे तौर पर आरोप लगा दिया कि जबलपुर जिले में धान उपार्जन में भारी अनियमितताएं और घोटाले हो रहे हैं। उन्होंने कहा, सहकारी समितियों के कर्मचारी विभाग की मिली भगत से उपार्जन केन्द्र में बिना धान जमा किए हुए सरकारी खाते से करोड़ों रुपए निकालने में सफल हो गए हैं। किसानों को भुगतान के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं।

सदन में गलत जानकारी देने पर भड़के विधायक

नींव खोदी नहीं और बता रहे बनकर तैयार हो गया भवन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रश्नकाल के दौरान विधायक कमलेश्वर डोडियार ने आरोप लगा दिया कि सदन में मंत्री गलत जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर की ओर मुखाबित होते हुए कहा कि उन्हें उत्तर दिया गया है कि आमलीपारा ग्राम पंचायत बाजना जनपद में ग्राम पंचायत का पूरा भवन बनकर तैयार हो गया है, जबकि अभी वहां भवन के लिए केवल नींव ही खोदी गई है। इस पर पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि सभी जानकारी ऑनलाइन है। यदि विधायक को लगता है कि मैंने गलत जानकारी दी है तो मेरे खिलाफ विशेषाधिकार हनन के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन संसदीय पम्पराओं के तहत हमें ऐसे शब्दों से बचना चाहिए।

वहीं ऊर्जा मंत्री ने एक सवाल पर कहा कि आरोप लगाना आसान है। संबंधित विधायक कुछ कहना चाहते हैं तो टेबल पर बैठें, बताएं कि किन पॉइंट पर लाइट कम मिल रही हैं। सिर्फ राजनीतिक हो-हल्ला मचाना ठीक नहीं है।

इन सवालों पर भी गहमागहमी

पेसा एक्टः विधायक सेना पटेल ने पेसा एक्ट के क्रियान्वयन को लेकर सवाल किया। उन्होंने पूछा कि अलीराजपुर, धार, झाबुआ, बड़वानी और खरगोन में कितनी ग्राम सभाओं का गठन हो चुका है। इस पर पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि अलीराजपुर में 537, झाबुआ में 771, धार में 1329, बड़वानी में 683, खरगोन में 713, ग्राम सभाओं का गठन किया है।

खेल को प्रोत्साहनः प्रश्नकाल के दौरान सदन में विधायक कंचन तन्वे, सोहनलाल बाल्मिक और प्रदीप लारिया ने खेलों को लेकर सवाल किया। इस पर सीएम ने कहा, हमारी सरकार खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने पंचायत, नगरीय क्षेत्रों में आयोजित खेल गतिविधियों में समन्वय किया जाएगा।

फर्जीवाड़ा: प्रबंधन ने कहा द्वेषपूर्ण शिकायत की

नेहरू कैंसर अस्पताल समिति ने ईओडब्ल्यू को भेजा 500 पन्ने का लिखित जवाब

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के गड़बड़झाले के आरोपों पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की जांच जारी है। मंगलवार को अस्पताल के सदस्यों ने ईओडब्ल्यू को करीब 500 पन्नों का लिखित जवाब दिया। यह जवाब संचालन समिति की सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष दिव्या पाराषर, शैल कंपनियों के निदेशक रहे आइबी मिश्रा और डायरेक्टर किसलय शर्मा ने दिया। वहीं समिति की सदस्य दुर्गेश मालवीय ने जवाब के लिए बुधवार तक का समय मांगा है।

समिति ने खुद पर लगे आरोपों पर सफाई देते हुए कहा, कि आर्थिक गड़बड़ियों में सीए सहित अन्य को नौकरी से निकाला गया था। इसके कारण द्वेषभावना से उनके खिलाफ ऐसी शिकायत की गई है।

नि:शुल्क इलाज की मांगी जानकारी

शिकायत में आरोप हैं कि सरकारी खर्चे पर अस्पताल में 7.5 करोड़ रुपए की आधुनिक कोबाल्ट मशीन लगाई गई थी। इस मशीन से 40% गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज होना था। इसका पालन नहीं हुआ। इन आरोपों की जांच को लेकर अब ईओडब्ल्यू की टीम ने पिछले पांच साल के मरीजों के ईलाज की पूरी जानकारी और मरीजों के एंट्री का रजिस्टर मांगा है।

हाईकोर्ट में सुनवाई आज, पांच साल बाद भी नहीं बना लैब भवन

ग्वालियर व भिंड कलेक्टर ने मांगी माफी, कोर्ट के आदेश पर राशि का भुगतान हुआ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर. हाईकोर्ट की एकल पीठ ने ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान व भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को अवमानना केस में माफ कर दिया। ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुईं। उन्होंने कहा कि आदेश का पालन हो गया है। याचिकाकर्ता के 17.61 लाख रुपए जमा कर दिए हैं। कोर्ट के आदेश की अवमानना का उद्देश्य नहीं था। इसके बाद भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव भी उपस्थित हुए। उन्होंने भी माफी मांगते हुए पालन प्रतिवेदन रिपोर्ट पेश की। आदेश का पालन हो गया है। ज्ञात है कि कोर्ट ने दोनों कलेक्टर को अलग-अलग मामले में अवमानना का दोषी मानते हुए दंड पर सुनवाई के लिए बुलाया था। दंड पर सुनवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में उपस्थित हुईं। उन्होंने बताया कि आदेश का पालन हो गया है। कोर्ट ने कार्रवाई को वापस ले लिया।

कोर्ट ने नाराजगी जताकर लगाई थी फटकार

सुभाष सिंह भदौरिया ने अपने वेतन का बकाया लेने के लिए हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की है। बकाया राशि के लिए आरआरसी जारी हो चुकी है। बावजूद इसके पैसा नहीं दिया गया। हाईकोर्ट ने भिंड कलेक्टर को फटकार लगाते हुए अवमानना का दोषी माना था। मंगलवार को न्यायालय में उपस्थित रहने का आदेश दिया था। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि क्या ऐसे अधिकारी फील्ड में रहना चाहिए या नहीं। मुख्य सचिव को यह तय करना था।

2018 में आदेश के बाद भी नहीं किया भुगतान

दरअसल रामकुमार गुप्ता को पीडब्ल्यूडी में उपयंत्री के पद पर वर्गीकृत किया गया था। इसके बाद वेतन की राशि का भुगतान नहीं होने पर लेबर कोर्ट ने 17 लाख 61 हजार रुपए की आरआरसी (रेवेन्यू रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी कर दी, लेकिन विभाग ने राशि का भुगतान नहीं किया। इसको लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने 2018 में आरआरसी पालन का आदेश दिया, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर अवमानना याचिका भी दायर की गई। सात साल बीत गए। कोर्ट ने कलेक्टर रुचिका चौहान को अवमानना का दोषी मानते हुए कहा कि अधिकारी खुद को राजा मानते हैं और जनता का काम नहीं करते।

ट्रेंडिंग न्यूज

यूका कचरा

आखिरी ट्रायल के पहले 6570 किलो कचरा भस्म

पीथमपुर. यूनियन कार्बाइड (यूका) के रासायनिक कचरे का आखिरी ट्रायल रन जारी है। सोमवार को सुबह 7.41 बजे ब्लैक रन से प्रक्रिया शुरू की गई थी। वहीं, शाम करीब 7.40 बजे कचरा दहन शुरू किया था। आखिरी ट्रायल रन में 270 किलो प्रति घंटे की दर से अपशिष्ट का दहन हो रहा है।

विरोध प्रदर्शन

मंत्री प्रहलाद के घर युकां नेताओं ने किया घेराव

जबलपुर. मंत्री प्रहलाद पटेल के भीख वाले बयान का बवाल कम नहीं हो रहा है। मंगलवार को युवा कांग्रेस ने जबलपुर स्थित मंत्री के घर का घेराव किया। प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि वे मंत्री से मजदूरों, युवाओं और गरीबों के लिए गरिमापूर्ण जीवन जीने की भीख मांगने आए हैं।

पहल

प्रदेश में पानी बचाने लागू होगा 'इंदौर मॉडल'

इंदौर. प्रदेशभर में इस बार बारिश के पानी को बचाने के लिए काम किया जाएगा। 'इंदौर मॉडल' को आदर्श मानकर यह काम होगा। भारत सरकार से मिले पत्र के बाद प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण के लिए बेहतर काम करने वाली नगर निगम और नगरीय निकायों को अलग अलग कैटेगरी में कुल 50 करोड़ रुपए राशि प्रोत्साहन के तौर पर देने की घोषणा भी की है।

साक्षात्कार

उज्जैन पहुंचे लेक मैन ऑफ इंडिया आनंद मल्लिगावड, कहा-

'99 प्रतिशत तालाबों पर अतिक्रमण, सरकारें गंभीर नहीं'

आशीष एस. सक्सेना
patrika.com

उज्जैन. लेक मैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध युवा पर्यावरणप्रेमी आनंद मल्लिगावड ने नौ वर्ष में 35 झीलों का प्राकृतिक विकास किया है। जो झील कभी अतिक्रमण और कचरे से पटी रहती थीं, वहां रोज हजारों मॉर्निंग वॉकर्स और पर्यटक पहुंच रहे हैं। सरकार की मदद के बिना उन्होंने जलराशि को बचाने के लिए क्रांति की है। तालाब-झीलों के संरक्षण और इनके प्राकृतिक विकास के उद्देश्य से जनजागरण के लिए उज्जैन लेक मैन ऑफ इंडिया ने पत्रिका से विशेष चर्चा में अपने अनुभव साझा किए।

सवाल : लेक मैन ऑफ इंडिया, यह बदलाव कैसे हुआ?

जवाब : मैं बेंगलूरु में एक कंपनी में था। वर्ष 2016 में एक अखबार में पढ़ा कि कैपटाउन के बाद बेंगलूरु जीरो वाटर सिटी बन जाएगा। इस मेट्रो सिटी में देश-दुनिया से लोग पढ़ने-नौकरी करने आते हैं, यदि वह जीरो वाटर हो गया तो क्या होगा? यही सोचकर एक पहल की। 2017 में पहली झील का विकास किया। 2018 में फिर एक झील, 2019 में दो झील का पुनरुत्थान किया। नौकरी छोड़ी और इसी कार्य में लग नौ साल में हम 35 झील विकसित किए।

सवाल : पहली झील के लिए कैसे शुरुआत की?

जवाब : सरकार से कोओर्डिनेट किया लेकिन उनकी रुचि कम थी। जो काम 10-20 करोड़ में होता है, वह हम एक करोड रुपए से कम में करने का प्रस्ताव दे रहे थे। सरकार को सस्टेनेबिलिटी पर संशय था। लगा कि इसे जन आंदोलन बनाना पड़ेगा। इसके लिए कम खर्च और कम समय वाली पद्धति अपनाना होगी। मैंने 95 लाख से 45 दिन में 36 एकड़ क्षेत्र की झील का विकास किया।

सवाल : देश में तालाबों की स्थिति क्या है?

जवाब : बेंगलूरु की ही बात करें तो 99 प्रतिशत तालाब अतिक्रमण की जद में हैं। इन पर 10-15 प्रतिशत तक कब्जा है। देशभर के तालाबों की यही स्थिति है। आधे पर अतिक्रमण सरकार ने ही सडक, एसटीपी आदि बनाकर कर लिया। तालाबों के जीर्णोद्धार में अतिक्रमण सबसे बड़ी चुनौती है। सरकारें पानी के प्रति इतनी गंभीर नहीं है।

सवाल : अतिक्रमण की चुनौती से कैसे सामना किया?

जवाब : तालाब की जितनी खाली जमीन थी, लोगों की मदद से उसे कब्जे में लिया। जितना अतिक्रमण हटवा सकते थे, हटवाया। कानून की मदद भी ली। कुछ अतिक्रमण नहीं हट पाए। 35 तालाब में से अब तक 92 एकड़ कब्जा हटाया है। अब भी 10-20 एकड़ क्षेत्र पर अतिक्रमण नहीं हटा पाए। 90% कब्जा पब्लिक की मदद से हटाया है, सरकार की मदद से नहीं।

हाईकोर्ट में सुनवाई आज, पांच साल बाद भी नहीं बना लैब भवन

मिलावट में आगे ग्वालियर-चंबल, रिपोर्ट की लेटलतीफी के चलते बच रहे माफिया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर. फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैब (खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला) का काम सुस्त गति से चल रहा है। साढ़े पांच साल में सिर्फ लैब की दीवार ही खड़ी हो सकी है। ग्वालियर-चंबल संभाग से लिए गए सैंपल भोपाल लैब के भरोसे हैं। भोपाल से रिपोर्ट छह महीने से एक साल के भीतर आती है, जिसका फायदा मिलावट माफिया को मिल रहा है। सैंपल रिपोर्ट में हुई देरी का हवाला माफिया न्यायालय में दे रहे हैं और जुर्माना व बड़ी सजा से बच रहे हैं। लैब का सिविल वर्क पूरा करने के लिए ढाई करोड़ रुपए के फंड की जरूरत है, लेकिन प्रदेश सरकार ढाई करोड़ रुपए उपलब्ध नहीं करा पा रही। वहीं दूसरी ओर हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर बुधवार 12 मार्च को खाद्य एवं सुरक्षा आयुक्त को हाईकोर्ट के सामने उपस्थिति होना है।

भोपाल से एक साल में आती है रिपोर्ट

- प्रदेश के सभी जिले भोपाल लैब के भरोसे हैं। यहां एक साल में 6 हजार जांच होती है।
- ग्वालियर-चंबल से सबसे अधिक सैंपल पहुंचते हैं। कई जांच रिपोर्ट तो एक साल बाद पहुंचती है।
- नियमानुसार रिपोर्ट 14 दिन में देनी चाहिए। देर का आधार बता मिलावटखोर न्यायालय में जुर्माने की कार्रवाई को चुनौती देते हैं।

राजस्थान पत्रिका
patrika.com
नई दिल्ली, बुधवार, 12 मार्च, 2025

परिवार

होली HAPPY HOLI

डॉ. सुरभि त्रिपाठी
हिंदी विभाग,
इलाहाबाद विवि
@patrika.com

परंपरागत रूप से भारतीय समाज में विभिन्न जातियों के बीच भले ही दूरी बनी रहे, लेकिन होली एक ऐसा अवसर है जब सभी जाति-समूह आपसी भेदभाव भूलकर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। होली के रंग वास्तव में सामाजिक सौहार्द और भाईचारे के प्रतीक हैं। होली का मूल तत्त्व - आपसी प्रेम, भेदभाव का विघटन और समाज में सामूहिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। वहीं होलिका दहन अधर्म की पराजय और सद्भावना की स्थापना का प्रतीक है।

बिखेरें रंग, संवारें घर परिवार और समाज

होली है... हुड़दंग नहीं

भारत ऐसा देश है, जहां त्योहार आनंद और उत्सव का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और मानवीय मूल्यों के प्रतीक हैं। इनमें होली विशेष स्थान रखती है। यह न केवल रंगों और उल्लास का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, जातीय समन्वय और आध्यात्मिक चेतना का भी परिचायक है। यह भारतीय समाज की उस विशिष्टता को दर्शाता है, जिसमें विविधता में एकता की भावना निहित है। अनेक सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद होली का मूल तत्त्व-आपसी प्रेम, भेदभाव का विघटन और समाज में सामूहिक सौहार्द को बढ़ावा देना है।

अधर्म की पराजय और सद्भाव की स्थापना

होली के संबंध में अनेक धार्मिक कथाएं प्रह्लाद और होलिका की कथा, श्रीकृष्ण और राधा की रंगोत्सव परंपरा एवं कामदेव के पुनरुत्थान की कथा प्रचलित है। हिरण्यकशिपु और प्रह्लाद की कथा दर्शाती है कि समाज में जब अत्याचार और अहंकार बढ़ जाता है, तब नैतिकता और धार्मिक आस्था उसके प्रतिरोध में खड़ी होती है। होलिका दहन अधर्म की पराजय का प्रतीक है।

संतुलित प्रेम से समाज में स्थिरता

श्रीकृष्ण और राधा के बीच रंग खेलने की परंपरा से जुड़े प्रसंगों के जरिए होली महिला-पुरुष के मध्य समानता, हंसी-मजाक और आत्मीयता का संदेश देती है। दक्षिण भारत में होली को शिव और कामदेव की कथा से जोड़ा जाता है। यह बताता है कि त्याग और तपस्या से संतुलित प्रेम ही समाज की स्थिरता का आधार है।

सशक्तीकरण का प्रतीक

होली महिलाओं के लिए केवल एक पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि सशक्तीकरण और समानता का प्रतीक भी है। बरसाना और नंदगांव की लठमार होली में महिलाएं पुरुषों को रंग और लाठी से चिढ़ाती हैं, जिससे यह संदेश जाता है कि समाज में महिलाओं की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि केंद्रीय भी है। महिलाएं होली के आयोजन की महत्त्वपूर्ण धुरी होती हैं।

माना जाता है सामुदायिक पर्व

यह उन त्योहारों में से है, जो सामूहिकता की भावना को प्रबल करते हैं, क्योंकि होली एक ऐसा त्योहार है जिसे अकेले नहीं मनाया जा सकता। यह रंगों का पर्व है, और रंग हर व्यक्ति के भीतर और बाहर मिलकर एक संगठित समुदाय का निर्माण करते हैं। इस पर्व में हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति, वर्ग का हो, समान रूप से रंगों में रंग जाता है।

हर रंग देता है संदेश

लाल रंग प्रेम और ऊर्जा का प्रतीक है जो बताता है कि समाज में सद्भाव और उल्लास बनाए रखना जरूरी है। हरा रंग उर्वरता और समृद्धि का प्रतीक है, जो खुशहाली का संदेश देता है। नीला रंग सिखाता है कि हमारी सोच संकीर्ण नहीं, विस्तृत होनी चाहिए। पीला रंग ज्ञान और बुद्धि का प्रतीक है। ये रंग आपस में घुल-मिल कर संदेश देते हैं कि समाज में हर व्यक्ति की अपनी भूमिका है, सभी को मिलकर रहना चाहिए।

समाज में लिंग समानता को बढ़ावा

होली के अवसर पर लोक-नाट्य एवं हास्य-व्यंग्य की परंपरा महत्त्वपूर्ण है। विशेष रूप से फाग उत्सव और कवियों की होली समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार करने और स्वस्थ हास्य-विनोद को बढ़ावा देने का कार्य करती हैं। इनके माध्यम से समाज की समस्याओं, विसंगतियों और असमानताओं पर बिना किसी भय के बात की जाती है।

रिश्तों को मजबूत करने का जरिया

आधुनिक समय में जहां परिवारों में दूरी और व्यस्तता बढ़ रही है, होली जैसे पर्व उन्हें एक साथ लाने का कार्य करते हैं। यह केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि एक ऐसा समय है जब परिवार एकजुट होकर एक साथ अच्छे समय का आनंद लेता है और अपने संबंधों को और प्रगाढ़ करता है।

परिवार पकौड़ा @हॉट टॉपिक

नकारात्मकता से रहें दूर

पिछले सप्ताह का सवाल था कि **होली के रंग हमें क्या संदेश देते हैं?** *अधिकतर पाठकों का कहना है होली का त्योहार और इसके रंग हमें भाईचारे के साथ सकारात्मक रहने का संदेश देते हैं।*

एकता का देते हैं संदेश

होली के रंग हमें एकता और समरसता का संदेश देते हैं। सभी लोग मिलकर रंग खेलते हैं, जो हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। यह प्रेम और स्नेह का संदेश भी देते हैं।

कन्हैया लाल, बीकानेर

प्रेम का संदेश देता है होली पर्व

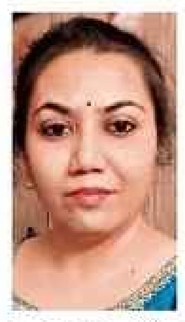

होली के रंगों की शक्ति से हमें न केवल आनंद बल्कि भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर मिलता है। लोग गिले शिकवे भूलकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हैं।

सुरभि, अजमेर

खुद को बनाएं इंसान

होली का त्योहार हमें संदेश देता है कि हम खुद की बुराई मिटाकर खुद को इंसान बनाएं। होलिका की आग में अपने नकारात्मक विचारों को जलाएं और समाज में सभी के साथ प्रेम और भाईचारे के साथ रहें।

छगन लाल व्यास, बालोतरा

परिवार पकौड़ा का इस हफ्ते का सवाल है। **महिलाओं की प्रगति की राह में महिलाएं खुद बड़ी बाधक हैं?** *अपनी राय हमें* **9057531688** *नंबर पर अपने फोटोग्राफ के साथ साझा करें।*

होली त्योहार 1, संदेश 4

***होली** सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि जीवन के चार महत्त्वपूर्ण स्तंभों का प्रतीक भी है। अगर हम HOLI को गहराई से समझें, तो चार बड़े जीवन मूल्यों की सीख हमें मिलती है...*

- **H ARMONY** (सामंजस्य)
- **O OPTIMISM** (आशावाद)
- **L OVE** (प्रेम)
- **I INTEGRITY** (ईमानदारी)

इन शब्दों के माध्यम से होली का असली अर्थ समझते हैं और जानते हैं कि होली जीने का सही तरीका कैसे सिखाती है।

मिल-जुलकर रहना सीखें

होली का सबसे बड़ा संदेश एकता और सौहार्द (Harmony) का है। इस दिन सभी लोग जाति, धर्म, ऊंच-नीच को भूलकर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि यदि हम जीवन में सामंजस्य बनाए रखें, तो हर रिश्ता मजबूत होता है।

इसलिए जरूरी है सामंजस्य: परिवार और समाज में शांति बनाए रखने के लिए। कार्यस्थल पर अच्छे रिश्ते बनाने के लिए। जीवन में सकारात्मक रहने के लिए।

हर परिस्थिति में सकारात्मक रहें

होली हमें सिखाती है कि कठिनाइयां आने पर भी हमेशा आशावादी (Optimism) रहना चाहिए। फाल्गुन में यह त्योहार तब आता है जब प्रकृति नवजीवन का स्वागत करती है। इसी तरह, हमें भी जीवन में बदलाव को स्वीकार करना चाहिए।

आशावाद क्यों जरूरी है?: हर मुश्किल में समाधान ढूंढने की ताकत देता है। सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास बढ़ाता है। जीवन खुशहाल बनाता है।

प्यार ही सच्ची खुशी

होली प्रेम और भाईचारे का पर्व है। इस दिन न कोई छोटा होता है, न बड़ा, न अमीर, न गरीब–सभी एक-दूसरे पर रंग डालते हैं और समानता का संदेश देते हैं। यह हमें सिखाता है कि जीवन में प्रेम सबसे महत्त्वपूर्ण चीज है, क्योंकि प्यार से ही दुनिया सुंदर बनती है।

प्रेम क्यों जरूरी है?: रिश्तों को मजबूत बनाता है। मानसिक और भावनात्मक शांति देता है। समाज में शांति और सद्भावना बनाए रखता है। रंग तो कुछ समय बाद धुल जाते हैं, लेकिन प्यार और अपनापन जीवनभर याद रहता है।

सच्चाई सबसे बड़ी ताकत

होली का एक संदेश ईमानदारी (Integrity) का भी है। यह त्योहार हमें बताता है कि सच्चाई और ईमानदारी ही इंसान की सबसे बड़ी पूंजी होती है।

इसलिए जरूरी है ईमानदारी: विश्वास और सम्मान दिलाती है। मानसिक शांति और आत्म-संतोष देती है।

होली का सबक: जिस तरह 'होलिका दहन' के माध्यम से बुराई को जलाकर खत्म किया जाता है, वैसे ही हमें नकारात्मकता से दूर रहना चाहिए।

होली खेलनी है...

घर पर बनाएं हर्बल गुलाल

होली आने वाली है... इस दिन सभी एक दूसरे को गुलाल लगाते हैं, लेकिन यह भी सच है कि मार्केट में मिलने वाले गुलाल में केमिकल मिलाया जाता है। जिससे हमारी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। तो क्यों न घर पर ही हर्बल गुलाल तैयार किया जाए...

सामग्री : 1 किलो अरारोट, 1 टेबल स्पून हल्दी,1 चुकंदर, थोड़ा सा पालक या फूड कलर जो रंग आप चाहें और पानी।

ऐसे बनाएं: चुकंदर को छीलकर धोएं और मिक्सी में पानी के साथ प्यूरी बनाकर उसे छान लें। अब इसी तरीके से पालक की प्यूरी बनाएं। एक कटोरी में एक चम्मच हल्दी में पानी डाल कर घोल बनाएं। अब अरारोट को तीन बराबर हिस्सों में बांटें। चुकंदर वाले पानी में अरारोट डाल कर मिक्स करें। अरारोट का रंग गुलाबी हो जाएगा। इसे प्लेट में डालकर धूप में सूखने दें। इसी प्रकार पालक के पानी व हल्दी के पानी में भी अरारोट डालकर धूप में सुखा लें। जब तीनों कलर सूख जाएं, तब उन्हें मिक्सी में डालकर पाउडर बना लें। हर्बल रंग तैयार है।

इलू महर्षि
@patrika.com

घर पर आसानी से छुड़ाएं रंगों के दाग

***रं**गों से त्वचा पर हो रहे दाग-धब्बों को छुड़ाने के लिए प्राकृतिक तत्वों का इस्तेमाल न केवल प्रभावी होता है, बल्कि यह हमारी त्वचा के लिए सुरक्षित होते हैं। खीरा, मूली, नींबू और जिंक ऑक्साइड जैसी घरेलू चीजों से आप आसानी से अपने चेहरे और शरीर पर लगे रंग को हटा सकते हैं।*

1 **खीरे** का प्रयोग भी रंग छुड़ाने के लिए किया जाता रहा है। खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल और एक चम्मच सिरका मिलाकर पेस्ट तैयार करें, इससे मुंह धोएं। रंग भी छूट जाएगा और त्वचा में निखार भी आ जाएगा।

2 **मूली** का रस निकालकर उसमें दूध और बेसन या मैदा मिलाकर पेस्ट बनाएं। बिना परेशानी के त्वचा पर लगा रंग हट जाएगा।

3 **नींबू** और बेसन से भी आसानी से रंग छुड़ाया जा सकता है। बेसन में नींबू और दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपनी त्वचा पर लगाएं। पंद्रह-बीस मिनट तक पेस्ट लगा रहने दें। फिर धीरे-धीरे हटाएं। इसके बाद गुनगुने पानी से मुंह-हाथ धो डालें।

4 **दो** चम्मच जिंक ऑक्साइड और दो चम्मच कैस्टर ऑयल मिलाकर लेप बनाएं। इसे त्वचा पर लगाएं। थोड़ी देर बाद हल्के हाथों से रगड़कर चेहरा धो लें।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस- 15 मार्च

बिका हुआ माल नहीं होगा वापस तो न बैठें चुप, कर सकते हैं शिकायत

कई दुकानदार, बिका हुआ सामान वापस नहीं होगा लिखा बोर्ड अपनी दुकान में टांग कर रखते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुकानदार बेचे गए सामान को वापस लेने से इंकार नहीं कर सकता। क्योंकि आपको खराब सामान को वापस करने का अधिकार है। इसी तरह अगर कोई सामान उपभोक्ता की जरूरत से मेल नहीं खाता है, तो उसे भी जस का तस वापस करने का अधिकार उपभोक्ता के पास है।

अगर कोई दुकानदार रिटर्न या फिर रिप्लेस करने से इनकार करता हैं, तो आप उसकी शिकायत कंज्यूमर फोरम में कर सकते हैं। कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत कहा गया है कि अगर कोई सामान खराब है, तो 15 दिन के अंदर इसे वापस किया जा सकता है। ग्राहक खराब सामान के बदले पैसा रिफंड मांग सकता है या फिर रिप्लेस के लिए बोल सकता है।

कहां करें शिकायत

आप जिला उपभोक्ता फोरम, राज्य उपभोक्ता आयोग या राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कर सकते हैं। उपभोक्ता मामले मंत्रालय की वेबसाइट या उपभोक्ता हेल्पलाइन 1800-11-4000 पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

शॉर्ट रीड **22** फीसदी सालाना दर से बढ़ी पिछले पांच साल में कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या (नीति आयोग)

आनन्द के लिए शान्ति चाहिए। शान्तानन्द ही आनन्द रूप में स्थाई हो सकता है। इसी से व्यक्ति अपने अहम् भाव पर नियंत्रण कर सकता है, अपने आत्मस्वरूप में स्थापित हो सकता है तथा जीवन के हर क्षण की शान्ति के साथ आनन्द से जी सकता है।

आनन्द ही जीवन

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

सुख का आकलन भी आनन्द के आधार पर होता है और आनन्द के बिना सृष्टि भी नहीं हो सकती, अतः आनन्द में ही आनन्द है।

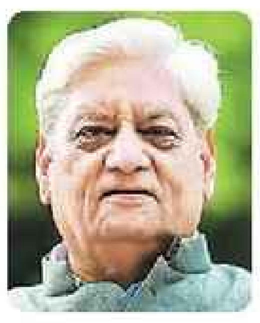

आनन्द के लिए सारा संसार लालायित रहता है। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने आनन्द को मूल में अव्यय पुरुष की प्रथम कला बताया है। उसके बाद विज्ञान, मन, प्राण और वाक्, इस अव्यय की अन्य कलाएं होती हैं। केन्द्रीभूत मन जब सृष्टि, अर्थात् प्राण और वाक् से विमुख होकर ऊर्ध्वगामी होता है, विज्ञान और आनन्द की ओर गति करता है, तो समझ लेना चाहिए कि वह ईश्वर प्राप्ति में लग गया।

आनन्द एक वस्तु है, शान्ति दूसरी। शान्ति के लिए 'शम' और 'दम', दो आवश्यक तत्त्व हैं। शमन रूप में 'शम' शान्ति का साधक तत्त्व है। दमन रूप 'दम' उसका हेतु बनता है। इन्द्रियदमन के बिना शमन की प्रवृत्ति नहीं हो सकती। इसी प्रकार बिना शमन के साम्यभाव आ ही नहीं सकता। व्यक्ति स्वयं को पिता और लड़के को पुत्र समझता रहेगा। उसका विभक्त-भाव बना ही रहेगा, जबकि वास्तविकता ढूंढने पर सारी इन्द्रियां, शरीर, मन, बुद्धि और अहंकार, जो-पिता में हैं, वही पुत्र में भी तो हैं। फिर, विषम-भाव कहां है? विषम-भाव तो यहां आरोपित है। इस विषम-भाव को पूर्णतया हटा देने के बाद ही शान्ति तत्त्व प्राप्त होता है। यही भाव आगे चलकर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के रूप में परिणत हो जाता है।

व्यवहार-जगत् में सारी क्रियाओं के मूल में भी आनन्द ही लक्ष्य बनता है। सुख का आकलन भी आनन्द के आधार पर होता है और आनन्द के बिना सृष्टि भी नहीं हो सकती, अतः आनन्द में ही आनन्द है। यह आनन्द दो प्रकार का होता है- एक समृद्धयानन्द और दूसरा शान्तानन्द। समृद्धयानन्द में तो 'ऋद्धि' शब्द से अर्थ समझ में आ जाता है। लौकिक, अलौकिक, सारा ऐश्वर्य उसमें भरा पड़ा है। अणिमा, महिमा, लघिमा, गरिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व, ये आठ ऐश्वर्य इसमें शामिल हैं। अति उत्कृष्ट सुख में खान-पान, यान, मकान आदि सब सुख-सुविधाएं लौकिक ऐश्वर्य में आती हैं।

अलौकिक समृद्धि धारण करना तो वैसे भी साधारण लौकिक व्यक्ति के सामर्थ्य के बाहर की बात है। उसे तो अवतार ही धारण कर सकते हैं, क्योंकि इस अलौकिक समृद्धि-भाव में ऋद्धियों के अलावा आठ प्रकार की सिद्धियां सम्मिलित होती हैं। इन सब ऋद्धियों और सिद्धियों को जीवन-पर्यन्त धारण करना तो किसी अवतार-पुरुष के लिए भी शायद सम्भव न हो। इसके उदाहरणस्वरूप पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान् श्रीकृष्ण ही माने जाते हैं। सम्पूर्ण जीवनकाल में वे समृद्धि की उछाल को प्रवृत्त करते रहे और अणिमा-महिमा आदि आठ ऐश्वर्यों को भी निरन्तर धारण करते रहे। साधारण मानव का तो परमभाग्यवान रूप ऋद्धिभाव मात्र लौकिकता तक ही सीमित रहता है।

आनन्द का दूसरा स्वरूप है, शान्तानन्द। समृद्धयानन्द कभी तरंगशून्य नहीं होता। मन की चञ्चलता भी बनी रहती है। सुख के प्रति जुड़ाव या राग का बना रहना भी अस्वाभाविक नहीं हो सकता। व्यक्ति सुखानुभूति में लिप्त भी हो सकता है। शान्तानन्द में तरंगें नहीं उठतीं। उदाहरणस्वरूप, यहां राम को इस कोटि का अवतार माना जा सकता है। राज्यारोपण के सन्देश में या कि तत्काल ही वनगमन के आदेश में राम की तटस्थता ही झलकती है। आवेग का वहां लेशमात्र भी संकेत नहीं मिलता। व्यवहार दशा में भी समृद्धयानन्द की परिणति शान्तानन्द में ही होती है। जैसे कि किसी व्यक्ति को सहसा करोड़ों की सम्पत्ति प्राप्त हो जाए तो समृद्धयानन्द उछाल पड़ता है। अपने कुटुम्बी एवं सहचरों को आमंत्रित करना, संगीत, गोष्ठियां, दिव्य भोजन आदि की व्यवस्था करना, बड़े उछाल के साथ होता है। इन पर लाखों रुपयों का व्यय किया जाता है।

यह उछाल-आयोजन हो जाने के अनन्तर जब सब विदा हो जाते हैं तो फिर पहले जैसा ही शान्त जीवन दिखाई देने लगता है। उत्सव भी नित्य नहीं होते। ये धन के साथ बने रहते हैं और उसके साथ ही विदा भी हो जाते हैं। समृद्धयानन्द फिर से शान्तानन्द में बदल जाता है। संसार के सारे सुखों में इसका अनुभव किया जा सकता है। अपार समृद्धि में निमग्न अनेक ऐसे धनपति दिखाई देंगे, जो सुख की तलाश में बेचैन रहते हैं। उनके पास धन, जन, सम्पत्ति सब कुछ होता है, केवल मन ही अशान्त रहता है। और, इस कमी से सब कुछ अर्थहीन हो जाता है। सुख में रहते हुए भी उन्हें आनन्द की अनुभूति नहीं हो पाती।

आनन्द के लिए शान्ति चाहिए। शान्तानन्द ही आनन्द रूप में स्थाई हो सकता है। इसी से व्यक्ति अपने अहम् भाव पर नियंत्रण कर सकता है, अपने आत्मस्वरूप में स्थापित हो सकता है तथा जीवन के हर क्षण की शान्ति के साथ आनन्द से जी सकता है।

gulabkothari@epatrika.com

काव्यांजलि...

प्रेम-रंग से रंग दो

अशोक आनन

वसन मन के कोरे हैं -
प्रेम-रंग से रंग दो।

कोरी रंग से रहे न -
रंग जाए मन-फरिया।
रंग घुल -घुल बहने लगे -
मन में सतरंगी दरिया।

प्रेम-गुलाल को मलकर
मन-बयार तुम रंग दो।

हुरियारे-से रंगकर-
फूल भी हुड़दंग करें।
नाच हवा के साथ वे -
धरती पर पांव न धरें।

इन्द्रधनुषी मेघों से-
आस्मां सारा रंग दो।

सृष्टि की हर रचना -
अब रंगों से रंगी दिखे।
रंग, रंग के पृष्ठ पर -
प्यार के नव छंद लिखें।

गीतों का यह संसार-
भाव-शिल्प से रंग दो।

मन के उजड़े बाग में-
कलियां प्यार की चटकें।
जिनके ऊपर मंडराकर-
मन भौंरों का भटकें।

तितलियों के पंखों-सी -
देह रंगीन रंग दो।

कहानी...

अगर होली सही तरीके से खेली जाए तो इसमें डरने जैसी कोई बात नहीं। उसने तय किया कि इस बार वह होली खेलेगा लेकिन नियमों के साथ-कोई जबरदस्ती नहीं, कोई गंदा पानी या खतरनाक रंग नहीं, सिर्फ गुलाल और हंसी-ठिठोली।

गौरव की होली

डॉ. अलका जैन 'आराधना'
@patrika.com

शिवम विहार कॉलोनी में होली की धूम मची हुई थी। हर तरफ गुलाल उड़ रहा था, बच्चे पिचकारियों से रंगों की बरसात कर रहे थे और बड़े-बुजुर्ग मिलकर हंसी-ठिठोली कर रहे थे। लेकिन इस धूमधड़ाके के बीच एक घर ऐसा भी था, जहां न कोई रंग था, न गुलाल। वह था गौरव का घर।

गौरव को होली से डर लगता था। डर बस यूं ही नहीं था, इसके पीछे ठोस वजह थी। पहली बार जब उसने होली खेली थी तब एक लड़के ने जबरदस्ती उसकी आंखों में गुलाल लगा दिया था जिससे उसकी आंखें घंटों तक जलती रहीं। दूसरी बार, किसी ने गुब्बारे में गंदा पानी भरकर उस पर फेंका था जिससे वह बीमार पड़ गया था। और तीसरी बार, जबरदस्ती रंग लगाने के चक्कर में एक दोस्त ने उसे इतनी जोर से खींचा कि वह गिरकर चोटिल हो गया। इन बुरी यादों के कारण उसने होली से हमेशा के लिए दूरी बना ली थी।

गौरव की कॉलोनी के दोस्त- आदित्य, रिया, साहिल, पाखी और अर्जुन इस बात को जानते थे कि बिना गौरव के होली अधूरी लगेगी। उन्होंने ठान लिया कि इस बार गौरव को किसी भी हाल में मना कर रहेंगे लेकिन जबरदस्ती नहीं करेंगे।

आदित्य सबसे तेज दिमाग वाला था। उसने एक योजना बनाई। उसने कहा- 'हम गौरव को बताएंगे कि होली सिर्फ रंग लगाने का त्योहार नहीं बल्कि हंसी-मजाक, मस्ती और दोस्ती का पर्व है। हमें उसे उसकी बुरी यादों से निकालकर इस त्योहार की असली खुशी दिखानी होगी।' 'पर कैसे?' पाखी ने पूछा।

साहिल ने जोश में कहा- 'इसके लिए हमें होली प्री-सेलिब्रेशन पार्टी करनी होगी!'

पूरी कॉलोनी में गौरव की स्पेशल होली की चर्चा होने लगी। बच्चों की इस नई स्टाइल वाली होली को देखकर बड़े भी प्रभावित हुए और इस बार सबने बिना जबरदस्ती के प्यार और खुशी से होली मनाई।

अगले दिन, सभी बच्चे गौरव के घर पहुंचे। उनके हाथ में रंग नहीं थे बल्कि कुछ टेस्टी पकवान थे- गुझिया, ठंडाई (बिना भांग वाली!), नमकीन और पापड़। 'अरे, ये सब क्या है?' गौरव ने चौंकते हुए पूछा।

अर्जुन बोला- 'होली मनाने आए हैं!' गौरव ने डरते हुए पूछा- 'पर मेरे बिना रंग कैसी होली?'

रिया ने मुस्कुराते हुए कहा- 'अरे होली सिर्फ रंग लगाने का नाम नहीं है। ये दोस्ती, हंसी-ठिठोली और साथ मिलकर खुशियां बांटने का पर्व है। पहले मस्ती करते हैं, फिर देखेंगे।' सभी बच्चों ने मिलकर खूब मजेदार गेम खेले। रिया ने 'रंगों की पहेली' नाम का एक गेम रखा जिसमें अलग-अलग रंगों के मतलब बताने थे। अर्जुन ने 'गुझिया चैलेंज' रखा जिसमें जिसे सबसे पहले सबसे ज्यादा गुझिया खानी थी।

गौरव को मजा आ रहा था लेकिन अभी भी रंगों से दूरी बनाए हुए था। तभी अर्जुन चिल्लाया, 'देखो, गौरव की छत पर भी रंग बिखरा है!'

गौरव ने देखा कि उसकी छत पर हल्का सा गुलाबी रंग उड़ रहा था, ये हवा में उड़ता गुलाल था जो नीचे से आ रहा था।

'अरे! मैं तो बिना रंग लगाए भी रंगीन हो गया!' गौरव हंस पड़ा।

'बस यही तो होली की खासियत है!' रिया बोली। 'रंग सिर्फ लगाने से नहीं, महसूस करने से भी चढ़ता है!'

गौरव को महसूस हुआ कि अगर होली सही तरीके से खेली जाए तो इसमें डरने जैसी कोई बात नहीं। उसने तय किया कि इस बार वह होली खेलेगा लेकिन अपने नियमों के साथ- कोई जबरदस्ती नहीं, कोई गंदा पानी या खतरनाक रंग नहीं, सिर्फ गुलाल और हंसी-ठिठोली। उसने गुलाल उठाया और सबसे पहले आदित्य के गालों पर हल्का सा लगाया। 'वाह! अब आई ना असली होली!' साहिल ने खुशी से नाचते हुए कहा।

इसके बाद तो पूरी कॉलोनी में गौरव की स्पेशल होली की चर्चा होने लगी। बच्चों की इस नई स्टाइल वाली होली को देखकर बड़े भी प्रभावित हुए और इस बार सबने बिना जबरदस्ती के प्यार और खुशी से होली मनाई।

दिल से...

अंत भला तो सब भला

बात 32 साल पुरानी है जब मैं 10वीं क्लास में थी। होली के बाद मेरा फिजिक्स का पेपर था, मेरे सभी रिश्तेदार घर पर होली खेलने के लिए आ रहे थे। थोड़ी देर तक तो मैं अपने कमरे में दरवाजा बंद कर पढ़ती रही लेकिन थोड़ी देर बाद सबकी मस्ती और शोर शराबा की आवाजें सुनकर मुझसे रहा ही नहीं गया और मैं भी उनके साथ होली खेलने लगी।

अचानक से किसी ने मेरे चेहरे पर रंग लगाया और मैं चिल्ला उठी। ऐसा लगा मानो किसी ने मेरी आंख में लाल मिर्च डाल दी। आंख जलन कर रही थी, खुल भी नहीं पा रही थी। कुछ देर बाद वो सूजकर लाल हो गई थी। शाम को डॉक्टर को दिखाने गई।

डॉक्टर ने कहा कि आपकी आंख में स्क्रैच आ गए हैं, इसे 10 दिन पट्टी बांध कर रखना होगा। सोचने लगी अब पढ़ाई कैसे करूंगी और पेपर कैसे दूंगी? पापा मम्मी ने समझाया कि पेपर देने जाओ जैसा बने वैसा करके आना। एक आंख पर पट्टी के साथ पेपर देने गई। पेपर बहुत अच्छा हुआ और मैं फर्स्ट डिवीजन पास हुई तब कहा- अंत भला तो सब भला।

- शोभा कटारे

अपने अनुभव साझा करें

हमारे साथ बांटिए रोचक अनुभव और प्रेरक प्रसंग। चयनित अनुभव को प्रकाशित किया जाएगा। आपकी रोचक याद या आपसे जुड़ा प्रेरक प्रसंग हमें 250 शब्दों में लिखकर वाट्सऐप या ईमेल करें।
parivar@epatrika.com

लघुकथा...

होली का मतलब

सुबह से लोग होली खेल रहे थे। अपनी बालकनी से सबको प्रेम से होली खेलता देख दस साल का गप्पू अचरज भरी निगाह से देख रहा था। वह भी घर से होली खेलने निकल पड़ा। गप्पू किसी से होली खेलने के लिए अपने हाथ में गुलाल के साथ गुझिया, पापड़ और चिप्स थैली लिए हुए था। उसकी मम्मी ने टोका तो बोला, मम्मी मैं कल्लू के लिए ले जा रहा हूं क्योंकि उसके मम्मी-पापा गंदगी साफ करते हैं और उसके साथ कोई होली नहीं मनाता। पूरा परिवार गप्पू की दरियादिली से स्तब्ध और खुश था। एक पुरानी टूटी-फूटी झोपड़ी में वह गया, वहां उसका हमउम्र लड़का फटे पुराने कपड़े पहने खड़ा था। उसकी छोटी बहन थोड़ी-सी गुलाल लिए खड़ी थी।

गप्पू को देख उसने डर कर हाथ बढ़ाया। वह गुलाल लगाना चाहती थी। गप्पू ने प्रेम से अपना चेहरा आगे झुका दिया। उसने पूरी गुलाल मुंह पर पोत दी। लड़की और लड़का दोनों हक्का-बक्का रह गए। दोनों को गप्पू ने गुलाल लगा कर गले लगाया। यह देख पूरा मोहल्ला खुश था कि ऐसी होली तो अब तक हुई ही नहीं थी। गप्पू ही नहीं पूरा मोहल्ला ही होली का मतलब समझ गया था।

- सूर्यदीप कुशवाहा

अटलांटिक महासागर को पार करने वाली महिला

अटलांटिक महासागर को अकेले पार किया

अनन्या प्रसाद

बेंगलूरु में जन्मी एडवेंचरर रोवर अनन्या प्रसाद ने अटलांटिक महासागर को अकेले पार करने वाली पहली अश्वेत महिला बनकर एक मिसाल कायम की है। इस 34 वर्षीय नौकायन खिलाड़ी ने यह यात्रा 52 दिन, 5 घंटे और 44 मिनट में पूरी की तथा विश्व प्रसिद्ध 'वर्ल्ड्स टफेस्ट रो रेस' की एकल श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

अनन्या की उपलब्धि उनकी दृढ़ता, साहस और जुनून का एक जीता जागता प्रमाण है। अनन्या पांच साल की उम्र में यूनाइटेड किंगडम चली गईं। उनके माता-पिता दोनों डॉक्टर थे। वह 2018 में अटलांटिक नौकायन प्रतियोगिता में शामिल हुईं। अनन्या ने 11 दिसंबर को अटलांटिक कैंपेन की दुनिया की सबसे कठिन रेस के हिस्से के रूप में अपनी यात्रा शुरू की। यह रेस उनके लिए है जो अकेले महासागर पार करने के लिए भारी शारीरिक और मानसिक परीक्षणों को सहन करने के लिए तैयार हैं।

लगभग दो महीनों में, अनन्या ने अटलांटिक के पार हजारों किलोमीटर की दूरी तय की। वह कहती हैं, 'यह बहुत ही दिलचस्प है कि मैंने 2024 का आखिरी दिन अटलांटिक के बीच में बिताया। मैंने प्रतिदिन औसतन 10-15 घंटे नौकायन किया, 3-4 घंटे आराम किया और पांच घंटे सोई और यह सब अप्रत्याशित मौसम की स्थिति से जूझते हुए किया।' समुद्री जीवों जैसे व्हेल, उड़ने वाली मछलियों को देखना उनके लिए एक नया अनुभव था। उनकी नाव की पतवार टूट गई। खुले समुद्र में गोता लगाना पड़ा। लेकिन अनन्या ने आगे बढ़ते हुए साबित कर दिया कि महानता हासिल करने के लिए डर कोई बाधा नहीं है।

माइंड गेम...

प्रह्लाद

प्रह्लाद से जुड़े कुछ तथ्यों को यहां दिया गया है। उनके बारे में जानकारी दीजिए। उत्तर अंत में हैं।

1. प्रह्लाद के दादा दादी का नाम
2. माता
3. हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष मिलकर हैं
4. विष्णु के द्वारपाल
5. प्रह्लाद किस जाति के थे
6. बलि कौन थे
7. अनुहलाद, संहलाद और हलाद
8. प्रह्लाद के गुरु
9. प्रह्लाद का वीर पुत्र
10. नरसिंह का क्रोध कैसे शांत हुआ
11. प्रह्लाद की पत्नी
12. रचना कौन थी
13. हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष में छोटी
14. हिरण्यकरण वन का राजा
15. हरदोई का कौन था

उत्तर: 1. महर्षि कश्यप और दिति 2.कयाधु 3.हिरण्य 4.जय, विजय 5.असुर 6 दानवीर पौत्र 7.प्रह्लाद के भाई 8.दत्तात्रेय, शंड, मार्क 9.विरोचन 10.अपना चर्म शिव को देकर प्राण दे दिए 11.धृति 12. बेटी 13.हिरण्याक्ष गर्भ में पहले रहा और हिरण्यकश्यप बाहर पहले आया, इसलिए हिरण्यकश्यप बड़ा 14. हिरण्यकश्यप 15. हिरण्यकश्यप।

बोधकथा

रंगों की पहचान

गांव में होली की तैयारियां ज़ोरों पर थीं। बच्चे, बड़े, महिलाएं- सब रंग-गुलाल, पकवान और उत्सव की उमंग में डूबे थे। पंडित रमाशंकर और लाला दीनानाथ, जो बरसों से आपस में दुश्मनी रखते थे, उनके परिवार भी इस दुश्मनी के रंग में रंग चुके थे। दोनों के बच्चे भी एक-दूसरे से बात नहीं करते थे। रवि और मोहन, जो पहले गहरे मित्र थे, अब एक-दूसरे को देखना तक पसंद नहीं करते थे।

होली के दिन दोनों अपने-अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने निकले। पूरा गांव रंगों से सराबोर था, पर दोनों पक्ष अलग-अलग गुटों में थे।

अचानक रवि फिसलकर कीचड़ में गिर गया।

मोहन यह सब देख रहा था। उसने झिझकते हुए अपने हाथ में रखा गुलाल निकाला और रवि के गाल पर लगा दिया। 'होली में दुश्मनी नहीं, दोस्ती का रंग चढ़ता है,' मोहन ने मुस्कुराते हुए कहा। रवि पहले हिचकिचाया, फिर वह भी हंस पड़ा और मोहन को गुलाल लगा दिया। दोनों गले मिल गए।

जब यह दृश्य गांववालों ने देखा, तो सभी की आंखें भर आईं। पंडित रमाशंकर और लाला दीनानाथ भी भावुक हो गए। वर्षों की दुश्मनी पिघल गई और दोनों ने गले मिलकर पुराने गिले-शिकवे भुला दिए।

इस तरह होली पर दिलों में भी स्नेह और मेल-मिलाप के नए रंग चढ़े। गांव के लोगों ने समझ लिया कि होली रंगों का नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का त्योहार है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

शॉर्ट रीड: *लेखन की श्रेष्ठता लेखक के व्यक्तित्व से सिद्ध होती है- भालचंद्र नेमाडे*

फुटबॉल: शीर्ष क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड ने की स्टेडियम के निर्माण की घोषणा

2256 करोड़ रुपए में बनेगा इंग्लैंड का सबसे बड़ा स्टेडियम

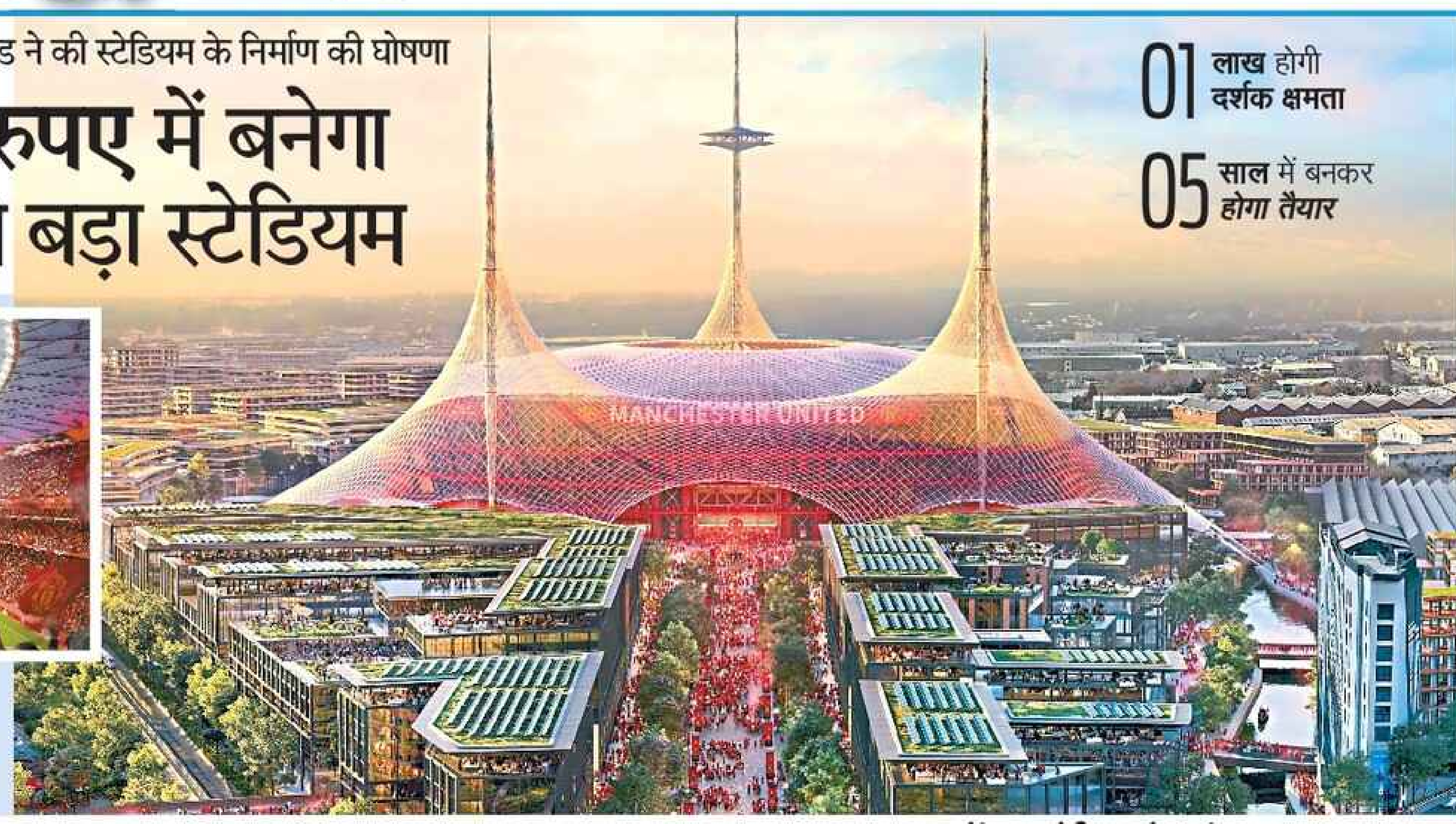

डिजाइन छतरी जैसा: स्टेडियम का डिजाइन छतरी के जैसा होगा और स्टेडियम में तीन ऊंची मिनार भी होंगी। ये मिनार 200 मीटर ऊंची होगी और 25 मील की दूरी से भी दिखाई देगी।

लंदन @ पत्रिका. दुनिया के शीर्ष फुटबॉल क्लबों में शुमार मैनचेस्टर यूनाइटेड अब नया स्टेडियम बनाने जा रहा है। रिपोर्ट के तहत, यह लंदन का सबसे बड़ा और महंगा स्टेडियम होगा। क्लब के सहमालिक सर जिम रेटक्लिफ ने कहा, यह दुनिया का सबसे बेहतरीन फुटबॉल स्टेडियम होगा और हमारा सपना अगले पांच साल में पूरा हो जाएगा। इस स्टेडियम के निर्माण में दो बिलियन पाउंड (2256 करोड़ रुपए) खर्च होंगे और स्टेडियम की दर्शक क्षमता करीब एक लाख होगी।

1910 में बना स्टेडियम होगा बंद: मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल टीम अभी ओल्ड ट्रेफर्ड में बने स्टेडियम में खेलती है, जिसका निर्माण 1910 में हुआ था। नया स्टेडियम भी ओल्ड ट्रेफर्ड में बनेगा।

कुश्ती: अब घरेलू टूर्नामेंट का आयोजन हो सकेगा

निलंबन हटने से भारतीय पहलवानों को मिली राहत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय खेल मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) पर लगाए निलंबन को निरस्त कर दिया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ के कामकाज में सुधार के बाद यह आदेश जारी किया है। इसके साथ ही डब्ल्यूएफआइ पर 16 महीनों से जारी प्रतिबंध समाप्त हो गया। डब्ल्यूएफआइ ने कहा कि प्रतिबंध हटने से घरेलू टूर्नामेंट के आयोजन के अलावा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमों का चयन भी हो सकेगा।

कुश्ती लीग लॉन्च होगी

प्रतिबंध के कारण कैंप और स्पर्धाएं नहीं हो रही थीं। खासतौर पर उन बच्चों का काफी नुकसान हो रहा था, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। अब जून-जुलाई में कुश्ती लीग लॉन्च की जाएगी। इससे युवा पहलवानों को काफी फायदा होगा। - **संजय सिंह,** अध्यक्ष, डब्ल्यूएफआइ

खेल मंत्रालय ने दिए ये निर्देश

- डब्ल्यूएफआइ पर ***प्रतिबंध की अवधि के दौरान किए गए संशोधन को वापस लेना होगा।***
- डब्ल्यूएफआइ को यह सुनिश्चित करना होगा कि ***अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए निष्पक्ष चयन हो।***

महिला कबड्डी टीम को इनामी राशि

नई दिल्ली @ पत्रिका. केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने एशियाई चैंपियनशिप जीतने वाली महिला कबड्डी टीम की प्रशंसा करते हुए इनामी राशि देने की घोषणा की है। महिला टीम ने तेहरान में ईरान को 32-25 से हराया था। पांचवीं बार यह ट्रॉफी जीतने पर खेल मंत्री ने टीम को 67.50 लाख रुपए नकद पुरस्कार देने का फैसला किया है। खेल मंत्री ने कहा, हम अपनी महिला खिलाड़ियों को हरसंभव समर्थन देने की कोशिश कर रहे हैं।

आज का पोल

क्या लोकेश राहुल को आइपीएल में दिल्ली का कप्तान बनाना चाहिए?

YES NO

हमारे एक्स/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

मंगलवार का जवाब

हां 95% नहीं 05%

पिछला सवाल: क्या आइपीएल में हैरी ब्रूक के खेलने पर दो साल का प्रतिबंध लगाना सही है?

शानदार रेकॉर्ड: टीम इंडिया को पिछले तीन इवेंट में सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा

रोहित का दबदबा, आइसीसी टूर्नामेंट में तीसरे सबसे सफल कप्तान बने

नई दिल्ली @ पत्रिका. रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम के तेवर बदल गए हैं और टीम इंडिया एक नए मुकाम पर पहुंची है। पिछले तीन आइसीसी टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने दबदबा कायम किया। टीम इंडिया के पास 2023 वनडे विश्व कप जीतने का मौका था, लेकिन टीम फाइनल में हार गए थी। इसके बाद, टीम इंडिया ने जोरदार वापसी की और 2024 टी-20 विश्व कप और अब चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर धाक जमाई। इसी के साथ रोहित शर्मा आइसीसी टूर्नामेंट में इतिहास के तीसरे सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। उनके नाम आइसीसी टूर्नामेंट में 27 जीत हैं। खास यह है कि इस सूची में भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 41 जीत के साथ शीर्ष पर हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (40 जीत) हैं।

आइसीसी इवेंट में सर्वाधिक जीत...

कप्तान	देश	मैच	जीत	हार	टाई	बेनतीजा
एमएस धोनी	भारत	58	41	14	02	01
रिकी पोंटिंग	ऑस्ट्रेलिया	51	40	09	00	02
रोहित शर्मा	भारत	30	27	03	00	00

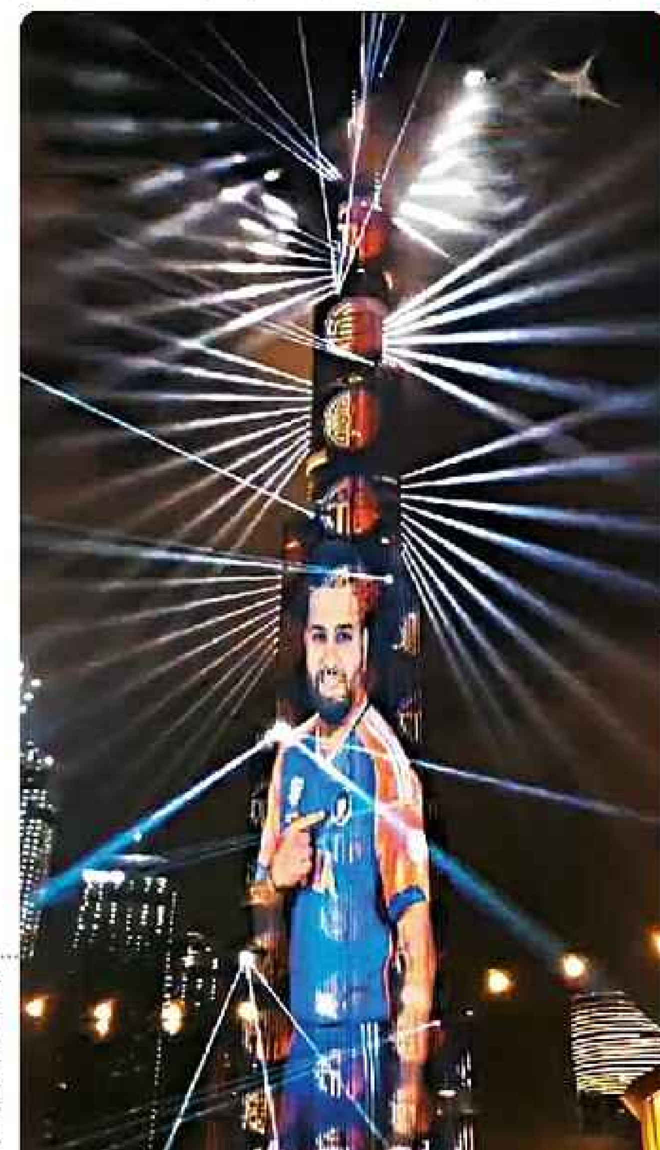

बुर्ज खलीफा पर छाए रोहित...

दुबई. चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा दुबई में छा गए हैं। यहां दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा पर सोमवार को लेजर लाइटिंग के जरिए पहले भारतीय तिरंगा और उसके बाद कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली के अलावा अन्य भारतीय खिलाड़ियों की तस्वीरें भी प्रदर्शित की गईं।

व्हाइट बॉल में शानदार रेकॉर्ड...

56 वनडे भारत ने ***रोहित की कप्तानी में खेले***

62 टी-20 मुकाबलों में ***रोहित ने की कप्तानी***

42 मैच भारत ने जीते, 12 हारे, ***01 टाई, 01 बेनतीजा***

49 मैच भारतीय टीम जीती, ***12 हारी, एक टाई***

शीर्ष पर काबिज आइसीसी टूर्नामेंट में जीत और हार का अंतर देखा, जाए तो उसमें रोहित शीर्ष पर हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 30 मैच में तीन हारे हैं। इस तरह टीम को नौ मैचों के बाद एक हार मिली है। दूसरे स्थान पर विंडीज को दो विश्व कप दिलाने वाले क्लाइव लॉयड (7.500 मैच) हैं। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज ने तीन विश्व कप में 17 मैच में 15 जीते व 02 हारे।

सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने वाले कप्तानों की सूची में

रोहित शर्मा सर्वाधिक चार अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने वाले दुनिया के कुल चौथे कप्तान बन गए हैं। ***खास यह है कि शीर्ष चार कप्तानों में दो भारतीय हैं।***

कप्तान	देश	खिताब
इमरान खान	पाकिस्तान	वनडे विश्व कप 1992, ऑस्ट्रेलिया-एशिया कप 1986 व 1990, वर्ल्ड सीरीज 1989
रिकी पोंटिंग	ऑस्ट्रेलिया	वनडे विश्व कप 2003 व 2007, चैंपियंस ट्रॉफी 2006 व 2009
एमएस धोनी	भारत	टी-20 विश्व कप 2007, वनडे विश्व कप 2011, चैंपियंस ट्रॉफी 2013, एशिया कप 2016
रोहित शर्मा	भारत	टी-20 विश्व कप, एशिया कप 2018, 2023, चैंपियंस ट्रॉफी 2025

टीम इंडिया ने पिछले 9 महीने में दो बड़े खिताब जीते

भारतीय टीम का 2023 से आइसीसी टूर्नामेंट में दबदबा रहा है। इस दौरान भारत ने वनडे विश्व कप, टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी खेली और तीनों टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची। भारतीय टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में हारकर खिताब जीतने से चूक गई लेकिन इसके बाद उसने अजेय रहते हुए टी-20 विश्व कप व चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

एक अवधि में इन देशों की रही बादशाहत

देश	अवधि	टूर्नामेंट	खिताब	जीत	हार	टाइ
वेस्टइंडीज	1975-1983	03	02	15	02	00
ऑस्ट्रेलिया	1999-2007	07	04	37	06	01
इंग्लैंड	2019-2022	03	02	16	06	01
भारत	2023-2025	03	02	23	01	00

*इस अवधि के दौरान **टीम इंडिया ने 24 में से 23 मुकाबले जीते** और सिर्फ एक मैच वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल हारा।*

आइपीएल-2025

राहुल बनेंगे दिल्ली टीम के कप्तान

नई दिल्ली @ पत्रिका. आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज लोकेश राहुल आगामी आइपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम के नए कप्तान बन सकते हैं। पिछले सीजन लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले राहुल को मेगा नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि कप्तानी की होड़ में अक्षर पटेल का नाम भी था। सूत्रों के मुताबिक, अक्षर पटेल भी कप्तानी के दावेदार थे लेकिन फ्रेंचाइजी ने लोकेश राहुल को कप्तानी करने के लिए प्रस्ताव दिया है। आइपीएल में राहुल ने 64 मैचों में कप्तानी की हैं और 31 जीते, 31 हारे, 02 टाई रहे हैं।

फुटबॉल अंडर-19

भारत का नेपाल व श्रीलंका संग मैच

नई दिल्ली @ पत्रिका. मेजबान भारत को आगामी सैफ अंडर-19 फुटबॉल चैंपियनशिप में नेपाल और श्रीलंका के साथ ग्रुप-बी में रखा गया है। मंगलवार को इस टूर्नामेंट के ड्रॉ निकाले गए, जो 22 जून से पांच जुलाई 2025 तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के ग्रुप-बी में मालदीव, भूटान और बांग्लादेश को रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें 16 मई को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में जाएगी। वहीं, 18 मई को फाइनल खेला जाएगा।

विश्व पैरा एथलीट: दिग्गज एथलीटों की रुचि नहीं

निराशा : किसी स्पर्धा में दो तो किसी में तीन एथलीट ही उतरे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रांप्री का आगाज मंगलवार से यहां जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन तो भव्य रहा, लेकिन स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी ने इसे फीका बना दिया। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन जेवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल और चक्का फेंक योगेश कथुनिया जैसे बड़े एथलीटों ने पहले ही टूर्नामेंट में कोई दिलचस्पी नहीं ली और हट गए।

अकेले उतरे और जीत लिया स्वर्ण पदक: हाल यह रहा कि पुरुषों की ऊंची कूद टी42 फाइनल में सिर्फ एक एथलीट रामसिंहभाई गोबिंदभाई पढियार ने ही हिस्सा लिया और शीर्ष स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीत लिया। वहीं, पुरुष भाला फेंक (एफ33, एफ34) स्पर्धा में दो एथलीटों ने ही हिस्सा लिया। उज्बेकिस्तान के ओयबेक इगामनाजारोव 18.05 मीटर संग शीर्ष पर और भारत के देवर्शी सचान (11.34 मी) दूसरे स्थान पर रहे।

टेनिस

अल्कारेज 14वीं जीत के साथ अंतिम-16 में

नई दिल्ली @ पत्रिका. स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने एटीपी मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में लगातार 14वां मैच जीता। अल्कारेज ने इंडियन वेल्स ओपन के तीसरे दौर में डेनिस शापोवालोव को 6-2, 6-4 से शिकस्त दी। दो बार के गत विजेता अल्कारेज ने इन 14 मैचों में महज दो सेट ही गंवाए हैं। अब दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कारेज का अगले दौर में 14वीं वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव से सामना होगा। वहीं, महिला एकल में शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका ने अंतिम-16 में प्रवेश किया।

एएफसी चैंपियंस लीग: अल नासर 3-0 से जीता

रोनाल्डो की टीम अंतिम-8 में पहुंची

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रियाद. क्रिस्टियानो रोनाल्डो के पेनल्टी पर किए गए गोल से अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। अल नासर ने ईरान के फुटबॉल क्लब एस्टेघलाल को 3-0 से हराकर अंतिम-8 का टिकट कटाया। अल नासर की ओर से जॉन ड्यूरेन ने 9वें व 84वें मिनट में गोल किए, जबकि रोनाल्डो ने 27वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया। दोनों टीमों के बीच पहले चरण का मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा था। इस जीत के बाद अल नासर के रोनाल्डो की मौजूदगी में पहला बड़ा खिताब जीतने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7281...

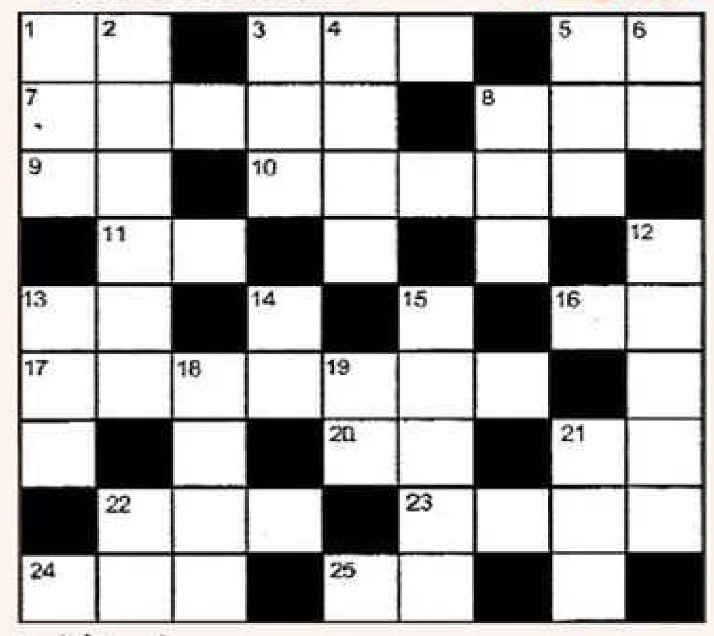

बाएं से दाएं... 1. उपवन, वाटिका (2), 3. लवण (3), 5. आफत, मुसीबत (2), 7. गिरोह का सरगना, गुट का सरदार (2-3), 8. केवल, मात्र (3), 9. बुरी आदत (2), 10. विनीत होने वाला, सिर झुका कर प्रणाम (2-3), 11. परिणाम, नतीजा (2), 13. महीना, मास (2), 16. सामान्य, फलों का राजा (2), 17. अचल-संपत्ति (3-4), 20. रात्रि, निशा (2), 21. देना, चुकता (2), 22. चिंतन, सोचना (3), 23. कुहराम, चिल्प-पों (4), 24. अवाम, प्रजा (3), 25. पराजय (2)

ऊपर से नीचे... 1. मेघ, वारिद (3), 2. मतिभ्रम, मुगालता (3-3), 3. नेत्र, आंख (3), 4. पाठशाला (4), 5. बेसिर पैर की बातें, पथभ्रष्टता, के विरुद्ध (3), 6. शर्म, हया (2), 8. ललाट, माथा (3), 12. बुद्धिमान (5), 13. हाल, घटना (3), 14. इच्छा, मर्जी (2), 15. हमेशा हरा-भरा रहने वाला (5), 18. नूतनता, नयापन (4), 19. कीर्ति, प्रसिद्धि, ख्याति (2), 21. दुर्भिक्ष (3), 22. चित्त, जी, दिल (2)

हल 7280

SUDOKU 7016...

	2	6	5	8	9	3	7	
			4					
	9			2	6		8	5
7	4		1				6	
6	1				3		2	9
			7			1		4
		1	9		4		5	
9	5			1				3
	7							

हल 7015

7	9	5	3	8	4	6	1	2
6	3	2	9	5	1	8	4	7
8	1	4	6	2	7	3	5	9
2	8	7	4	9	5	1	3	6
9	6	1	8	7	3	4	2	5
5	4	3	1	6	2	9	7	8
3	2	6	5	4	9	7	8	1
1	7	9	2	3	8	5	6	4
4	5	8	7	1	6	2	9	3

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

मिसाल बने हम // दिग्गज अमरीकी शतरंज खिलाड़ी हेंस नीमन ने अपने देश के महासंघ को चेताया

शतरंज की बिसात पर भारत के दबदबे से घबराया अमरीका

दिग्गज ग्रैंडमास्टर बोल, नहीं सुधरे हालात तो हम गुमनामी में खो जाएंगे

हेंस नीमन
अमरीकी ग्रैंडमास्टर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय शतरंज ने बीते कुछ सालों में तेजी से विकास किया है और हर टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने छाप छोड़ी है, चाहे वह ओलंपियाड हो, विश्व सीनियर व जूनियर चैंपियनशिप हो। शतरंज की बिसात पर भारतीयों के लगातार बढ़ते दबदबे को देखकर अब अमरीका भी घबरा गया है। अमरीका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर हेंस नीमन ने अपने देश के शतरंज महासंघ को चेतावनी दी है कि अगर समय रहते बुनियादी ढांचे में बदलाव नहीं किया तो हम गुमनामी में खो जाएंगे।

भारत शतरंज का पावरहाउस

भारत के पास डी गुकेश के रूप में वर्तमान विश्व चैंपियन हैं, जबकि ओपन और महिला वर्गों में हम ओलंपियाड के गत विजेता भी है। ***जूनियर विश्व चैंपियनशिप में हाल में प्रणव वेंकटेश ने खिताब जीता है, जबकि उसी दिन प्राग मास्टर्स में अरविंद चितंबरम चैंपियन बने।***

डी गुकेश
विश्व चैंपियन

18 साल

प्रणव वेंकटेश
जूनियर विश्व चैंपियन

18 साल

अरविंद चितंबरम
प्राग मास्टर्स विजेता

25 साल

आर प्रग्गनानंदा
टाटा स्टील मास्टर्स

19 साल

भारतीय मॉडल सबसे अच्छा

जब मैं शतरंज को देखता हूं तो एक ऐसा देश मुझे दिखता है जो बहुत अच्छा कर रहा है। जहां पूरा तंत्र उस खेल को विकसित करने में जुटा हुआ है। वह देश भारत है। मुझे लगता है कि वर्तमान में शतरंज में भारत का मॉडल सबसे अच्छा है। मैं यह सब कुछ अमरीका में भी चाहता हूं।
-हिकारू नाकामुरा, अमरीकी खिलाड़ी

...तो हम कहीं के नहीं रहेंगे: हेंस

नीमन ने सोशल मीडिया पर लिखा, कि भारतीय शतरंज प्रतिभाओं के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे सरकार का समर्थन, दिग्गजों का मार्गदर्शन और देशभर से मिलने वाले प्यार और सम्मान का बहुत बड़ा हाथ है। जिसकी अमरीका में कमी है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो हम कहीं के नहीं रहेंगे। नीमन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हम शतरंज की दुनिया पर राज करना चाहते हैं तो हमें दूसरे देशों से खिलाड़ी खरीदने के बजाय अपने यहां की युवा प्रतिभाओं का समर्थन करना चाहिए।

हमारे युवा शतरंज को करियर नहीं मानते नीमन ने कहा, भारत में विश्वनाथन आनंद जैसे महान खिलाड़ी युवाओं को बढ़ावा देते हैं। बड़ी कंपनियां और भारत सरकार खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है, लेकिन अमरीका में कोई बुनियादी ढांचा नहीं है। हमारे युवा खिलाड़ी शतरंज को करियर नहीं मानते क्योंकि यहां वित्तीय सुरक्षा नहीं है।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन

पहले ही दौर में बाहर हुए एचएस प्रणय

बर्मिंघम @ पत्रिका. भारत के एचएस प्रणय पुरुष एकल के पहले दौर में मंगलवार को फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में शिकस्त के साथ ऑल इंग्लैंड ओपनर बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता 32 वर्षीय प्रणय को 17वें नंबर के खिलाड़ी पोपोव से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मसान होली: मणिकर्णिका घाट पर बिखरे रंग और भस्म, बाबा के भक्तों में अलौकिक उल्लास

वाराणसी. मणिकर्णिका घाट पर मंगलवार को बाबा मसान नाथ की पालकी के साथ रंगों की होली खेलते श्रद्धालु। इस भव्य शोभायात्रा में भक्तों ने रंग, भस्म और भक्ति के बीच महाश्मशान में अलौकिक उल्लास का अनुभव किया। चिता भस्म से होली खेलना मृत्यु और जीवन के अद्भुत मेल का प्रतीक माना जाता है।

जबलपुर-बुरहानपुर में हादसा

हवा भरते समय एक दिन में दो हादसे...तीन की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. गर्मी की दस्तक के साथ ही टायरों में हवा भरते समय प्रेशर पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ज्यादा दबाव के चलते ब्लास्ट होने से सोमवार को मध्यप्रदेश के बुरहानपुर में दो और जबलपुर में एक की मौत हो गई।

इंदौर-हैदराबाद नेशनल हाईवे निर्माण के दौरान पुलिया निर्माण में लगी क्रेन मशीन के टायर में ब्लास्ट होने से दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सुबह उमरदा गांव में हुई, जब मजदूर प्रेशर मशीन से टायर में हवा भर रहे थे। अचानक हुए धमाके से एक मजदूर का सिर क्षत-विक्षत हो गया, जबकि दूसरे की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। मृतकों की पहचान नूर सलाम अंसारी (25) और पवन चौहान (23) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश से मजदूरी के लिए आए थे।

धमाका इतना तेज की छत से टकरा गया, मौत

जबलपुर के तिलवारा बायपास पर एक पंचर मिस्त्री व्यास पटेल की मौत हो गई। ट्रॉला की स्टेपनी में हवा भरते समय अचानक धमाका हुआ, जिससे वह छत से टकरा गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सावधानी बरतें...
सुरक्षा उपायों के बिना इस तरह का कार्य करना घातक हो सकता है। मजदूरों और मैकेनिकों को सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करना चाहिए और हवा भरने के दौरान सावधानी बरतनी चाहिए।

सोना तस्करी: सौतेले आइपीएस पिता के खिलाफ जांच कमेटी

बेंगलूरु @ पत्रिका. राज्य सरकार ने सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार अभिनेत्री रन्या राव के कथित तौर पर हवाई अड्डे से बिना जांच बाहर निकलने को लेकर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) स्तर के अधिकारी के खिलाफ जांच अतिरिक्त मुख्य सचिव को सौंपी है। विधानसभा में मामला उठने के बाद जांच के आदेश दिए गए। एक जांच रन्या के सौतेले पिता व डीजीपी के. रामचंद्र राव की भूमिका की होगी तो दूसरी हवाई अड्डे पर तैनात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी में लापरवाही की होगी।

कर्नाटक: भूमि घोटाले में पित्रोदा के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु @ पत्रिका. कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा व अन्य के खिलाफ कर्नाटक भूमि अधिग्रहण निषेध अधिनियम 2011 के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। मामला बेंगलूरु में 12.35 एकड़ आरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जे का है।

शांति की राह में संकट: वार्ता के बीच भड़का युद्ध

यूक्रेन ने रूस पर किया 373 ड्रोन्स से हमला, 3 की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मास्को. कीव. रियाद. अमरीकी प्रतिनिधिमंडल से रियाद में शुरू हो रही शांति वार्ता से ठीक पहले यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बोला है। रूस ने रात भर में 10 रूसी क्षेत्रों में 337 यूक्रेनी ड्रोन्स को इंटरसेप्ट करने का दावा किया है। हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमरीका ने यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई रोकी हुई है। मॉस्को के गवर्नर एंड्री वोरोब्योव ने बताया है कि मास्को में ड्रोन एक फूड फैक्ट्री के पार्किंग स्थल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। कुल मिलाकर, इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। सबसे अधिक 126 ड्रोन यूक्रेन की सीमा के पार कुर्स्क क्षेत्र में और 91 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र में गिराए गए।

ट्रंप के दूत दूसरी बार मिलेंगे पुतिन से: अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस सप्ताह मास्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे।

मास्को में सोमवार को इसी तरह रातभर होते रहे यूक्रेनी ड्रोन हमले।

छह हवाईअड्डों पर उड़ानें स्थगित

हमले के बाद छह हवाई अड्डों से उड़ानों पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिनमें मॉस्को के निकट दोमोदेदोवो, वनुकोवो, शेरेमेत्येवो और जुकोवस्की तथा यारोस्लाव और निजनी नोवगोरोड क्षेत्रों के हवाई अड्डे शामिल हैं। इसके अलावा यूक्रेन की सीमा से सटे बेलगोरोद, ब्रायंस्क और वोरोनिश तथा रूस के काफी अंदर स्थित कलुगा, लिपेत्स्क, निजनी नोवगोरोद, ओर्योल और रियाजान जैसे क्षेत्रों में भी ड्रोन हमले नाकाम किए जाने का दावा किया गया है।

यूक्रेन को शांति के लिए छोड़नी होगी जमीन: रूबियो

सऊदी अरब पहुंचे अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि इस समस्या का कोई सैन्य समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि रूस, पूरे यूक्रेन पर कब्जा नहीं कर सकता और यूक्रेन भी रूस को अपने इलाकों से पूरी तरह खदेड़ नहीं सकता। यूक्रेनी पक्ष को शांति के लिए कुछ इलाका छोड़ना ही होगा।

पड़ोस: निगरानी में लेफ्टिनेंट जनरल फैजुर रहमान

बांग्लादेशी सेना में बगावत की पाक साजिश विफल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश की सेनाध्यक्ष वकार-उज-जमान ने पिछले दिनों जो आशंक जताई थी, वो सच साबित होती दिख रही है। जमान ने देश में नेताओं के बीच विवाद को चलते देश की सुरक्षा को खतरा बताते हुए उन्हें आगाह किया गया था। जमान की चेतावनी के करीब दो सप्ताह बाद ही बांग्लादेश में आर्मी चीफ वकार-उज-जमान का तख्तापलट करने की साजिश का खुलासा हुआ है।

बांग्लादेशी सेना के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल फैज़ुर रहमान (क्वार्टर मास्टर जनरल) ने राजनीतिक दल जमात-ए-इस्लामी और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के समर्थन से जनरल जमान की जगह लेने की कोशिश की। दरअसल लेफ्टिनेंट जनरल रहमान ने देश में राजनीतिक अस्थिरता के बीच अपनी ताकत आजमाने के लिए सेना मुख्यालय में बैठक बुलाई थी। लेकिन इसमें वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति कम ही रही।

कई सेना अधिकारी षड्यंत्र में शामिल

इस साजिश में 10 जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के नाम भी सामने आए हैं। इनमें मेजर जनरल मीर मुशफिकुर रहमान शामिल हैं, जो वर्तमान में 24वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी और चटगांव के एरिया कमांडर हैं। मीर मुशफिकुर लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर जाना चाहते हैं।

पूर्व सैन्य जनरल भी बना सकते हैं पार्टी

चर्चा है कि पूर्व सेना प्रमुख इकबाल करीम भुइयां और अबू बेलाल मुहम्मद शफीउल हक सहित पूर्व सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी हसन सरवर्दी और एहतेशामुल हक और पूर्व ब्रिगेडियर जनरल शमीम कमाल जमान विरोधी अधिकारियों और जमात-ए-इस्लामी की मदद से एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू कर सकते हैं।

आर्म्स ट्रेड: यूक्रेन बना सबसे बड़ा आयातक

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा भारत, आयात हुआ कम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2020-24 की अवधि में यूक्रेन भारत को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक बन गया है। रूस के साथ जारी युद्ध के चलते यूक्रेन का आयात 2015-19 की तुलना में 100 गुना बढ़ा, जिससे उसका वैश्विक आयात में हिस्सा 8.8% हो गया। भारत इस दौरान 8.3% हथियार आयात के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत के हथियार आयात में 2015-19 और 2020-24 के बीच 9.3% की गिरावट दर्ज की गई जो कि आत्मनिर्भर भारत अभियान और स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि का संकेत है। हालांकि, भारत अभी भी रूस, फ्रांस और इजरायल से हथियार खरीदने वाला सबसे बड़ा ग्राहक बना हुआ है।

43% हिस्सेदारी, यूएस शीर्ष निर्यातक

(वैश्विक हिस्सेदारी)

शीर्ष आर्म्स आयातक	
यूक्रेन	8.8%
भारत	8.3%
कतर	6.8%
सऊदी अरब	6.8%
पाकिस्तान	4.6%

शीर्ष आर्म्स निर्यातक	
अमरीका	43%
फ्रांस	9.6%
रूस	7.8%
चीन	5.9%
जर्मनी	5.6%

पत्रिका पोल

Q क्या स्टारलिंक के आने से भारत में इंटरनेट सेवाएं महंगी हो जाएंगी?

कल का सवाल था
अदालती आदेशों की पालना न होने पर क्या अफसरों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए?

जवाब
97% हां 3% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

बिहार में डीएसपी पर हुआ हमला, जमकर बरसाएं पत्थर और बम
बिहार की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

होली पर तिरपाल का हिजाब बनवाएं और पहनकर निकलें, और यूपी के मंत्री का विवादित बयान
उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

आर्थिक तंगी: बेटे-बेटी की हत्या के बाद दंपती ने की खुदकुशी

हैदराबाद @ पत्रिका. आर्थिक तंगी से परेशान एक दंपती ने अपने दो बच्चों 14 साल की बेटी और 10 साल के बेटे की कथित रूप से हत्या के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में 45 साल के व्यक्ति ने लिखा कि वित्तीय समस्याओं के कारण परिवार के सदस्यों के साथ वह खुद का जीवन खत्म कर रहा है। पत्नी की उम्र 35 साल थी। व्यक्ति पहले एक निजी कॉलेज में लेक्चरर था। नौकरी छूटने पर वह छह महीने से बेरोजगार था। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

खुलासा..सूर्यवंशम फेम सौंदर्या की मौत हादसा नहीं हत्या थी!

नई दिल्ली @ पत्रिका. फिल्म सूर्यवंशम की अभिनेत्री सौंदर्या की मौत एक बार फिर सुर्खियों में है। 2004 में एक राजनीतिक अभियान में जाते वक्त निजी विमान क्रैश होने से सौंदर्या की मौत हो गई थी। तब सौंदर्या का शव भी नहीं मिला था। अब 21 साल बाद एक शिकायत दर्ज की गई है कि सौंदर्या की मौत एक्सीडेंट नहीं, एक मर्डर था। शिकायतकर्ता ने दक्षिण के अभिनेता मोहन बाबू के खिलाफ शिकायत की है। इसमें बताया गया है कि सौंदर्या ने शम्शाबाद में एक जमीन खरीदी थी, जिसे बेचने के लिए मोहन बाबू दबाव डाल रहा था।

बढ़ी मुश्किलें: कोर्ट ने 18 तक रिपोर्ट मांगी

केजरीवाल पर जनता के पैसे की फिजूलखर्ची का मुकदमा

नई दिल्ली @ पत्रिका. शराब घोटाले में जमानत पर चल रहे आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को एक पुराने मामले में केजरीवाल व अन्य नेताओं के खिलाफ जनता के पैसे का दुरुपयोग और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान के आरोप पर एफआइआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को इस मामले में 18 मार्च तक रिपोर्ट देने को कहा है। प्रतिवादी शिवकुमार सक्सेना ने 2019 में द्वारका में लगाए गए होर्डिंगों को लेकर केजरीवाल, विधायक गुलाबसिंह और क्षेत्रीय पार्षद निकिता शर्मा पर जनता के पैसे का दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कोर्ट में मुकदमा दर्ज करने की अर्जी दी थी।

मुंबई एयरपोर्ट

मानव तस्करी के आरोप में 8 गिरफ्तार

मुंबई @ पत्रिका. मुंबई पुलिस ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खुद को हरियाणा की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी के छात्र व प्रोफेसर बताकर अवैध रूप से जेद्दाह होते हुए लंदन जा रहे आठ लोगों को मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आठ में से सात ने खुद को छात्र बताया और कहा कि वे स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जा रहे हैं, पर यूके की यूनिवर्सिटी के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सके। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज देकर यूके का वीजा हासिल किया था। पूछताछ में दो यात्रियों के पास यूके का विजिट वीजा पाया गया।

ब्लैक लाइव्स: म्यूरल तोड़ा तो साक्षी रहीं थॉमस की डबडबाई आंखें

वाशिंगटन @ पत्रिका. वाइट हाउस के पास ब्लैक लाइव्स मैटर म्यूरल गिराए गए तो स्टारलेट थॉमस की आंखों से आंसू बह निकले। हाथ में टूटे हुए म्यूरल का टुकड़ा थामे उन्होंने कहा, 'यह पत्थर से बढ़कर था, हमारे अस्तित्व की गवाही था।' 2020 के विरोध प्रदर्शन की साक्षी रही थॉमस ने इसे भावनात्मक क्षति कहा।

पाक राजनयिक को अमरीका में एंट्री नहीं, एयरपोर्ट से लौटाया

वाशिंगटन @ पत्रिका. तुर्कमेनिस्तान में पाकिस्तान के राजदूत को अमरीका में दाखिल होने से रोक दिया गया। उन्हें वापस भेज दिया गया। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि राजदूत केके अहसान वगान को अमरीका से डिपोर्ट किया गया है। इमिग्रेशन संबंधी आपत्तियों के चलते अमरीकी अधिकारियों ने उन्हें देश छोड़ने के लिए कहा। वगान के पास वैध दस्तावेज थे। वह किसी निजी काम से लॉस एंजिल्स जा रहे थे। हालांकि, अमरीकी अधिकारियों ने उन्हें एयरपोर्ट पर रोक दिया और उन्हें डिपोर्ट कर दिया। हाल ही जानकारी सामने आई थी कि राष्ट्रपति ट्रंप ऐसे आदेश पर साइन कर सकते हैं, जिससे अफगानिस्तान और पाकिस्तान के लोगों के अमरीका में प्रवेश करने पर पाबंदी लग जाएगी।

फाल्गुन मस्ती: सजना, संवरना ऐसा कि लड़कियां भी शरमा जाएं

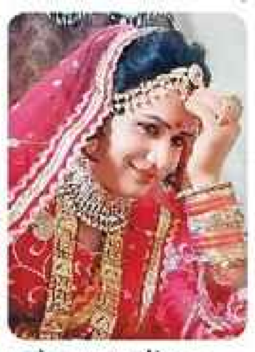

सूरत. ये सौंदर्य और ये नजाकत...सूरत में फाल्गुन के उत्सव में इन कलाकारों ने लोकगीत और नृत्य का ऐसा रंग जमाया कि लोग वाह-वाह करने लगे। हालांकि महिलाओं के मेकअप में ये सभी कलाकार पुरुष हैं। इन्हें देसी बोलचाल में 'मेहरी' कहा जाता है। इनमें ज्यादातर कलाकार शौकिया होते हैं, जो होली की मस्ती में ये प्रस्तुति देते हैं। अब इन कलाकारों के फन की मांग विदेशों में होने लगी है।

ट्रेंडिंग न्यूज

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति गिरफ्तार

फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते को मंगलवार को मनीला इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई।

गुटेरस कल से बांग्लादेश की यात्रा पर

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस गुरुवार को बांग्लादेश की तीन दिवसीय यात्रा पर ढाका पहुंचेंगे, जहां वह कॉक्स बाजार में रोहिंग्या शरणार्थियों से मिलेंगे। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख अपनी वार्षिक रमजान एकजुटता यात्रा के तहत बांग्लादेश की यात्रा पर आ रहे हैं।

भारत आएंगी अमरीकी खुफिया निदेशक

अमरीका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा है कि वह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की 'बहु-राष्ट्र' यात्रा के तहत जापान, थाईलैंड और भारत की यात्रा पर रहेंगी। गबार्ड ने कहा मजबूत संबंध और खुले संचार से शांति की स्थापना उनका लक्ष्य है।

अजब गजब

सातों महाद्वीपों में स्कूबा डाइविंग

वॉशिंगटन @ पत्रिका. एक अमरीकी ने सिर्फ 19 दिन, 19 घंटे और 40 मिनट में सातों महाद्वीपों में स्कूबा डाइविंग कर नया गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड बना दिया। 33 साल के बैरिंगटन स्कॉट ने पिछले वर्ष नवंबर से दिसंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया से अंटार्कटिका तक यात्रा पूरी की। इस दौरान स्कॉट ने 43,000 किलोमीटर से भी ज्यादा की दूरी तय कर सातों महाद्वीपों में सबसे तेजी से स्कूबा डाइविंग का कीर्तिमान रचा।

कैटवॉक करते हुए 125.11 किमी चलीं

अबुजा @ पत्रिका. नाइजीरियाई मॉडल ओलॉलाडे आयलाबोला ने कैटवॉक करते हुए सबसे लंबी दूरी चलने का नया गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड बना डाला। आयलाबोला ने चार दिन में कैटवॉक करते हुए 125.11 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने लागोस यूनिवर्सिटी के इंडोर स्पोर्ट्स सेंटर में 2,058 चक्कर पूरे किए, जो उनके शुरुआती 120 किलोमीटर के लक्ष्य से ज्यादा था। आयलाबोला ने अलग-अलग डिजाइनरों के बनाए हुए कपड़े पहनकर यह वॉक पूरी की, इसमें रोजमर्रा की और पारंपरिक पोशाकें शामिल थी।

आगे क्या होगा | मक्का, चावल और गेहूं जैसी जरूरी फसलों पर संकट

पौधों को भी भूखा रख रहा माइक्रोप्लास्टिक

लंदन @ पत्रिका. कई शोध बता चुके हैं कि माइक्रोप्लास्टिक का सेहत पर बुरा असर होता है, लेकिन नए अध्ययन में सामने आया है कि यह पौधों की खाना बनाने की क्षमता को भी बाधित करता है। चीन के नॉनजिंग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बताया कि माइक्रोप्लास्टिक के चलते पौधों की प्रकाश संश्लेषण की क्षमता को नुकसान हो रहा है और मक्का, चावल और गेहूं जैसी जरूरी फसलें खत्म होने का खतरा पैदा हो रहा है। प्रकाश संश्लेषण वो प्रक्रिया है, जिससे पौधे सूरज की रोशनी से अपनी खुराक पाते हैं।

पौधों में माइक्रोप्लास्टिक के प्रभाव को जांचने के लिए 157 अध्ययन से लिए 3000 ऑब्जरवेशन्स का अध्ययन किया।

15 साल में 40 करोड़ होंगे भुखमरी का शिकार

रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने चेताया है कि प्लास्टिक प्रदूषण के कारण दुनिया में खाद्य शृंखला खतरे में पड़ जाएगी। यदि ऐसा हुआ तो 2040 तक करीब 40 करोड़ आबादी भुखमरी का शिकार हो सकती है। 2022 के आंकड़ों के अनुसार 70 करोड़ लोग पहले ही भुखमरी के शिकार है। आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि के लिए अभी और अध्ययन की आवश्यकता है।

ऐसे नुकसान पहुंचाता है माइक्रोप्लास्टिक

माइक्रोप्लास्टिक पत्तियों तक सूरज की रोशनी को रोकते हैं और मिट्टी को नुकसान पहुंचाते हैं, जिस पर पौधे निर्भर करते हैं। पौधों में माइक्रोप्लास्टिक के कारण ये पोषक तत्वों और पानी की आपूर्ति को अवरुद्ध कर सकते हैं। इससे पौधों की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इतना ही नहीं, ये जहरीले रसायन छोड़ सकते हैं, जो प्रकाश संश्लेषण के लिए आवश्यक क्लोरोफिल के स्तर को कम कर सकते हैं।

वित्त वर्ष 2023-24: 177 करोड़ रुपए का नुकसान

साइबर धोखाधड़ी: हाई वैल्यू वाले मामले हुए चार गुना

नई दिल्ली @ पत्रिका. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में उच्च मूल्य वाले साइबर धोखाधड़ी के मामलों में चार गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे करीब 177 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान है। वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को संसद में पेश किए गए आंकड़ों से पता चला है कि मार्च 2024 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में लोगों ने धोखाधड़ी के कारण लगभग 177 करोड़ रुपए गंवाए, जो वित्त वर्ष 2022-23 में साइबर धोखाधड़ी से नुकसान की राशि की तुलना में दोगुने से अधिक है। जिन मामलों में राशि 1 लाख रुपए या उससे अधिक थी, उनकी कुल संख्या वित्त वर्ष 2022-23 के 6,699 से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 29,082 हो गई।

ठगी के लिए बढ़ रहा एआइ का इस्तेमाल

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में किफायती डेटा पैक ने सभी के लिए इंटरनेट तक पहुंच को आसान बना दिया है। इसके चलते एक ओर 1 ट्रिलियन डॉलर का मोबाइल भुगतान बाजार तैयार हुआ है तो दूसरी ओर साइबर अपराधी बढ़ रहे हैं जो लोगों को ठगने के लिए एआइ का इस्तेमाल कर रहे हैं।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।